24 अप्रैल 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

पीएम मोदी आज बिहार को देंगे 13480 करोड़ रुपए वाली योजनाओं की सौगात

पहलगाम आतंकी हमला: पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई सीसीएस की बैठक में लिये गए पांच महत्वपूर्ण फैसले

अब पाकिस्तानियों को नहीं मिलेगा भारत का वीजा

एक्शन मोड में भारत

- भारत और पाकिस्तान के बीच स्थित अटारी बॉर्डर चेक पोस्ट को बंद किया जाएगा
- पाकिस्तान में मौजूद भारत का दूतावास बंद किया जाएगा
- सिंधु जल समझौता पर रोक
- भारत में मौजूद पाकिस्तानी राजनायिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार शाम कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की अहम बैठक हुई। इसमें पाकिस्तान के खिलाफ पांच कड़े फैसले लिए गए। दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए. इसके बाद सीसीएस की बैठक बुलाई गई। इस बैठक में पीएम मोदी के अलावा गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, एनएसए अजित डोभाल, विदेश मंत्री एस जयशंकर मौजूद थे। इसके बाद बैठक में लिए गए फैसलों को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने इन फैसलों की जानकारी दी। सबसे पहला फैसला है कि भारत और पाकिस्तान के बीच स्थित अटारी बॉर्डर चेक पोस्ट को बंद किया जाएगा। यह एक बड़ा कदम है जिससे दोनों देशों के बीच सीमित आवाजाही भी रुक जाएगी। दूसरा फैसला है कि पाकिस्तान में मौजूद भारत का दूतावास अब बंद किया जाएगा। यह कूटनीतिक रिश्तों में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इसके साथ ही भारत ने तीसरा कड़ा कदम उठाते हुए इंडस वॉटर ट्रीटी (जल संधि) को भी रोक दिया है। इसका असर पाकिस्तान को काफी बड़े स्तर पर होगा। चौथा फैसला यह है कि भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी राजनायिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है और पांचवां अहम फैसला है कि अब पाकिस्तानियों को भारत का वीजा नहीं मिलेगा।

सीसीएस की बैठक के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा, सीसीएस ने कड़े शब्दों में हमले की आलोचना की है। दुनिया के कई देशों ने समर्थन जताया है और कड़े शब्दों में हमले की निंदा की है।

पाकिस्तानी नागरिकों को भारत आने की अनुमति नहीं

सार्क वीजा छूट योजना के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को भारत आने की अनुमति नहीं होगी। पहले से जारी वीजा रद्द कर दिए गए हैं और उन्हें 48 घंटे में भारत छोड़ना होगा। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को पसोर्ना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। इन्हें एक सप्ताह में देश छोड़ना होगा। भारत और पाकिस्तान के उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 की जाएगी। यह बदलाव 1 मई तक पूरा किया जाएगा। सीसीएस ने सुरक्षा बलों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है और कहा कि हमले के गुनहगारों को सजा दिलाई जाएगी।

कायराना हमले का करारा जवाब मिलेगा: रक्षा मंत्री

सीसीएस की बैठक में शामिल होने से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आतंकवादियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले में हमारे देश ने अनेक निर्दोष नागरिकों को खोया है। इस कायराना आतंकी हमले में शामिल लोगों को जल्द ही करारा जवाब मिलेगा और भारत ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि से डरने वाला नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस पॉलिसी है। भारत का एक-एक नागरिक इस कायरतापूर्ण हरकत के खिलाफ एकजुट है। मैं देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि घटना के मद्देनजर भारत सरकार हर वो कदम उठाएगी जो जरूरी और उपयुक्त होगा। हम सिर्फ उन लोगों तक नहीं पहुंचेंगे जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया है। हम उन तक भी पहुंचेंगे जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठ कर भारत की सरजमीं पर ऐसी नापाक हरकतों की साजिशें रची हैं।

कायराना हमले के दोषियों को नहीं बख्शेंगे: अमित शाह

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए भीषण आतंकी हमले के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इस हमले में कम से कम 26 पर्यटकों की मौत की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया है। अमित शाह ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा, भारत आतंकवाद के आगे कभी नहीं झुकेगा। इस कायराना हमले के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।' उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अमित शाह ने बुधवार को 26 लोगों के शवों पर पुष्पांजलि अर्पित की। अधिकारियों ने बताया कि शाह ने जीवित बचे लोगों से भी मुलाकात की और आश्वासन दिया कि इस नृशंस कृत्य के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। गृह मंत्री ने बाद में आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों से बातचीत की। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घटनास्थल का दौरा किया और स्थानीय प्रशासन, सेना, सीआरपीएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने, आतंकी ठिकानों पर नकेल कसने और घुसपैठ को रोकने की रणनीतियों पर चर्चा हुई। शाह ने कहा, 'हमारी सेना और सुरक्षा बल आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह हमला कश्मीर की शांति और प्रगति को बाधित करने की साज़िश है, जिसे कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए की एक टीम को पहलगाम भेजा गया है। इसका नेतृत्व एक इंस्पेक्टर जनरल कर रहे हैं। यह टीम हमले की जांच कर रही है और आतंकियों के स्थानीय समर्थन और हथियारों की तस्करी की संभावनाओं की पड़ताल कर रही है।

हमले में दो पाकिस्तानी दहशतगर्द भी शामिल थे

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद देश में उबाल है। इस बीच, आतंकी हमले पर नया अपडेट आया है। जानकारी मिली है कि पहलगाम हमले में दो पाकिस्तानी दहशतगर्द भी शामिल थे। उनके साथ में दो स्थानीय आतंकी भी थे। अब तक चार आतंकियों के बारे में जानकारियां सामने आई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने हमला करने वाले तीन आतंकियों के स्केच भी जारी किए हैं। बायसरन घाटी में हुए हमले में शामिल दो स्थानीय आतंकियों की पहचान कर ली गई है। दो पाकिस्तानी आतंकियों की भी पहचान हुई है। मंगलवार को आतंकियों ने करीब 20 मिनट तक एके-47 से गोलीबारी की थी। स्थानीय आतंकियों के नाम आदिल अहमद ठाकुर और आशिफ शेख बताए जा रहे हैं। आदिल ठाकुर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। आदिल गुरी, बिजबेहड़ा का रहने वाला बताया जा रहा है। आशिफ शेख का जैश-ए-मोहम्मद से कनेक्शन बताया जा रहा है। आशिफ मोंघामा, मीर मोहल्ला (त्राल) का रहने वाला बताया जा रहा है। जानकारी यह भी है कि हमले के कुछ आतंकियों ने बॉडी कैमरा लगाया था। हमले की पूरी घटना को आतंकियों ने रिकॉर्ड किया था।

अबू मूसा ने दी थी धमकी, कश्मीर में फिर बंदूकें गरजेंगी, कटेंगे सिर

एजेंसी/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। 3 दिन पहले की एक घटना पर एक नजर डाले तो कहा जा सकता है कि इस हमले की बिसात 19 अप्रैल को रावलकोट में रची जा रही थी। यहां कुछ दिन पहले लश्कर-ए-तैयबा और जम्मू-कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट के आतंकियों की बैठक हुई थी।

रावलकोट की इस रैली में लश्कर कमांडर अबू मूसा ने मंच से खुलेआम भारत को धमकी दी थी। उसने कहा था कि जिहाद जारी रहेगा, कश्मीर में फिर बंदूकें गरजेंगी और सिर कटते रहेंगे। यह बयान अपने आप में भारत के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा जैसा था। यह वही अबू मूसा है जिसकी अगुवाई में घाटी में कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया गया है। यह बैठक मारे गए आतंकी आकिफ हलीम की याद में बुलाई गई थी, जिसे 17 मार्च 2025 को भारतीय सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा में मार गिराया था।

पुलिस की वर्दी में आए थे आतंकी: सूत्रों की मानें तो पहलगाम हमले को अंजाम देने से पहले आतंकियों ने इलाके की कई बार रेकी की थी। इतना ही नहीं, घटना वाले दिन हमलावर पुलिस की वर्दी में आए ताकि किसी को उन पर शक न हो। उन्होंने हिंदू पर्यटकों से नाम पूछ-पूछकर गोलियां मारीं।

1500 से अधिक लोगों को लिया गया हिरासत में

श्रीनगर। पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है. सूत्रों के मुताबिक पूरे कश्मीर घाटी में 1500 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। ये लोग अलग-अलग जिलों और संवेदनशील इलाकों से पकड़े गए हैं। इनमें ओवरग्राउंड वर्कर्स, पूर्व उग्रवादी, और वे लोग शामिल हैं जिन पर पहले से एफआईआर दर्ज है या जिनका नाम खुफिया निगरानी लिस्ट में है। जांच एजेंसियां हमलावरों को पनाह देने वालों का पता लगाने में जुटी हैं। पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। माना जा रहा है इस बड़े पैमाने पर छापेमारी और गिरफ्तारी अभियान का उद्देश्य हमले के पीछे के नेटवर्क और स्लीपर सेल्स का पता लगाना है।

कुलगाम में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़, क्षेत्र में छिपे हैं दो-तीन आतंकी

एजेंसी/श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के लगभग 24 घंटे बाद बुधवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई.संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया और इलाके की घेराबंदी कर दी। हालांकि, तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों पर भारी फायरिंग हुई, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों को इलाके में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ और भारतीय सेना ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी अभियान के दौरान, क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की, जिसका सुरक्षा बलों ने भी जवाब दिया। सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में दो से तीन आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना है। रिपोर्ट के मुताबिक कुलगाम जिले के तंगमार्ग इलाके में तलाशी अभियान के दौरान गोलियों की आवाज सुनाई दी। यह इलाका मशहूर अबरबल झरने के पास पड़ता है, जो एक लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह इलाका पुंछ जिले की सीमा से सटा हुआ है।

बता दें कि पहलगाम में हुए हमले में देश के 12 राज्यों के 26 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक भारतीय वायुसेना के कॉर्पोरल, एक नौसेना, आबकारी अधिकारी और कर्नाटक के एक कारोबारी शामिल हैं।

भारत सरकार कायराना आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब दे: खरगे

एजेंसी/नई दिल्ली

पहलगाम में आतंकी हमले की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कड़े शब्दों में निंदा की है। सोशल साइट एक्स पर खरगे ने लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी है। इससे आतंकी हमले से उन्हें गहरा दुःख और सदमा लगा है। कांग्रेस पार्टी कड़े से कड़े शब्दों में इस कायरतापूर्ण घटना की निंदा करती है। उन्होंने कहा कि आतंकियों का यह हमला हमारे देश की अखंडता और एकता पर कायराना हमला है। उन्होंने कहा कि साल 2000 के छत्तीसिंहपुरा में आतंकी हमला हुआ था। उसके 25 साल बाद इतना बड़ा हमला हुआ है. जो भी निहत्थे और निर्दोष नागरिकों को मारते हैं, वो कभी इंसान नहीं हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस आतंकी हमले से जम्मू कश्मीर की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान होगा। ऐसे में जरूरी है कि भारत सरकार उनकी मदद करे। इस समय, हम सब एक हैं। हम आतंकवादियों के खिलाफ एकजुट होंगे। उन्होंने कहा कि इस हमले से पूरा देश स्तब्ध है। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन ने इस घटना की जिम्मेवारी स्वीकार की है। इसका मुंहतोड़ जवाब देना होगा। वह सरकार से अपील करते हैं कि अपनी सारी ताकत लगाकर आतंकवादियों को ढूंढ निकाले।

अगजनी के बाद मणिपुर के कामजोंग जिले में कर्फ्यू

एजेंसी/इंफाल

मणिपुर के कामजोंग जिले के सहमफुंग उप-मंडल के अंतर्गत गमपाल और हैयांग गांव में बुधवार सुबह करीब 9 बजे अज्ञात बदमाशों ने गांव के कई घरों में आग लगा दी। आगजनी की घटना ने इलाके में तनावपूर्ण स्थिति पैदा कर दी है, जिससे सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को खतरा है। आगजनी की घटना के बाद जिला मजिस्ट्रेट ने बुधवार दोपहर 2:00 बजे से कर्फ्यू लगा दिया। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 की उप-धारा 1 के तहत जारी किया गया था. यह लोगों के अपने घरों से बाहर निकलने और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि पर रोक लगाता है। कर्फ्यू अगले नोटिस तक लागू रहेगा। हालांकि, कानून और व्यवस्था बनाए रखने या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में शामिल सरकारी एजेंसियों को छूट दी गई है और उन्हें अपना काम जारी रखने की अनुमति है।

मणिपुर में मई 2023 से लगातार घट रही है हिंसा: आधिकारिक आदेश में पीटर ने कहा, इस तरह की गड़बड़ी से शांति भंग हो सकती है, सार्वजनिक शांति को खतरा हो सकता है और मानव जीवन और संपत्तियों को खतरा हो सकता है। हालांकि, ये प्रतिबंध कानून और व्यवस्था बनाए रखने या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में शामिल सरकारी एजेंसियों पर लागू नहीं होते हैं। बता दें कि मणिपुर मई 2023 से लगातार हिंसा की घटना घट रही है और इस साल फरवरी से राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है।

दो महीनों से हमले की प्लानिंग में जुटा था सैफुल्लाह खालिद

एजेंसी/नई दिल्ली

कश्मीर के पहलगाम इलाके में हुए आतंकी हमले के पीछे के मुख्य साजिशकर्ता की पहचान कर ली गई है। इस हमले का मास्टरमाइंड कुख्यात आतंकी संगठन जमात-उद-दावा से जुड़ा सैफुल्लाह खालिद है। सैफुल्लाह खालिद को अंतरराष्ट्रीय आतंकी और 26/11 मुंबई हमलों के गुनहगार हाफिज सईद का बेहद करीबी माना जाता है। खुफिया सूत्रों ने खुलासा किया है कि सैफुल्लाह खालिद पिछले लगभग दो महीनों से इस घातक हमले की प्लॉनिंग में जुटा हुआ था। बताया जा रहा है कि उसने हमले को अंजाम देने के लिए पूरी रूपरेखा तैयार की, जिसमें आतंकियों को चुनना, उन्हें निर्देश देना और हमले के लिए लॉजिस्टिक्स मुहैया कराना शामिल था।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने किया एलान

भारत आने वाले तीन वर्षों में 100 से 150 नए उपग्रह लॉन्च करेगा

एजेंसी/बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने बड़ा एलान करते हुए कहा कि भारत आने वाले तीन वर्षों में 100 से 150 नए उपग्रह लॉन्च करेगा। इनका मुख्य उद्देश्य सीमा सुरक्षा और तटीय इलाकों की निगरानी को और मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि अभी देश के पास करीब 55 उपग्रह हैं, लेकिन एक विशाल तटरेखा (7,500 किमी) और लंबी सीमाओं वाले देश के लिए ये पर्याप्त नहीं हैं। इसलिए अब भारत को और उपग्रहों की जरूरत है। वी नारायणन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए गए अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों की वजह से अब निजी कंपनियां भी उपग्रह और रॉकेट बनाने में भाग ले सकती हैं, जिससे इसरो को तेजी से नए मिशन पूरे करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इन उपग्रहों की मदद से हम देश की सीमाओं की पूरी तरह निगरानी कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इसरो ने हाल ही में अपने स्पैडेक्स मिशन के तहत उपग्रहों को स्पेस में सफलतापूर्वक डॉक और अनडॉक किया। यह बड़ी तकनीकी सफलता है और भारत अब अमेरिका, रूस और चीन के बाद चौथा देश बन गया है जिसने यह उपलब्धि हासिल की है।

जलवायु परिवर्तन पर भी उपग्रह से होगा अध्ययन

इसरो अब जलवायु परिवर्तन पर अध्ययन करने वाला एक खास उपग्रह भी बना रहा है। इसरो अध्यक्ष ने बताया कि इसका आधा हिस्सा भारत बनाएगा और बाकी में जी 20 देशों का योगदान होगा। बता दें कि इस दौरान इसरो अध्ययक्ष नारायणन कावेरी अस्पताल के एक नए एआई संचालित रोबोटिक सर्जरी सिस्टम के लॉन्च पर पहुंचे थे। ये सर्जरी सिस्टम तकनीक से ब्रेन और रीढ़ की हड्डी की सर्जरी ज्यादा सटीक, सुरक्षित और किफायती तरीके से की जा सकेगी।

- दरिंदों ने कश्मीर में जात नहीं, धर्म पूछा, नाम पूछकर मारी गोली
- अपनों की लाशों के बीच रोते-बिलखते रहे पर्यटक
- पहलगाम हमले का देशभर में विरोध

मिनी स्विटजरलैंड के नाम से प्रसिद्ध बैसरन

घाटी हुई रक्तरंजित

सबकुछ अच्छा था। कई नवविवाहित जोड़े भी इनमें शामिल थे, जिनमें से एक नेवी का अधिकारी भी था जिसकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी। सबकुछ खुशनुमा था, तभी चार-पांच लोग पुलिस की वर्दी में वहां पहुंचे और पर्यटकों से पंजाबी में बात करने लगे, उनसे उनका नाम पूछा और फिर गोली मार दी।

दोपहर का वक्त था और मिनी स्विटजरलैंड के नाम से प्रसिद्ध बैसरन घाटी में टूरिस्ट मौसम का मजा ले रहे थे। वे वहां के कैंप में पर्यटक घुड़सवारी कर रहे थे। इस इलाके तक पैदल ही पहुंचा जा सकता है। सबकुछ अच्छा था। कई नवविवाहित जोड़े भी इनमें शामिल थे, जिनमें से एक नेवी का अधिकारी भी था जिसकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी। सबकुछ खुशनुमा था, तभी चार-पांच लोग पुलिस की वर्दी में वहां पहुंचे और पर्यटकों से पंजाबी में बात करने लगे, उनसे उनका नाम पूछा और फिर गोली मार दी। चीख-पुकार के बीच बूढ़े-बच्चे सभी डरे हुए थे और जान बचाने की जद्दोजहद थी। पीड़ितों के बयान डराने वाले हैं। एक महिला ने तो पति की मौत पर खुद को भी मारने को कहा-तो आतंकियों ने कहा, तुम्हें नहीं मारेंगे, सरकार को बताओ जाकर तुम।

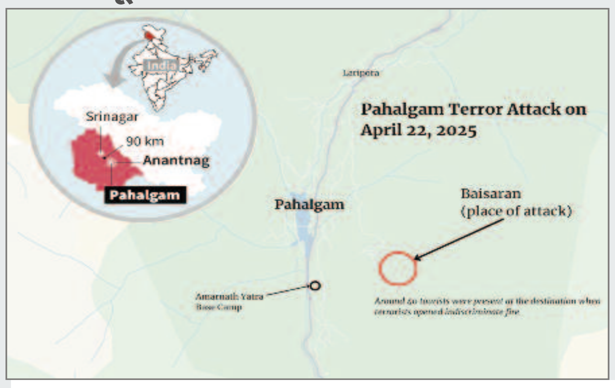

अमरनाथ यात्रा को डिस्टर्ब करना चाहते हैं आतंकवादी

पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ है, उसकी जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। जब से जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया गया है, यह आतंकी संगठन सक्रिय है। आतंकी हमले की जिम्मेदारी लेते हुए भी यह दावा किया गया है कि जिन बाहरियों को कश्मीर में बसाया गया है, उसके खिलाफ यह हमला है। दरअसल टीआरएफ जम्मू-कश्मीर के लगातार सुधरते हालात से परेशान है,

क्योंकि उसका आका पाकिस्तान यह नहीं चाहता कि कश्मीर और कश्मीरी खुशहाल हो। आर्टिकल 370 के हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर में स्थिति लगातार सुधर रही है, चुनाव अच्छे से संपन्न हो रहे हैं, कोई बहिष्कार नहीं हो रहा, यह बात पाकिस्तान को खटक रही है। बस इसी स्थिति को खराब करने के लिए उसने अपने पिछलग्गुओं से टूरिस्टों पर हमला करवाया है, ताकि टूरिस्ट यहां आने से डरें और कश्मीरियों की आजीविका पर बुरा प्रभाव पड़े। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी भारत दौरे पर उन्हें भी आतंकी अपनी ताकत दिखाकर कश्मीर के मसले को एक बार फिर वैश्विक स्तर पर उठाना चाहते हैं। वहीं संभवत: आतंकी अमरनाथ यात्रा को भी डिस्टर्ब करना चाहते हैं, जो कुछ महीनों बाद शुरू होने वाली है और पहलगाम अमरनाथ यात्रा का बेसकैंप है।

टोपी और दाढ़ी का नाम इस्लाम नहीं, पाकिस्तान के इरादों का जवाब दे सरकार

1947 में जब भारत आजाद हुआ, उस वक्त पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने यह कहा था कि हिंदू और मुसलमान एक देश में साथ नहीं रह सकते, इसलिए टू नेशन का एजेंडा चलाया गया और आज तक उस एजेंडे का दुष्प्रभाव भारत झेल रहा है। कश्मीर पर पाकिस्तान की नजर शुरू से रही है और जब पाकिस्तान उसके साथ नहीं गया, तो वह छद्म तरीके से इसे हथियाने की कोशिश में लगा रहता है। पाक अधिकृत कश्मीर बेहाल है, जबकि हमारे जम्मू-कश्मीर में खुशहाली है। हमारे यहां विधानसभा है, लोकसभा के चुनाव होते हैं। आर्टिकल 370 हटने के बाद से तो यहां सैलानी भी खूब आ रहे हैं, जिससे कश्मीर की आय में वृद्धि हुई है। बस यही बात पाकिस्तान को अखर रही थी और उसने सैलानियों को ही निशाना बनाया, ताकि एक तीर से दो शिकार हो जाएं, यानी सैलानी डर से ना आएं, तो कश्मीरियों पर असर पड़ेगा और दूसरे धर्म के आधार पर सैलानियों को मारने से देश में नफरत बढ़ेगी।

- **पाक ने अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए कश्मीर को किया अशांत-** पहलगाम में मंगलवार को जिस तरह की बर्बरता हुई, उसके तार सीधे तौर पर पाकिस्तान से जुड़े हैं। अपने देश की नाकामियों को छिपाने और अपनी जनता के बीच लोकप्रियता हासिल करने के लिए पाकिस्तान इस तरह की नापाक हरकत कई बार करता रहा है। अपनी मंशा को प्रकट करते हुए हाल ही में पाक के सेना अध्यक्ष असीम मुनीर ने यह कहा था कि हिंदू और मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते हैं। आतंकियों ने उसी पैटर्न पर काम करते हुए धर्म पूछकर सैलानियों को मारा। उनका एजेंडा है देश में हिंदू और मुसलमानों के बीच नफरत के बीज बोना।
- **पहलगाम अटैक की तैयारी पहले से कर रहा था पाकिस्तान-** पाकिस्तान पिछले कुछ महीनों से जम्मू-कश्मीर की शांति भंग करने की योजना बना रहा था। पीओके में इस साल की शुरुआत से ही जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी सक्रिय थे। जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि वे कश्मीर की शांति भंग करने के फिराक में थे।

सेनाध्यक्ष असीम मुनीर ने भी यह स्पष्ट कर दिया था कि वे कश्मीर को अशांत करना चाहते हैं और इसके लिए उसने कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। वरिष्ठ पत्रकार अनिल आनंद ने बताया कि मैं जम्मू-कश्मीर का ही रहने वाला हूं। मंगलवार को पहलगाम में जो कुछ हुआ, उसकी शुरूआत तीन-चार महीने पहले से कुछ घटनाओं के रूप में हो चुकी थी। जम्मू और पंजाब के बीच कठुआ जिला है, जहां से होकर रावी नदी बहती है, इसी को घुसपैठियों ने अपना रास्ता बनाया और यहां घुसे। इनका एजेंडा है जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाकर भारत को अशांत करना और अपने देश में लोकप्रियता हासिल करना।

पाकिस्तानियों के पास तो कश्मीर के अलावा और कोई राग है नहीं और वे हमेशा इसी राग को अलापते रहते हैं।

पाकिस्तान का बलूचिस्तान, सिंध, गिलगित, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आदि कुछ ऐसे इलाके हैं, जहां अलगाववादी सक्रिय हैं। इन इलाकों में अलग राज्य की मांग हो रही है। पाकिस्तान की सरकार इन मुद्दों से अपने देश का ध्यान भटकाना चाहती है, क्योंकि वो इन इलाकों में नकारा साबित हो चुकी है।

आतंकी हमले में 7 मौतों की मार्मिक कहानी

कानपुर-जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने हरियाणा के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल और कानपुर के शुभम को पत्नि के सामने गोली मार दी। दोनों की हाल ही में शादी हुई थी। वे हनीमून और घूमने के लिए पहलगाम आए थे।

हमले में इंदौर के कारोबारी सुशील नथानियल, जयपुर के नीरज, रायपुर के स्टील कारोबारी दिनेश मिरानिया, बिहार के आईबी अफसर मनीष रंजन और गुजरात के भी 3 लोग मारे गए। दिनेश अपनी सालगिरह मनाने गए थे।

यूपी- आतंकियों ने पत्नी के सामने मारी शुभम को गोली, फिर बोले- तुम मोदी-सरकार को जाकर बताओ

आतंकियों ने कानपुर के रहने वाले शुभम को पत्नी एशान्या के सामने गोली मार दी। एशान्या चीख-चीखकर रोते हुए आतंकियों से बोलती हैं- मुझे भी गोली मार दो। इस पर आतंकी कहते हैं- हम आपको गोली नहीं मारेंगे, आप सरकार को जाकर बताओ। यह बात एशान्या ने खुद परिवार के लोगों को बताई। शुभम और उनकी पत्नी के साथ उनके परिवार के 11 लोग जम्मू-कश्मीर घूमने गए थे

म.प्र. - इजराइल जाना था, लंबी छुट्टी नहीं मिली तो कश्मीर गए, बिना बताए गए थे इंदौर के सुशील, लौटकर सरप्राइज देना चाहते थे

मप्र- भैया-भाभी और उनके दोनों बच्चे जम्मू-कश्मीर घूमने गए थे। हमें पता नहीं था। कल शाम करीब 8 से 9 बजे के बीच भतीजे ऑस्टिन का फोन आया। उसका रो-रोकर बुरा हाल था। कुछ बोल ही नहीं पा रहा था। दो बार फोन काट दिया। तीसरी बार में उसने बताया कि आतंकवादियों ने पापा को गोली मार दी है। बहन आकांक्षा के पैर में भी गोली लगी है। मां और मैं जैसे-तैसे बचे हैं। भतीजे की बात सुनकर हमारे भी हाथ-पैर ढीले पड़ गए। यह कहते हुए पहलगाम में मारे गए एलआईसी अफसर सुशील नथानियल के ममेरे भाई संजय कुमरावत फूट-फूटकर रोने लगे। कहा, मेरा दोस्त जैसा भाई चला गया। सुशील को सरप्राइज देने की आदत थी, इसीलिए उसने इस टूर के बारे में हमें नहीं बताया। वहां से लौटकर हमें सरप्राइज देना चाहता था। वह सरप्राइज देकर ही हमसे विदा हो गया। लेकिन उसने इस बार समय गलत चुन लिया। संजय ने कहा, कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद से ही हम लोग वहां घूमने का प्लान बना रहे थे। लेकिन वहां के हालात ठीक नहीं हैं। यदि सुशील ने हमें पहले बताया होता या चर्चा की होती तो हम जाने ही नहीं देते।

बिहार- आईबी अफसर की मौत, पत्नी-बच्चों के सामने मारी गोली, हैदराबाद में पोस्टेड थे

आतंकी हमले में बिहार के रहने वाले मनीष रंजन की भी मौत हुई है। रंजन पिछले 2 सालों से आईबी के हैदराबाद ऑफिस में सेक्शन ऑफिसर के पद पर पोस्टेड थे। मनीष को उनकी पत्नी और 2 बच्चों के सामने गोली मार दी गई। रंजन की पत्नी आशा देवी और बच्चे सुरक्षित हैं। मनीष रोहतास के करगहर थाना क्षेत्र के अरुही गांव के रहने वाले थे।

- **राजस्थान- जयपुर यूएई में करते थे जॉब, पत्नी के साथ कश्मीर घूमने गए थे-** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जयपुर का युवक भी मारा गया। युवक का नाम नीरज उधवानी है। नीरज (33) यूएई में जॉब करते थे। करीब दो साल पहले पुष्कर के भंवर सिंह पैलेस में शादी हुई थी। वे 4 दिन पहले ही जयपुर आए थे। इसके बाद तीन दिन पहले पत्नी के साथ जयपुर से कश्मीर घूमने गए थे। हमले के समय पत्नी होटल में थी।

- **गुजरात- भावनगर के पिता-पुत्र और सूरत के एक युवक को आतंकियों ने मारी गोली-** पहलगाम आतंकी हमले में गुजरात के तीन लोगों की मौत हुई है। मंगलवार को सूरत के शैलेशभाई हिम्मतभाई कलथिया की, जबकि भावनगर के यतीशभाई और उनके बेटे स्मित की आज बुधवार को मौत की पुष्टि हुई। भावनगर से 20 लोगों का एक ग्रुप जम्मू-कश्मीर गया था, जिसमें भावनगर के कालियाबीड़ क्षेत्र में रहने वाले यतीशभाई परमार, उनकी पत्नी काजलबेन और बेटा स्मित यतीशभाई शामिल थे। आतंकियों ने काजलबेन को छोड़ दिया, जबकि उनके पति और बेटे को गोली मार दी।

खबरें फटाफट

555 लीटर शराब किया गया नष्ट

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने बुधवार को थाना परिसर में शराब विनष्टिकरण किया। यह विनष्टिकरण थानाध्यक्ष अमित कुमार के नेतृत्व में हुआ। दौरान बतौर मजिस्ट्रेट डुमरांव सीओ शमन प्रकाश मौजूद थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि कुल 21 कांडों में 555 लीटर शराब बरामद किया गया था। जिसे वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विनष्ट किया गया। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराब तस्करी के जीरो टालरेंस की नीति को धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है।

देसी शराब की खेप बरामद, तस्कर फरार

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म पुलिस ने थाना क्षेत्र के छोटका ढकाईच गांव के पास से 20 लीटर महुआ शराब बरामद किया है। हालांकि, इस दौरान शराब तस्कर भागने में सफल रहा। पुलिस ने इस मामले में तस्कर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि छोटका ढकाईच गांव के राजबली मुसहर अपने घर से शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम भेज उसके घर छापेमारी कार्रवाई की गई।

गर्म होने लगी बक्सर जिले की धरती, चिलचिलाती धूप ने छुड़ाए सभी के पसीने

मौसम तल्ख: 43 डिग्री पहुंचा पारा, जिले में 30 किमी/घंटे की रफ्तार से चली लू

- पूरे दिन घरों में दुबके रहे लोग, लू के चपेट में आ बीमार होने की बनी आशंका

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में बुधवार को तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया, पूरे दिन आंधी की तरह चली गर्म पछिया हवा से जिले में लू की स्थिति उत्पन्न हो गई। 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से लू चली। इससे जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। लोगों को घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। इसका असर बाजार से लेकर रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक जगहों पर भी देखा गया। पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि, शाम में बाजार की रौनक लौटी तथा सूर्य अस्त होने के बाद लोग अपने जरूरी कामों को निपटाने के लिए घरों से बाहर निकले।

बुधवार को मौसम का तेवर देख लोग सहम गए है। आने वाले दिनों में तापमान के और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। जिससे लोअग परेशान हो गए है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि गर्मी की वजह से उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। कई लोगों ने गर्मी से बचाव के लिए घरों में ही रहने का फैसला किया। जिस कारण पूरे दिन सड़के वीरान रही। लग्न का सीजन होने के बावजूद बाजार में पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा। मौसम के इस कदर तल्ख होने से आदमी के साथ ही पशु-पक्षी भी परेशान हो गए है।

सुबह से ही शुरू हो गई थी लू : बुधवार को सुबह 10 बजे से ही लू शुरू हो गई थी। आलम यह था कि सुबह नौ बजे के बाद सड़क पर निकलना मुश्किल हो गया था। लोग बहुत कम ही सड़क पर दिखाई पड़ रहे थे। जो दिखाई पड़ रहे थे वे अपने चेहरे को पूरी तरह से ढंके हुए थे। बावूजद उन्हें लू के थपेड़ो से बेजार होना पड़ रहा था। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक तापमान में कोई खास बदलाव की संभावना नहीं है। इसलिए, लोगों को अभी और सावधानी बरतनी होगी। बताया जा रहा है कि अभी तापमान और बढ़ेगा तथा इस वर्ष लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग इसकी चेतावनी जारी कर चुका है।

बच्चे व बुजुर्गो को बरतनी होगी सावधानी : मौसम के इस तल्ख तेवर तथा आंधी की तरह चल रही लू से बच्चें, बुजुर्ग तथा मरीजों को सबसे अधिक खतरा बना हुआ है। डुमरांव के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. शैलेश श्रीवास्वत ने बताया कि बुधवार को जिस तरह से तापमान में वृद्धि हुई तथा तेज रफ्तार में लू चली, उससे बच्चें, बुजुर्ग तथा मरीजों का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। वहीं, सामान्य व्यक्ति भी लू की चपेट में आ बीमार पड़ सकते है। उन्होंने कहा कि लू से बचाव के लिए हमें कई सावधानियां बरतनी होगी। उन्होंने कहा कि हमे ताजा भोजन करना चाहिए तथा भोजन में अधिक से अधिक तरल पदार्थों का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि खाली पेट लू लगने की अधिक संभावना रहती है। भोजन में तरल पदार्थों के अलावे सत्तू, नींबू, प्याज, हरी मिर्च, पुदीना आदि का उपयोग भी लू से बचाव में कारगर साबित होगा।

रेलवे स्टेशन पर पेयजल के लिए परेशान रहे यात्री : बुधवार को बक्सर व डुमरांव स्टेशन पर यात्री पेयजल के लिए काफी परेशान हुए। तेज धूप व लू के बीच यात्रियों के हलक बार-बार सूख रहे थे। वहीं, यात्री प्यास बुझाने के लिए स्टेशन पर लगे नलके के पास जा रहे थे, लेकिन उसका पानी गर्म आ रहा था। इस कारण प्यास बुझाना मुश्किल साबित हो रहा था। साथ ही, यात्री रेलवे स्टेशन पर स्थित दुकानों से शीतल पेय या कोल्ड ड्रिंक्स खरीद प्यास बुझा रहे थे।

रघुनाथपुर व बधार में भीषण आग से किसानों को हुआ भारी नुकसान

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर बधार में दो अलग-अलग जगहों पर अगलगी की घटना हुई, जिसमें किसानों का भारी नुकसान हुआ। इस घटना में किसानों का भारी नुकसान पहुंचा है। उनकी फसल और भूसा बनाने के लिए छोड़ा गया फसल अवशेष जल कर नष्ट हो गया है। पश्चिमी बधार में लगी आग ब्रह्मपुर बगेन मुख्य पथ पर स्थित पेट्रोल पंप तक जा पहुंची थी। पेट्रोल पंप कर्मियों की तत्परता से आग पर किसी तरह काबू पाया गया।

इस दौरान पंप मालिक, कर्मियों व अन्य लोगों ने फोन किया लेकिन दमकल की एक भी गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। दमकल की गाड़ी खराब होने का हवाला दिया गया। वहीं, कंट्रोल रूम में फोन करने पर बक्सर से गाड़ी भेजने की बात कही गई, मगर दमकल की कोई गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। दूसरी तरफ रघुनाथपुर अनुसूचित जाति बस्ती के पास बधार में आग लगने से सुभाष पाल पिता नंदकुमार पाल का खेत में लगा गेहूं का लगभग 2 बीघा फसल जलकर नष्ट हो गया, साथ ही कई किसानों का फसल अवशेष जो पशुओं के चारा के रूप में रखा गया था वो भी जलकर नष्ट हो गया। आग लगने का कोई स्पष्ट कारण पता नहीं चल पाया। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि 11 केवीए के तार में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की घटना हुई है।

इस घटना के बाद से किसानों में मायूशी छाई है। किसानों का कहना है कि इस घटना में उनकी हाड़तोड़ मेहनत की कमाई चली गई है। गौरतलब हो कि बुधवार को पूरे दिन तेज रफ्तार में पछिया हवा चल रही थी। पछिया हवा के कारण भी आग बेकाबू हो गया था। ग्रामीणों ने बताया कि यदि पेट्रोल पंप कर्मियों ने तत्परता नहीं दिखाई होती तो यह आग और विकराल हो सकती थी तथा पेट्रोल पंप भी इसके आगोश में आ सकता था, वहीं, एक बड़ी आबादी भी आग से घिर सकती थी।

जमीन कब्जा करने के मामले में भाई बहन की पिटाई, 12 लोगों पर प्राथमिकी

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

जिले के कृष्णाब्रह्मा थाना क्षेत्र के कठार गांव निवासी अंकित पांडेय ने 12 लोगों पर जमीन कब्जा करने और मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि उनकी जमीन पर कब्जा की नियत से नामजद लोग पौधा लगा रहे थे। जब मैं तथा मेरी बहन आरोपितों को मना करने गए तो वे लोग हम भाई बहन के साथ मारपीट किए तथा बहन का गहना भी छिन लिए। हमलोग किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाए।

वहीं, भागने के दौरान आरोपितों ने धमकी दी है कि पूर्व में जो केस किए हो उसे उठा लो तथा 10 लाख रूपए बतौर रंगदारी हमलोगों को दे दो, तब तुम्हारी जान हमलोग छोड़ेंगे। उसने गांव के ही लक्ष्मण यादव, शिवलखन यादव, टुनटुन यादव सहित कुल 12 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

मामले में थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों में पूर्व से विवाद चला आ रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पहलगाम के आतंकी हमले ने डुमरांव को भी दिया गहरा जख्म

- हमले में जान गंवाने वाले मनीष रंजन का डुमरांव में था ससुराल
- जानकारी मिलते ही ससुराल वालों में छाया मातम

केटी न्यूज/डुमरांव

मंगलवार को जम्मू काश्मीर के पहलगाम में पाक परस्त आतंकियों के कायराना हमले में 28 सैलानियों की मौत की घटना ने जहां पूरे देश को झकझोर दिया है, वहीं आतंकियों की इस कायराना करतूत से डुमरांव को भी गहरा जख्म पहुंचा है।

बता दें कि इस हमले में जान गंवाने वाले आईबी ऑफिसर मनीष रंजन का ससुराल डुमरांव के चौक रोड से जुड़े बिछलहरिया गली में है। वे यहां के निवासी जयशंकर मिश्र के दामाद थे। उनकी पत्नी जया देवी अभी भी इस हमले के बाद गहरे सदमें में है तथा वे इलाजरत है।

गौरतलब हो कि मनीष रंजन इंटेलिजेंस ब्यूरो यानी आईबी के अधिकारी थे और वर्तमान में हैदराबाद में तैनात थे। मनीष बिहार के रोहतास जिले के गरगहर थाना क्षेत्र के अरूही गांव के रहने वाले थे।

डुमरांव के रहने वाले पवन कुमार मिश्रा ने बताया कि मनीष अपने परिवार पत्नी और दो बच्चों के साथ एलटीसी के तहत कश्मीर घूमने आए थे। आतंकियों ने मनीष से नाम पूछने के बाद उनकी पत्नी के सामने ही उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया। मनीष रांची में भी सेवाएं दे चुके थे। उनके पिता का नाम मंगलेश मिश्रा है। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके ससुराल पक्ष के करीब मनीष मिश्र ने बताया कि मनीष काफी कर्मठ व जांबाज के साथ ही व्यवहारकुशल थे। उन्होंने आईबी ऑफिसर के ससुराल पक्ष के हवाले से इस घटना को अंजाम देने वाले आतंकियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग केन्द्र सरकार से की है।

बक्सर स्टेशन से मोबाइल चोर गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर रेलवे स्टेशन पर बुधवार को आरपीएफ ने एक कुख्यात चोर को पकड़ा, जिसके पास से चोरी के दो एंड्रॉयड फोन बरामद किए गए।

आरपीएफ बक्सर पोस्ट के प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि 23 अप्रैल की दोपहर प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर नियमित जांच के दौरान एक युवक की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर गई। तलाशी लेने पर उसके पास से दो फोन बरामद हुए। पूछताछ में वह उनकी वैधता से संबंधित कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

प्रारंभिक जांच में दोनों मोबाइल फोन चोरी के निकले। आरोपी की पहचान राहुल चौहान (उम्र 28 वर्ष), पिता स्व. शिवदास चौहान, निवासी बनहन टोला, वार्ड संख्या 01, थाना ब्रह्मपुर, जिला बक्सर के रूप में हुई है। आरपीएफ ने आरोपी को जब्त मोबाइल फोन के साथ जीआरपी बक्सर को सौंप दिया। वहां उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सरपंच पर जानलेवा हमले के प्रयास में एफआईआर दर्ज

डुमरांव। नंदन पंचायत के सरपंच को जान से मारने के प्रयास व उन्हें धमकी देने के मामले में आरोपित पर डुमरांव थाने ने एफआईआर दर्ज कर लिया है। पुलिस ने सरपंच के आवेदन की गहराई से जांच की, जिसके बाद ही एफआईआर दर्ज किया गया। जाहिर है सरपंच के आरोपों को पुलिस ने प्रथम दृष्टया सही पाया है। बता दें कि सोमवार को सरपंच ददन ने स्थानीय थाने में एक आवेदन दिया था, जिसमें उन्होंने जिक्र किया था कि सुबह करीब आठ बजे उनके गांव का पूर्णमासी यादव खुलेआम शराब की बिक्री कर रहा था, जिसका विरोध मैने किया तो वह जान मारने की नियत से मेरे गर्दन पर हसिया भिड़ा दिया। मैने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। उसने मुझे जान से मारने की धमकी भी दी थी। सरपंच ने आवेदन में जिक्र किया था कि पूर्णमासी यादव लंबे समय से शराब की तस्करी कर रहा है तथा उस पर पूर्व से भी तस्करी के मामले दर्ज है।

जदयू नेता रवि उज्जवल ने पहलगाम में सैलानियों की हत्या पर जताया दुःख

- श्रद्धांजलि सभा में जदयू नेता ने की आतंकियों पर कार्रवाई की मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू नेता सह डुमरांव विधानसभा के पूर्व विधानसभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने एक प्रेस बयान जारी कर काश्मीर के पहलगाम में सैलानियों पर हुए कायराना आतंकी हमले की घोर भर्त्सना की है।

उन्होंने इस हमले में मृतक सैलानियों के प्रति भाव पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, ईश्वर से सभी घायल सैलानियों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उन्होंने केन्द्र सरकार से मांग किया कि आंतकवादियों को इसका मुंहतोड़ जबाब दें। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना की आज के सभ्य समाज में जितनी भी निंदा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि ऐसे कायराना हमला करने वाले आतंकियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान डुमरांव प्रखंड के पूर्व अध्यक्ष बीरेन्द्र कुशवाहा, केसठ प्रखंड जदयू अध्यक्ष सह बीससूत्री उपाध्यक्ष कमलेश गुप्ता, नावानगर प्रखंड के पूर्व अध्यक्ष सरदार कुशवाहा, सम्राट अशोक क्लब के जिलाध्यक्ष पप्पू मौर्य, गुरूदयाल सिंह, रघुवीर सिंह, मिन्टू हाशमी, राजन सिंह, राजेन्द्र पाल, राधेश्याम साह समेत कई अन्य शामिल रहे।

बक्सर में निकाला गया आक्रोश मार्च

बक्सर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों पर आतंकियों के हमले के विरोध में आक्रोश मार्च निकाला गया। जिसकी अध्यक्षता अभिषेक गुप्ता और संचालन विराज सिंह ने की। मौके पर उपस्थित जिला संयोजक अविनाश पांडेय ने कहा कि पहलगाम, जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले से पूरा देश सदमे में हैं, जिसके विरोध में विद्यार्थी परिषद ने आक्रोश मार्च निकाला। वहीं, कहा गया कि निर्दोष हिन्दूओं पर हमले से देश डरने वाला नहीं है और इसका जवाब पाकिस्तान को बहुत बुरी तरह भुगतना पड़ेगा। नगर मंत्री अभिनंदन मिश्रा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष हिन्दू नागरिकों पर आतंकियों का कायराना हमला अत्यंत निंदनीय और दुखद है।आतंक के विरुद्ध सरकार के साथ समाज को भी एकजुट लड़ाई लड़नी होगी। यह कृत्य देश की एकता, अखंडता पर प्रहार करने का दुस्साहस हैं।

आधुनिक सुरक्षा तकनीकों की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही है नगर पंचायत

चौसा में अब हर गतिविधि पर रहेगी नजर 33 जगहों पर लगाए जा रहे सीसीटीवी कैमरे

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत अब आधुनिक सुरक्षा तकनीकों की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही है। नगर क्षेत्र को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और स्मार्ट बनाने के उद्देश्य से चौसा नगर पंचायत द्वारा कुल 33 स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं।

इनमें से 24 कैमरे लगाए जा चुके हैं, जबकि लगाए जाने वाले शेष 9 कैमरे अंतिम चरण में है। इन सभी कैमरों की निगरानी मुफस्सिल थाना परिसर में बने विशेष नियंत्रण कक्ष से की जा रही है। नगर पंचायत प्रशासन ने यह कदम अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया है। कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार ने बताया कि कैमरे नगर के मुख्य चौक-चौराहों, विद्यालयों, भीड़भाड़ वाले बाजार क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर लगाए गए हैं।

मुफस्सिल थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने कहा कि इस प्रणाली से पुलिस की निगरानी क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने बताया कि कैमरों से मिली फुटेज न केवल घटनाओं की जांच में सहायक होगी, बल्कि उनकी मदद से अपराध होने से पहले ही संदिग्धों पर नजर रखी जा सकेगी। इससेसे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो सकेगी। स्थानीय नागरिकों ने नगर प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया है। व्यापारियों ने कहा कि बाजारों में कैमरे लगने से चोरी व आपराधिक गतिविधियों में कमी आएगी।

नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी ने बताया कि यह पहल केवल एक शुरूआत है। आने वाले समय में क्षेत्र की सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अन्य तकनीकी उपायों को भी अपनाया जाएगा। इस परियोजना के पूर्ण रूप से लागू हो जाने के बाद चौसा एक आधुनिक और सुरक्षित नगर के रूप में स्थापित हो सकेगा।

साजिश के तहत हिन्दुओं पर हो रहे हमलों पर केंद्र सरकार करे कठोर कार्रवाई: विहिप

केटी न्यूज/डुमरांव

हिन्दू समुदाय पर हो रहे हमले को लेकर लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। समाज के लोग केन्द्र के मोदी सरकार पर कार्रवाई करने की आश लगाए हुए हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में नाम पूछ कर आतंकियों ने 26 सैलानियों को मौत के घर उतार दिया। इसी के विरोध में डुमरांव शहर में विश्व हिन्दू परिषद की अगुआई में आक्रोश मार्च निकाला गया। आक्रोश मार्च में एनडीए के नेता व कार्यकर्ता

♦ **आतंकी हमले के विरोध में डुमरांव में विश्व हिन्दू परिषद ने निकाला आक्रोश मार्च**

भी शामिल हुए।

मार्च में पाकिस्तान मुदार्बाद, साजिश के तहत हिन्दुओं पर हमला बंद करो, मुझे अपने घर में शांति से रहने दो, हमें इंसाफ चाहिए आदि के जमकर नारे लगाए गए। आक्रोश मार्च नया थाना से शुरू होकर गोला रोड, शहीद गेट, चूड़ी बाजार, चौक रोड होते हुए राजगढ़ चौक तक गया, जहां सभा में तब्दिल हो गया। जैसे-जैसे आक्रोश मार्च आगे बढ़ता जा रहा था लोग इसमें स्वच्छा से जुटते जा रहे थे।

ऐसे आतंकियों को अपनी शरण न दें : नेताओं का कहना था कि आतंकी यह नहीं देखते की पर्यटकों के चलते वहां के गरीब-गुरबों को एक बाजार मिला हुआ है। वहां के लोग भी विरोध करने लगे हैं। नेताओं ने वहां के स्थानीय लोगों से अनुरोध किया कि ऐसे आर्तकियों को अपनी शरण न दें, इसके लिये उन्हें आगे आना होगा। सरकार को हमारी सेना को भी अतंकियों पर कार्रवाई करने की खुली छूट देनी होगी। मौके पर रमेश केसरी, विकास पाठक, संटू मित्रा, कमलेश श्रीवास्तव, रघुवरजी, अजय सिंह, सुनील सिद्धार्थ, धीरेन्द्र निराला, दीलीप श्रीवास्तव, सोनू राय, राजीव भगत, गोपाल गुप्ता, दीपक कुमार यादव, शक्ति राय, सतीश राय, प्रेम कुमार, शिला त्रिवेदी, ओम ज्योति भगत, महेन्द्र राम, विमलेश सिंह, संजय सिंह, राजीव सिंह, बिनोद सिंह, अजय चंद्र सहित सैकड़ो एनडीए के नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।

पूरे देश में आए दिन हिन्दुओं पर हो रहा है हमला

विश्व हिन्दू परिषद और भाजपा नेताओं ने कहा कि पूरे देश में आए दिन हिन्दुओं पर हमला हो रहा है। अभी कुछ दिन पहले बंगाल के कोलकता शहर के मुशीर्दाबाद में हिन्दुओं पर हमला कर जान से मारा गया और महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार हुए हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हिन्दू पर्यटकों को चुन-चुन कर 18 को मौत के घाट उतार दिया गया, जिसमें कई घायल हो जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। इस तरह की जघन्य घटनाएं देश में अशांति फैलाने के लिये किया जा रहा है। इन पर्यटकों का क्या दोष था? नेताओं का कहना था कि ऐसी घटनाओं पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कड़ा फैसला लेना होगा। घटना स्थल पर गृह मंत्री अमित साह को पीएम ने भेजा है। वहां की ताजा स्थिति पर केन्द्र सरकार नजर गड़ाए हुए है। गृह मंत्री के लौटने के बाद उनके द्वारा पीएम को सारी जानकारी दी जाएगी। लोगों का अनुमान है कि प्रधानमंत्री हिन्दुओं के हित में सही फैसला लेंगे।

बेनतीजा रही डुमरांव के संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल में आयोजित अभिभावक शिक्षक गोष्ठी

अधर में 350 बच्चियों का भविष्य, अभिभावक उग्र

♦ **मामले में विद्यालय प्रबंधन के साथ आज होगी एसडीएम, विधायक, डीईओ व अभिभावक प्रतिनिधियों की बैठक**

केटी न्यूज/बक्सर

डुमरांव स्थित संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल के 350 बच्चियों का भविष्य अभी भी अधर में लटका हुआ है। इस मामले में बुधवार को आयोजित शिक्षक अभिभावक गोष्ठी बेनतीजा समाप्त हुई है। बैठक में अभिभावक जहां विद्यालय प्रबंधन पर मनमानी करने तथा जानबूझकर बच्चियों के भविष्य को चौपट करने का आरोप लगा रहे थे तो दूसरी तरफ विद्यालय प्रबंधन उनकी एक सुनने को तैयार नहीं था।

हालांकि, इस मामले में गुरूवार को डुमरांव अनुमंडल कार्यालय में स्थानीय विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह, एसडीएम राकेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार पांडेय तथा अभिभावक प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में जारी गतिरोध के दूर होने की उम्मीद जताया जा रहा है। हालांकि, अभी भी अभिभावकों में अपनी बच्चियों के भविष्य को ले संशय की स्थिति बनी हुई है।

अभिभावकों ने दिखाई एक वर्ष के एक्सटेंशन की चिट्ठी, नहीं माना प्रबंधन : बातचीत के दौरान किसी तरह का नतीजा निकलता नहीं देख अभिभावकों ने शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए एक पत्र को प्रबंधन के सामने रखा। अभिभावकों ने कहा कि विद्यालय की मान्यता शिक्षा विभाग ने जरूर रद्द की थी, लेकिन 15 अप्रैल को पुनः शिक्षा विभाग ने उन सभी विद्यालयों को एक वर्ष के लिए एक्सटेंशन दे दिया है, जिनकी मान्यताएं रद्द हुई थी। शिक्षा विभाग के जारी पत्र संख्या 03/2025/216 तारीख 15/4/25 के आदेश यह कहा गया है कि 626 विद्यालय जिनकी मान्यता रद्द हुई थी उन्हें अपनी कमियों को पूरा करने के लिए 31 जून 2026 तक का समय दिया गया है। इसी चिट्ठी का हवाला अभिभावक दे रहें थे, लेकिन विद्यालय प्रबंधन का कहना था कि उन्हें डीईओ की तरफ से कोई चिट्ठी नहीं मिली है। वे इस चिट्ठी को मानने को तैयार नहीं हुए। जिससे अभिभावकों की नाराजगी बढ़ गई।

विभाग के मानक पर खरा नहीं उतरने पर सस्पेंड हुई थी मान्यता : बता दें कि शिक्षा विभाग की पड़ताल में पुराना भोजपुर का संतजोसफ गर्ल्स हाई स्कूल मानकों पर खरा नहीं उतरा था। जिसके बाद डीईओ की अनुशंसा पर इस विद्यालय की मान्यता बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा सस्पेंड कर दी गई थी।

बता दें कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों के निरीक्षण में इस विद्यालय में कई कमियां बताई गई। इसमें मानक के अनुरूप शिक्षकों का उपलब्ध न होना, प्रयोगशाला कक्ष न होना, पुस्तकालय कक्ष न होना, नगर परिषद से स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रमाण पत्र, विद्युतीकरण, अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र और चिकित्सा व स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध न होने का हवाला दिया गया, जिसके बाद विद्यालय की मान्यता सस्पेंड हुई थी।

बोर्ड के इस आदेश के बाद 350 छात्राएं घर बैठ गई है। एक दर्जन से अधिक शिक्षकों की नौकरी भी जा चुकी है। बच्चियां घर बैठकर विद्यालय खुलने का इंतजार कर रही हैं। इधर, विद्यालय प्रबंधन शिक्षा विभाग के आदेश का इंतजार कर रहा है, और शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र के हवाले से संशय की स्थिति बनी हुई है।

गौरतलब हो कि पुराना भोजपुर का संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल काफी पुराना विद्यालय है तथा इसका परिसर व भवन भी विशाल है। यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या भी काफी अधिक है। ऐसे में विद्यालय द्वारा मानक पूरा नहीं किए जाने से कई सवाल उठ रहे है। सवाल तो यह भी उठ रहा है कि क्या अभी तक यह विद्यालय शिक्षा विभाग के मानकों के अनुसार संचालित नहीं हो रहा था और यहां पढ़ने वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही थी।

बैठक के दौरान एक दूसरे पर होते रहा आरोप प्रत्यारोप

अभिभावक शिक्षक गोष्ठी के दौरान जमकर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए गए। इस बैठक में विद्यालय प्रबंधन का कहना था कि विधानसभा में स्थानीय विधायक डॉ अजित कुमार सिंह ने मुद्दा उठाया था, जिसके बाद शिक्षा विभाग से विद्यालय को निलंबनमुक्त करने की कारवाई प्रक्रियाधीन है। विभाग द्वारा अभी तक विद्यालय को निलंबनमुक्त नहीं किया गया है। जिस कारण हमलोग हिन्दी मीडियम में बच्चियों को पढ़ाने में असमर्थ हो रहे है। यदि निलंबन वापस नहीं हुआ तो बच्चियों का रजिस्टेज्शन नहीं हो पाएगा। इधर अभिभावकों का कहना था कि विधानसभा में शिक्षा विभाग ने निलंबनमुक्त करने का आश्वासन दिया है, ऐसे में इसी को आधार मानकर विद्यालय का संचालन शुरू किया जा सकता है। लिखित जवाब है ही, आगे कुछ गड़बड़ हुई तो हम सभी अभिभावक विभाग के विरुद्ध कोर्ट जाएंगे। अभिभावक अपने रिश्क पर बच्चियों की पढ़ाई शुरू करने की गुहार प्रबंधन से लगा रहे थे। जिसे प्रबंधन बार-बार अनसुना करते रहा।

एक नजर

नप बेफिक्र : बिजली ट्रांसफार्मर के पास झोपड़ी बनाए जाने से कभी हो सकता है हादसा

डुमरांव। बिजली विभाग द्वारा शहर में लगाए गए ट्रांसफार्मर के पास लोगों द्वारा झुंगी-झोपड़ी बना दिया गया है, जिसमें लोग पूरे परिवार के साथ रहे रहे हैं। इस संबंध में विभाग के द्वारा नगर परिषद और डुमरांव थाना को सूचना देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इधर तेज पछुआ हवा के कारण आगलगी की घटनाएं बढ़ गई है। इसको देखते हुए ट्रांसफार्मर के पास लगाए गए झोपड़ी में कभी भी आग लग सकती है। इसको लेकर नगरवासियों में चिंता बढ़ी हुई है, लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में जब बिजली विभाग के जेई मनीष कुमार ठाकुर से बात की गई तो उन्होंने बताया की चार माह पहले ही इसकी लिखित आवेदन थाना प्रभारी से लेकर नप ईओ को दी जा चुकी है, लेकिन उनकी तरफ से कोई कार्रवाई अभी तक नहीं की जा सकी है। उन्होंने कहा ऐसी स्थिति केवल स्टेशन रोड स्थित महाराज पेट्रोल पंप के पास लगे ट्रांसफार्मर की ही नहीं है। शहर में ऐसे कई ट्रांसफार्मर हैं, जिसके आसपास घर और दुकाने सजी हुई हैं, लेकिन इसे देखने वाला कोई नहीं है। अब इधर यह सवाल उठने लगा है कि क्या नप और पुलिस प्रशासन आग लगने की घटना का इंतजार कर रहा है। जो झोपड़ी लगा कर रह रहे हैं, उनके द्वारा उसी के बगल में लकड़ी जलाकर खाना बनाया जाता है, कहीं एक छोटी से चिंगारी उड़कर झोपड़ी में चली गई या ट्रांसफार्मर से बराबर चिंगारी निकलती रहती है, उसके चपेट में झोपड़ी चली गई तो जान-माल दोनों का नुकसान हो सकता है। लेकिन पूर्व में भी मामला उजागर करने के बाद नप के प्रतिनिधि व अधिकारी बेफिक्र बने बैठे हैं।

बक्सर में उत्सवी माहौल में मनाया गया बाबू वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव

केटी न्यूज/बक्सर

विजयोत्सव के अवसर पर वीर कुंवर सिंह चौक स्थित बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा को नगर परिषद द्वारा साज सज्जा की गई। विजयोत्सव को लेकर सुबह में ही नगर परिषद ईओ के नेतृत्व में चौक परिसर की बेहतर साफ-सफाई किया गया। वहीं मंगलवार की रात में प्रतिमा स्थल को जगमग करने तथा उत्सवी माहौल बनाने के उदेश्य से काफी आकर्षक रंग बिरंगी बत्तियों से सजाया गया है।

1857 में भारत की आजादी के लिए 80 वर्ष की उम्र में संघर्ष करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी वीर बांकुड़ा बाबू कुंवर सिंह की 168वी विजय दिवस पर उनके आदम कद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके महान व्यक्तित्व व साहस को याद करते हुए कांग्रेस के पुर्व प्रदेश सचिव कामेश्वर पांडेय ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह ने 80 साल की आयु में जो साहस दिखाया, जो पराक्रम किया वह आने वाली पीढ़ी के लिए उत्साह वर्धन का काम करती है। हम गर्व के साथ महान सपूत को नमन करते हैं और संकल्प लेते हैं कि उनके पवित्र उद्देश्यों की सदैव रक्षा करेंगे। कार्यक्रम में राजर्षि राय, रामप्रसन्न द्विवेदी, राजा रमन पांडेय, भृगु नाथ तिवारी, रामस्वरूप अग्रवाल, बजरंगी मिश्रा, श्रीकृष्णा चौबे, प्रोफेसर पीके मिश्रा, गुप्तेश्वर चौबे, सुधीर चौबे, जमाल अली, राम जतन सिंह यादव, वीरेंद्र राम, अभिषेक जायसवाल, सुरेश जयसवाल, रमाकांत चौबे, अशोक पांडेय व अन्य मौजूद रहे।

बड़ी कार्रवाई: बक्सर में 420.91 ली. विदेशी शराब जब्त, दो धराये

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार में निषेध कानून के बावजूद अवैध शराब की तस्करी लगातार चिंता का विषय बनी हुई है, लेकिन उत्पाद विभाग की सतर्कता और कार्रवाई ने तस्करों की नाक में दम कर दिया है। हाल ही में उत्पाद विभाग की टीम ने दो अहम कार्रवाइयों में कुल 420.91 लीटर विदेशी शराब जब्त कर इस काले धंधे पर करारा प्रहार किया है।

पहली कार्रवाई जिले के नगर थाना क्षेत्र की है। इसमें मुसाफिरगंज निवासी अशोक पांडेय को महात्मा गांधी नगर में शराब के साथ धर दबोचा गया। उसके पास से ऑफिसर्स चॉइस ब्रांड की 317 टेट्रा पैक और किंगफिशर बीयर की दो केन बरामद हुईं, जिसकी कुल मात्रा 58.060 लीटर पाई गई। बताया जा रहा है कि अशोक रेलवे स्टेशन के आसपास अक्सर दिखाई देता था, जिससे आशंका है कि वह रेल नेटवर्क के जरिए शराब की तस्करी में भी शामिल हो सकता है।

दूसरी कार्रवाई जिले के वीर कुंवर सिंह चौकी पर की गई, जहां जांच के दौरान एक स्कॉर्पियो वाहन से 1920 टेट्रा पैक और रॉयल चौलेंज की 23 बोतलें बरामद की गईं। कुल बरामदगी 362.85 लीटर की रही। मामले में बिहिया थाना क्षेत्र के जज भड़सरा निवासी मुकेश कुमार उर्फ बुधन को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसने बताया कि वह भौराली से शराब लेकर भोजपुर पहुंचा रहा था। इन दोनों कार्रवाइयों को उत्पाद अधीक्षक के निर्देश पर अंजाम दिया गया और विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाते हुए जब्त शराब, वाहन और आरोपियों को संबंधित थानों के हवाले कर दिया गया है।

राजापुर व गंगौली में भीषण अगलगी

सिमरी। प्रखंड के राजापुर व गंगौगी गांव के बधार में भी बुधवार की दोपहर अगलगी भीषण घटना हुई। इस घटना में किसानों के कई बीघे की फसल जल गई है। हालांकि मौके पार अग्निशमन वाहन पहुंचने से अगलगी पर शीघ्र काबू पा लिया गया। जिससे बड़ा नुकसान नहीं हो पाया। किसानों का कहना है कि इस मौसम में अक्सर उनकी फसल आग की भेंट चढ़ जाती है। वहीं, सूचना मिलने पर त्वरित रिस्पांस के लिए अग्निशमन विभाग को धन्यवाद दिया है।

चौसा के कनक नारायणपुर में बनेगा स्टेडियम

केटी न्यूज/चौसा

♦ **वार्ड नंबर-11 का खेल मैदान भी होगा विकसित**

नवगठित नगर पंचायत चौसा के अंतर्गत युवाओं के सर्वांगीण विकास और क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्य पार्षद किरण देवी की अध्यक्षता में विगत 10 दिसंबर 2024 को सशक्त स्थायी समिति एवं सामान्य बोर्ड की बैठक में वार्ड संख्या 11 के मौजा कनक नारायणपुर के अखौरीपुर गोला, थाना नंबर 34, खेसरा संख्या 516, रकवा 2.81 एकड़ भूमि को स्टेडियम के रूप में विकसित किए जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

इस प्रस्ताव के तहत खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत स्टेडियम के निर्माण के साथ-साथ ओपन जिम और युवाओं के लिए दौड़ने हेतु ट्रैक की भी व्यवस्था की जाएगी। इस सम्बन्ध में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार द्वारा खेल विभाग के निदेशक, जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल तथा जिला खेल पदाधिकारी आदित्य कुमार को पत्र भेजा गया है। इसके अतिरिक्त, अंचल पदाधिकारी चौसा से भूमि की मापी कराकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का अनुरोध भी किया गया है। मुख्य पार्षद किरण देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रस्तावित स्टेडियम क्षेत्रीय खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रतियोगिता के आयोजन के लिए एक बेहतर मंच प्रदान करेगा। इससे स्थानीय युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ेगी और नई प्रतिभाओं को निखरने

विजयोत्सव पर याद किए गए वीर बांकुड़ा कुंवर सिंह, भाजपा के नेतृत्व में सर्वसमाज पुष्पांजलि आयोजित

1857 की क्रांति के महान नायक थे बाबू कुंवर सिंह, अंग्रेजों के छुड़ा दिए थे छक्के

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार के आन बान शान व 1857 की क्रांति के महानायक वीर बांकुड़ा बाबू कुंवर सिंह के विजयोत्सव दिवस पर बुधवार को बक्सर में उन्हें नमन किया गया। इस दौरान वीर कुंवर सिंह चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर भाजपा के नेतृत्व में सर्व समाज के लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित किया तथा दीप प्रज्ज्वलित कर उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त कर उन्हें याद किया।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि 1857 की क्रांति में वीर कुंवर सिंह ने बिहार में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था। वे लगभग 80 वर्ष के थे और उन्होंने अपने नेतृत्व में एक मजबूत सैन्य शक्ति बनाई। इस सैन्य शक्ति के आधार पर इसका नेतृत्व करते हुए आरा में अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध किया। उन्होंने अंग्रेजों को हरा आरा को आजाद करा दिया था। बाबू कुंवर सिंह अंग्रेजी हुकूमत के संगीनों को बेखौफ सामना किए थे। वे आजीवन अपनी वीरता, सैन्य पराक्रम, कुटनीति व कुशल नेतृत्व से अंग्रेजों पर भारी पड़े थे तथा उनके जीवित रहते अंग्रेजों को शाहाबाद में सफलता नहीं मिल पाई थी।

कार्यक्रम के शुरूआती दौर में जम्मू कश्मीर के पहलगाम के वैसरन में मंगलवार को सैलानियों पर हुए आतंकी हमले में जान गवांने वाजले 26 सैलानियों की मौत की घटना पर गहरा दुख जताया गया।

भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय ने बताया कि इस आतंकवादी हमले से भारतीय जनता पार्टी स्तब्ध है और हमले में शहीद हुए लोगों के प्रति सहानुभूति प्रकट कर शहीद आत्मा के शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजवंश सिंह, कामलेशवर सिंह, प्रदीप दुबे, सतीश त्रिपाठी, शिव बिहारी पाण्डेय, राजाराम पांडेय, धनंजय राय, अनिल पाण्डेय, संत सिंह,मनोज पाण्डेय, राजेश सिन्हा, बंटी शाही, जनार्दन राय, सुनील सिंह, आशानन्द सिंह, नवीन राय, अमरेन्द्र पाण्डेय, तेज प्रताप छोटे, श्रीमननारायण तिवारी, पूनम रविदास, पुष्पांजलि देवी, संध्या पाण्डेय, उमाकांत पाण्डेय, सुनील राम तथा उमाशंकर राय सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहें।

विजयोत्सव पर वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीरता का हुआ बखान

कुंवर सिंह की सैन्य रणनीति से चकित हो जाते थे ब्रिटिश: डीएम

◆ सांसद, एमएलसी, एसपी समेत कई वरीय अधिकारियों ने किया माल्यार्पण

केटी न्यूज/आरा

जिले के जगदीशपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित बाबू वीर कुंवर सिंह किला परिसर में बुधवार को वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव के अवसर पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संग्रहालय में दीप प्रज्वलन किया गया। इसके बाद वीर कुंवर सिंह संग्रहालय में उनके धरोहर के रूप में रखे शस्त्रों के बारे में जाना गया। इस दौरान आरा सांसद सुदामा प्रसाद, डीएम तन्य सुल्तानिया, एसपी मिस्टर राज, डीडीसी अनुपमा सिंह, जगदीशपुर विधायक राम विशुन सिंह लोहिया, एमएलसी श्रीभगवान सिंह कुशवाहा आदि समेत कई वरीय अधिकारियों ने वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

1857 में भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक सैन्य कमांडर थे: जिलाधिकारी ने बताया कि बाबू वीर कुंवर सिंह 1857 में भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक सैन्य कमांडर थे। 1826 में अपने पिता की मृत्यु के बाद, वह जगदीशपुर के तालुकदार बन गए। 80 साल की उम्र में उन्होंने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ सशस्त्र सैनिकों के एक समूह का नेतृत्व किया। बिहार में अंग्रेजों के खिलाफ इस लड़ाई में मुख्य आयोजकों में से एक थे उनके भाइयों बाबू अमर सिंह और हरे कृष्ण सिंह ने उनकी मदद की। गुरिल्ला युद्ध की कला में एक विशेषज्ञ, कुंवर सिंह की सैन्य रणनीति ने ब्रिटिश अधिकारियों को चकित कर दिया और उनकी सेना उनके नेतृत्व वाली सभी लड़ाइयों में विजयी रही।

उनके योगदान को लेकर भारत सरकार ने 23 अप्रैल 1966 में जारी हुआ था डाक टिकट : बाबू कुंवर सिंह ने 23 अप्रैल 1858 को कैप्टन ले ग्रैंड के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के सैनिकों को हराकर जगदीशपुर के पास अपनी आखिरी लड़ाई लड़ी। 26 अप्रैल 1858 को उनके गांव जगदीशपुर में उनका निधन हो गया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को लेकर भारत सरकार ने 23 अप्रैल 1966 को एक स्मारक डाक टिकट जारी किया और 1992 में बिहार सरकार ने आरा में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना की। 2017 में उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने के लिए वीर कुंवर सिंह सेतु बनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान भावविभोर हुए दर्शक : कार्यक्रम में वीर कुंवर सिंह के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी, नाटक व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। जिन्होंने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। युवाओं में देशभक्ति की भावना को प्रज्वलित करते हुए इस आयोजन ने शौर्य और बलिदान की नई पीढ़ी को प्रेरित किया। विजयोत्सव के माध्यम से आरा ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि वीर कुंवर सिंह जैसे रणबांकुरों की स्मृति और उनके योगदान को देश कभी नहीं भूल सकता। यह आयोजन इतिहास की स्मृति से आगे बढ़कर एक जीवंत प्रेरणा बन गया।

श्रद्धा व उत्साह के साथ मनी बाबू कुंवर सिंह की जयंती

आरा। भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय शहीद भवन, आरा में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर बांकुड़ा बाबू कुंवर सिंह की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत बाबू वीर कुंवर सिंह के तेलचित्र पर पुष्प अर्पण और माल्यार्पण के साथ हुई।

इस दौरान उपस्थित कांग्रेसजनों ने उनके शौर्य, नेतृत्व और बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष अशोक राम ने कहा कि वीर कुंवर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे दीपस्तंभ हैं, जिन्होंने अपने अद्भुत साहस, रणनीति और राष्ट्रभक्ति से ब्रिटिश हुकूमत की नींव हिला दी थी। उनकी जयंती हमें देशप्रेम, त्याग और संघर्ष की प्रेरणा देती है। भोजपुर की धरती को गौरवान्वित करने वाले इस वीर सपूत को कांग्रेस पार्टी शत-शत नमन करती है। कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, कार्यकताओं, युवा कांग्रेस सदस्यों और आम नागरिकों की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने वीर कुंवर सिंह के जीवन दर्शन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

मौजूद रही कई बड़ी हस्तियां : इस अवसर पर भोजपुर जिले के कई प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कुंवर सेना के अध्यक्ष निर्मल सिंह सक्रवार ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक भाई दिनेश, पद्मश्री भीम सिंह भावेश, एसडीम संजीत कुमार, एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह, समाजसेवी डॉ अनिल कुमार सिंह, अधिवक्ता वृंदानंद सिंह, भाजपा महिला प्रदेश प्रवक्ता सुसुलता कुशवाहा, विनय मिश्रा, दुर्गा शंकर सिंह परमार, भाजपा युवा नेता मनी सिंह राठौड़, सतीश सिंह, बाबू वीर कुंवर सिंह के परिवार से जुड़े पुष्पा सिंह, राजकुमार सिंह, कुंवर अभिजीत सिंह उर्फ अंशी सहित अन्य गण्यमान्य लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी वीरता और बलिदान को याद किया।

पीट-पीटकर का ट्रक चालक की हत्या

आरा। बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया ब्लॉक के पीछे स्थित पीडीएस गोदाम में पीट-पीटकर एक ट्रक चालक की हत्या कर दी गई। मृतक के शरीर पर, सिर में बीचों-बीच, सिर के पीछे, बाएं हाथ पर जख्म का निशान एवं नाक से खून बहता हुआ पाया गया है। जिसके कारण परिजन द्वारा वर्तमान सरपंच एवं उनके दो भाइयों पर ही हत्या का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार मृतक बिहिया थाना क्षेत्र के ओसाई गांव निवासी स्व. राम एकबाल यादव के 50 वर्षीय पुत्र मुनेश्वर यादव उर्फ मुनी यादव है एवं वह पेशे से ट्रक चालक थे। उधर घटना की सूचना पाकर बिहिया थानाध्यक्ष आदित्य कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में शुरू कर दी।

भाजपा ने कैंडल मार्च निकाल कर दी श्रद्धांजलि

केटी न्यूज/आरा

बुधवार को भारतीय जनता पार्टी, भोजपुर जिला इकाई द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निहत्थे पर्यटकों की याद में श्रद्धांजलि स्वरूप कैंडल मार्च निकाला गया। यह मार्च जिला अध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व में जेपी स्मारक स्थल से शुरू होकर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तक निकाला गया।

मार्च के दौरान भाजपा कार्यकर्ता और नेता हाथों में मोमबत्तियाँ लेकर मौन धारण करते हुए आगे बढ़ते रहे। अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर दो मिनट का मौन रखकर सभी ने शहीद पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत निंदनीय है। पूरे देश में इस जघन्य कृत्य को लेकर आक्रोश है। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों की इस कायरतापूर्ण हरकत को कभी माफ नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान आतंकवाद की जननी है, और इसका समूल नाश कर देना चाहिए। यदि पाकिस्तान का नामोनिशान मिटा दिया जाए, तो आतंकवाद की भी समाप्ति संभव है।

वहीं बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारत आज बहुत मजबूत है और पाकिस्तान को इसका करारा जवाब मिलेगा। देश इस घटना से एकजुट हो चुका है। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को सबक सिखाया जाए। मुझे विश्वास है कि भारत सरकार जल्द ही सख्त कार्रवाई करेगी। भोजपुर की जनता को यदि हमारी जरूरत होगी, तो हम सबसे आगे होंगे।

आरा गोलीकांड के परिजनों से मिले बसपा नेता, की लहरपा घटना की निंदा

महाजंगलराज में तब्दील हो गया है बिहार शोषितों पर हो रहा अत्याचार: अनिल कुमार

केटी न्यूज/आरा

बहुजन समाज पार्टी के केंद्रीय प्रभारी अनिल कुमार के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को आरा के लहरपा गाँव में हुई गोलीबारी की घटना मृत लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उनसे घटना की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही उन्होंने पीड़ित परिजनों को ढाढस बंधाया और न्याय के लिए संघर्ष का भरोसा दिलाया।

पत्रकारों से बातचीत में अनिल कुमार ने कहा कि लहरपा गांव में हत्या नहीं, नरसंहार हुआ है। पुलिस प्रशासन अपने काम में लापरवाही दिखा रही है। पीड़ित परिवार के घर पर अभी तक थानाध्यक्ष की कोई उपस्थिति नहीं हुई है साथ ही साथ पीड़ित परिवार को किसी तरह की कोई सुरक्षा नहीं दी जा रही है। वहीं जिनके खिलाफ सनहा दिया गया है उसके परिवार को पुलिस सुरक्षा मुहैया करवा रही है। बसपा नेता ने कहा कि पीड़ित परिवारों को किसी तरह का आर्थिक मुआवजा नहीं दिया गया है जिससे उनका परिवार आगे का जीवन यापन कर सके। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि थाना प्रभारी की कार्यशैली संदेहास्पद है। उसे अविलंब निलंबित कर जल्द से जल्द मामले में कार्रवाई हो, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

सरकार पर तीखा हमला बोला : अनिल कुमार ने इस घटना को नरसंहार की संज्ञा देते हुए कहा कि यह सिर्फ जाम के नाम पर नहीं, बल्कि एक खास वर्ग को निशाना बनाकर की गई सोची-समझी साजिश है। इस गोलीबारी में 7 लोगों को गोली मारी गई, जो लोकतंत्र और कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। बिहार में शोषित, वंचित, दलित, पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग को दबाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की सत्ता पर माफिया, सामंतवादी और मनुवादी ताकतों का कब्जा हो गया है और डबल इंजन की सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन परिवारों ने इस हिंसा में अपने लोगों को खोया है, उनका जीवन यापन कैसे चलेगा? उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद दे और दोषियों की पहचान कर उन्हें कड़ी सजा दे। यदि सरकार और प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, तो जनता का विश्वास लोकतंत्र से उठता चला जाएगा।

प्रधानमंत्री बिहार में अमृत भारत एक्सप्रेस और नमो भारत रैपिड रेल को दिखाएंगे हरी झंडी

पीएम मोदी आज बिहार को देंगे 13480 करोड़ रुपए वाली योजनाओं की सौगात

केटी न्यूज/पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बिहार के मधुबनी का दौरा करेंगे। वह मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस अवसर पर पीएम मोदी बिहार में 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री बिहार में अमृत भारत एक्सप्रेस और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी मधुबनी में लगभग 11:45 बजे राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे तथा इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर वे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को मान्यता प्रदान करते हुए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार भी प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री बिहार के गोपालगंज जिले के हथुआ में लगभग 340 करोड़ रुपये की लागत से रेल अनलोडिंग सुविधा वाले एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला रखेंगे। इससे आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित करने और थोक एलपीजी परिवहन की दक्षता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

क्षेत्र में बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री 1,170 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत बिहार में बिजली क्षेत्र में 5,030 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। वह सुपौल पिपरा रेल लाइन, हसनपुर बिथान रेल लाइन और छपरा और बगहा में दो 2-लेन रेल ओवर ब्रिज का भी उद्घाटन करेंगे। वह खगड़िया-अलौली रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं से कनेक्टिविटी में सुधार होगा और क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत बिहार के 2 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के तहत लगभग 930 करोड़ रुपये का लाभ वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री पीएमएवाई-ग्रामीण के 15 लाख नए लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी सौंपेंगे और देश भर के 10 लाख पीएमएवाई-जी लाभार्थियों को किस्तें जारी करेंगे. वह बिहार में 1 लाख पीएमएवाई-जी और 54,000 पीएमएवाई-यू घरों के गृह प्रवेश के अवसर पर कुछ लाभार्थियों को चाबियां सौंपेंगे।

प्रत्येक बुधवार को सहरसा से चलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस

देश भर में रेल संपर्क को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री सहरसा और मुंबई के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस, जयनगर और पटना के बीच नमो भारत रैपिड रेल और पिपरा और सहरसा तथा सहरसा और समस्तीपुर के बीच ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनल के लिए भले ही अमृत भारत ट्रेन गुरुवार को उद्घाटन ट्रेन के रूप में चलेगी, लेकिन इसके बाद यह सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को चलेगी। हालांकि अभी तक न ही टिकट बुकिंग का ऑप्शन आया है और न ही फेयर स्ट्रक्चर आया है। लोगों के बीच ट्रेन में पहली बार सवार होने के लिए द्वंद्व है कि आखिर उद्घाटन ट्रेन में कौन सवार होगा और लोग एक्सप्रेस या पैसेंजर किस का टिकट लेगा। इसे लेकर समस्तीपुर मंडल के डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने बताया कि प्रत्येक बुधवार को सहरसा से यह ट्रेन चलेगी। उन्होंने कहा कि नई ट्रेन का फेयर स्ट्रक्चर आ गया है, जिसे जल्द ही जारी की जाने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने कहा कि ट्रेन में लोग टिकट ले सकते हैं, जिसके लिए भी प्रोसेस की जा रही है। जल्द ही ट्रेन में सीटों की बुकिंग शुरू होगी। उन्होंने कहा कि उद्घाटन गुरुवार को होना है। सहरसा जंक्शन पर गुरुवार को सवा दस बजे कार्यक्रम निर्धारित है, जिसमें स्थानीय सांसद, विधायक और अन्य शामिल होंगे। डीआरएम ने बताया कि आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव अमृत भारत ट्रेन में मिलेगी। अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है। दरअसल, सहरसा से चलने वाली अमृत भारत ट्रेन में सभी बोगी ईस्ट सेंट्रल रेलवे की हैं। इनका मेंटेनेंस भी लोकमान्य तिलक टर्मिनल पर ही होगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल यानी गुरुवार को मधुबनी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सहरसा से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस तक चलने वाली अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह बिहार की दूसरी अमृत भारत ट्रेन होगी।

जमीन की दर निर्धारण के लिए बनेगी कमेटी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में विकास योजनाओं के लिए जमीन की दर का निर्धारण एक कमेटी द्वारा किया जाएगा। यह कमेटी हर जिले में गठित की जाएगी और इस कमेटी में पांच सदस्य होंगे। वहीं यह कमेटी न सिर्फ जमीन के दर का निर्धारण करेगी, बल्कि उसके प्रकार और किस्म का भी निर्धारण करेगी। जिसके आधार पर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर समिति के गठन की जानकारी दी है। इस कमेटी में अपर समाहर्ता (राजस्व) इस समिति के अध्यक्ष हैं। इसके अलावा जिला भू अर्जन पदाधिकारी सदस्य सचिव, जिला अवर निबंधक उप विकास आयुक्त एवं जिस क्षेत्र में जमीन का अधिग्रहण हो रहा है, उसके भूमि सुधार उप समाहर्ता समिति में शामिल होंगे। ग्रामीण इलाके में जमीन के अधिग्रहण के लिए सात श्रेणी निर्धारित की गई है। जो हैं व्यवसायिक भूमि, औद्योगिक भूमि, आवासीय भूमि, उच्च मार्ग तथा मुख्य सड़क के दोनों किनारे की भूमि, सिंचित भूमि, असिंचित भूमि, एवं बलुआही, पथरीली, दियारा और चंवर की भूमि। इसी तरह शहरी क्षेत्र की जमीन का वर्गीकरण छह श्रेणियों में किया गया है- ये हैं:प्रधान सड़क व्यवसायिक, आवासीय भूमि, मुख्य सड़क की भूमि, औद्योगिक भूमि, शाखा सड़क की भूमि, अन्य सड़क की भूमि, कृषि एवं गैर-आवासीय भूमि। कमेटी यह निर्धारित करेगी कि अधिग्रहित की जानेवाली भूमि किस श्रेणी में आती है। उसके आधार पर जमीन की दर तय की जाएगी। इस दौरान भूमि अधिग्रहण की नई व्यवस्था में जमीन की डिजिटल फोटो एवं वीडियोग्राफी का प्रविधान है। इसमें जमीन पर उपस्थित सरकारी अधिकारियों का भी फोटो रहेगा। ताकि इससे पारदर्शिता बनी रहे।

मोतिहारी में भारत-नेपाल बॉर्डर पर अलर्ट जारी

केटी न्यूज/पटना

मोतिहारी में भारत-नेपाल बॉर्डर पर अलर्ट जारी किया गया है। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। आने जाने वाले सभी वाहनों का जांच किया जा रहा है। माना जा रहा है कि यह अलर्ट पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी में प्रधानमंत्री की रैली को देखते हुए किया जा रहा है। दरअसल, पहलगाम अटैक के बाद बिहार में अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। एक-एक गाड़ी की जांच की जा रही है।

आपको बता दें कि जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद भारत-नेपाल सीमा पर भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। हर आने-जाने वाले व्यक्ति की गहन जांच की जा रही है। एसएसबी के जवान पूरी मुस्तैदी के साथ बॉर्डर पर चौकसी बरत रहे हैं और भारत में आने वाले और नेपाल जाने वाले लोगों की सख्ती से जांच की जा रही है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए इस आतंकवादी

हमले के बाद सभी सीमावर्ती इलाकों को अलर्ट पर रखा गया है। बता दें कि 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बिहार के मधुबनी पहुंचने वाले हैं। जहां से वह आतंकियों को कड़ा संदेश दे सकते हैं। इसी क्रम में भारत-नेपाल सीमा रक्सौल पर बिहार पुलिस और एसएसबी के जवान पूरी सतर्कता के साथ हर आने-जाने वाले लोगों की गहन जांच कर रहे हैं। भारत-नेपाल बार्डर पर तैनात सुरक्षा बल के जवान आने-जाने वाले वाहनों की एक-एक तलाशी ले रहे हैं। इस दौरान लोगों से पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा बल लगातार निगरानी कर रही है। पहलगाम हमले को लेकर बिहार समेत देश भर में लोग आक्रोशित और सरकार से आतंकियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

गोपालगंज जिले में शुरू होगा एलपीजी बॉटलिंग प्लांट

पटना। बिहार के गोपालगंज जिले को औद्योगिक विकास की दिशा में एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। जिले के हथुआ अनुमंडल में प्रस्तावित भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड का एलपीजी बॉटलिंग प्लांट जल्द ही आकार लेने वाला है। यह प्लांट 1200 मीट्रिक टन की क्षमता का होगा। इसके संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां तेजी से पूरी की जा रही हैं। प्रस्तावित बॉटलिंग प्लांट को भारतीय रेलवे से जोड़ा जाएगा, जिससे प्लांट में एलपीजी की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था को गति मिलेगी। यह कनेक्टिविटी पूरे उत्तर बिहार के लिए एलपीजी की सहज आपूर्ति सुनिश्चित करेगी।

70वीं बीपीएससी प्री रद्द करने से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

केटी न्यूज/पटना

सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिसंबर 2024 को ली गई बीपीएससी की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा पर रोक लगाकार दुबारा परीक्षा लेने की याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि हमें परीक्षा रद्द करने के लिए ठोस सबूत नहीं मिले। अभ्यर्थियों ने परीक्षा में गडबड़ी का दावा किया था, इसके भी ठोस सबूत कोर्ट के सामने नहीं पेश किए गए। इसलिए कोर्ट ने रीएग्जाम की याचिका को खारिज कर दिया।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और मनमोहन की पीठ ने 70वीं बीपीएससी संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग करने वाली याचिकाओं का एक समूह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सभी उम्मीदवारों के लिए पुनः परीक्षा कराने के लिए ठोस सबूतों की कमी है। याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने तर्क किया कि डिजिटल साक्ष्य, जिसमें व्हाट्सएप संदेश और वीडियो क्लिप शामिल हैं, यह दर्शाते हैं कि परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र लीक हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश पटना हाई कोर्ट के निर्णय के खिलाफ दायर याचिकाओं पर आया, जिसने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किसी तरह की अनियमितता का कोई निर्णायक सबूत नहीं है।

सीतामढ़ी में पोखर में डूबने से 3 लड़कियों की मौत, दो की बची जान

केटी न्यूज/पटना

सीतामढ़ी में पोखर में डूबने से तीन लड़कियों की मौत हो गई। वहीं दो लड़कियों ने किसी तरह अपनी जान बचा ली। घटना बाजपट्टी थाना क्षेत्र के पचड़ा निमाही पंचायत के कंचन पुर वार्ड नंबर 11 में बुधवार अहले सुबह हुई।

ग्रामीणों का कहना है कि कुछ लड़कियां गांव के पोखर से मिट्टी लाने के लिए निकली थी। इस दौरान, रविंद्र राय की पुत्री नंदिनी कुमारी (8) का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में गिर गई। उसे बचाने के प्रयास में एक-एक कर पांच लड़कियां पोखर में डूब गईं। हालांकि, दो लड़कियां किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहीं, लेकिन तीन लड़कियों की डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से तीनों लड़कियों के शवों को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया। बाजपट्टी थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान आरती कुमारी (13) पिता उमा राय, नंदिनी कुमारी (8) पिता रविन्द्र राय और सुधा कुमारी (9) पिता मिथुन राय के रूप में हुई है। घायल लड़कियों की पहचान ऋतु और प्रियांशी कुमारी के रूप में की गई है।

वीर कुंवर सिंह के विजय के 167 पर्ष पूरे होने पर विजयोत्सव का आयोजन

वीर कुंवर सिंह की 80 फीट की बने प्रतिमा: तेजस्वी

केटी न्यूज/पटना

बाबू वीर कुंवर सिंह के विजय के 167 पर्ष पूरे होने पर विजयोत्सव का आयोजन पटना में हुआ। विद्यापति भवन में राष्ट्रीय जनता दल ने यह कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को चांदी की तलवार भेंट की गयी। जिले महाराणा प्रताप के वंशज शक्ति सिंह मेवाड़ ने खासतौर पर भिजवाया था। जिसे सारण विकास मंच के संयोजक शैलेंद्र प्रताप सिंह ने तेजस्वी यादव को भेंट किया।

इस मौके पर तेजस्वी यादव ने बाबू वीर कुंवर सिंह को याद करते हुए 80 फीट की मूर्ति बनाने की मांग की। तेजस्वी यादव ने कहा कि मेरी सरकार बिहार में आएगी तब 80 फीट का केवल घोड़ा ही बनाएंगे। इसका उद्घाटन भी हम ही करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि यह बात सब लोग जानते है की बाबू वीर कुंवर सिंह तबला और हारमोनियम बहुत बेहतर तरीके से बजाते थे, लेकिन जब अंग्रेजों ने उनके लोगों को छेड़ा तब उन्होंने अंग्रेजों को कैसे बजाए यह भी सब लोग जानते हैं। हम नई पीढ़ी के लोगों को इस बात पर चर्चा करनी चाहिए जो उन्होंने सिख दिया है उसको अपनाने की जरूरत है 80 साल का उम्र

में उन्होंने अंग्रेजों के साथ लड़ाई लड़ी अपने लोगों के अपने देश के लिए जो मिसाल उन्होंने पेश किया। उसका अनुसरण हम लोगों को करना चाहिए वहीं तेजस्वी ने यह भी कहा की लालू यादव जब मुख्यमंत्री बने तो आरा में बाबू वीर कुंवर सिंह के नाम पर यूनिवर्सिटी का निर्माण हुआ और पटना के आर ब्लॉक में लालू यादव ने बाबू वीर कुंवर सिंह जी की मूर्ति का भी स्थापित करवाने का काम किया था।

डोरीगंज से आरा के लिए जो पुल बना उसका भी नाम बाबू वीर कुंवर सिंह रखा गया तेजस्वी ने बाबू वीर कुंवर सिंह के लिए 80 फीट की मूर्ति की मांग सरकार से किए हैं। उन्होंने कहा की 80 फीट का घोड़ा होना चाहिए और उसपर बाबू वीर कुंवर सिंह का मूर्ति होना चाहिए। हमें खुशी होगी कि हम लोगों को इस बार अगर मौका मिला है तो हम अपने हाथ से इसका उद्घाटन करेंगे।

उन्होंने कहा कि मेरी उम्र ज्यादा नहीं है, 36 साल है। जब तक बाल नहीं पक जाता तब तक हमको भी राजनीति करना है। हमको सभी को साथ लेकर चलना होगा। हमारी कोशिश होती है कि सभी को छोड़कर चले मान सम्मान दें। हमको 5 साल का कभी भी काम करने का मौका नहीं मिला। जब चाचा जी के पार्टी को BJP तोड़ रही थी, तो हम लोगों ने मदद किया और प्रदेश में हम उपमुख्यमंत्री बने। 20 में हमने ऐलान किया था कि 10 लाख को नौकरी देंगे लेकिन चाचा बोले कि कहां से नौकरी देगा, पैसा कहां से आएगा लाखों के तादाद में पद खाली थी बस उसे भरना था। बजट में प्रावधान था और पद सृजित था लेकिन नीतीश सरकार ने 20 साल से भरने का काम नहीं किया था। हम लोग आए तो 5 लाख सरकारी नौकरी एक दिन में दिया। गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बांटा।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में जल्द शुरु होगी 3 फिल्मों की शूटिंग, मारधाड़ और एक्शन से भरपूर होगी मूवी

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ फिल्म एसोसियशन (आरएफए) से जुड़े पदाधिकारियों ने मंगलवार को नाट्य रंगमंच के लिए उपायुक्त से मुलाकात की। इसमें नाट्य रंगमंच के लिए स्थल का चयन को लेकर चर्चा हुई। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आस्वस्त करते हुए कहा की बहुत जल्द ही रामगढ़ में नाट्य रंगमंच के लिए हाल की व्यवस्था होगी। जहां लोग मनोरंजन के साथ साथ अपनी कला का प्रदर्शन कर सके सकेंगे। वहीं, एसोसियशन के लोगों ने उपायुक्त को रामगढ़ में होने जा रहे तीन फिल्मों की शूटिंग की जानकारी भी दी। जिला में जल्द ही तीन फिल्मों की शूटिंग शुरु होने जा रही है। पहली फिल्म वेब सीरीज है जिसका नाम है मोनिका दत्ता। फिल्म का निर्देशन और कहानी संजय बनारसी की है।यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म भरपूर मनोरंजन और मारधाड़ एक्शन से भरपूर होगी। इसमें विमल शर्मा, विनोद सिंह, धर्मेंद्र शर्मा, मनीष के अलावे रामगढ़ फिल्म एसोसियशन से जुड़े कलाकार काम करते हुए नजर आएंगे। वहीं दूसरी फिल्म जिसका नाम मंजरी है। इसके निर्माता निर्देशक बिनोद कुमार सिंह है। इस फिल्म में भी रामगढ़ फिल्म एसोसियशन से जुड़े कलाकार काम करते हुए नजर आएंगे। यह लघु फिल्म है जिसकी कहानी एक खूबसूरती मंजरी नामक लड़की पर आधारित है। इस फिल्म में बिनोद सिंह, धर्मेंद्र शर्मा शामिल हैं। इस फिल्म के लिए अन्य कलाकारों का चयन जारी है। वहीं तीसरी हिंदी हॉरर शार्ट फिल्म इंतजार है। यह फिल्म प्रजापति पिक्चर्स यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने वाली है।

सेंट्रल लाइब्रेरी में 1.20 लाख किताबें, स्टेट में 85 हजार; कंपीटिशन की किताबों की है मांग

रांची, एजेंसी। लेखक जॉर्ज लुइस बोर्गेस ने कहा था, 'मैंने हमेशा कल्पना की है कि स्वर्ग एक तरह की लाइब्रेरी होगी।।।।' शहर के प्रमुख लाइब्रेरी में कंपीटिशन की किताबों के साथ प्रेमचंद, टैगोर व स्थानीय कामिल बुल्के और राधाकृष्ण भी रखे दिख जाते हैं। इन्हें पढ़ने वाले हजारों हैं। माना जाता है कि किताबें अतीत और भविष्य के बीच एक कड़ी, पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच एक पुल है। हर साल 23 अप्रैल को वर्ल्ड बुक एंड कॉपीराइट डे मनाया जाता है। इस विशेष अवसर पर हमने शहर की 3 लाइब्रेरी में जाकर देखा कि यहां कैसी और कितनी किताबें हैं। प्रतिदिन कितने लोग इन्हें पढ़ने आते हैं। विभिन्न लाइब्रेरी में हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला की किताबों के साथ धर्म ग्रंथ और भारतीय संविधान की मूल प्रति भी है। जनजातीय भाषाओं में नागपुरी, हो, संथाली, कुड़ुख, मुंडारी की किताबें अधिक हैं। बांग्ला व उड़िया भाषा की किताबों को पढ़ने के लिए भी लोग आते हैं। वेद, कुरआन, बाइबल, गीता, रामायण के साथ कबीर, तुलसीदास, प्रेमचंद, फणीश्वरनाथ रेणु, गालिब आदि लेखकों की किताबें भी उपलब्ध हैं। इसके साथ ही भारतीय संविधान की मूल प्रति भी है। मेन रोड पब्लिक स्थित उर्दू लाइब्रेरी की स्थापना 1945 में हुई थी। समाजसेवी मो। जबिउल्लाह ने बताया कि पूर्व में चर्च रोड में किराए के मकान से लाइब्रेरी की शुरूआत शिक्षा की जरूरत को महसूस करते हुए की गई थी। खान बहादुर, हारुण उमर कच्छी, अब्दुल अजीज ने बाद में मेन रोड में उर्दू लाइब्रेरी की स्थापना की। इसे ट्रस्ट के द्वारा चलाया जा रहा था। अभी क्षेत्र के युवा इसकी देखरेख कर रहे हैं। जिसमें मो। फिरोज रैंबो, मो. आबिद, मो। परवेज आदि शामिल हैं। यहां उर्दू गजल की कई मशहूर किताबें हैं। रोजाना संध्या 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रहता है। कोई शुल्क नहीं लगता। शारदा बाबू स्ट्रीट स्थित राज्य पुस्तकालय की स्थापना 1954 में हुई थी। लाइब्रेरियन ज्योति कुमारी ने बताया कि यहां एक साथ 1200 छात्रों के बैठने के लिए चेयर-टेबल है। यहां करीब 85 हजार से अधिक किताबें हैं। रोजाना 900 से 1000 छात्र पढ़ने के लिए आते हैं। मंगलवार को यहां 800 छात्र पढ़ने के लिए आए, जिनमें 500 छात्र व 300 छात्राएं थे। यह सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रहता है। यहां छात्रों से रजिस्ट्रेशन शुल्क 24 रुपए लेकर आईडी कार्ड दिए जाते हैं। छात्र बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, जेएनसीसी परीक्षा की तैयारी करते हैं। कंप्यूटर की ट्रेनिंग भी होती है।केंद्रीय पुस्तकालय, रांची विश्वविद्यालय की स्थापना 1960 में शहीद चौक के पास हुई थी। उसके बाद मोरहाबादी में इसे शिफ्ट कर दिया गया। पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ.संजय कुमार कर्ण ने बताया कि हमारे यहां 1.20 लाख से अधिक किताबें हैं।

चितरा कोल माइंस क्षेत्र में पानी की भारी किल्लत

टैकरों की मदद से घरों तक पहुंचेगा

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर जिले में गर्मी आते ही पानी की किल्लत होना आम बात है। शहरी इलाके के रिहायशी कॉलोनी में भी पानी के लिए लोगों को काफी जद्दोजहद करनी पड़ती है। सिर्फ शहरी इलाके ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में भी पानी के लिए लोग परेशान रहते हैं। देवघर के ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की किल्लत की बात करें तो सबसे ज्यादा परेशानी सारठ प्रखंड के चितरा क्षेत्र में देखने को मिलती है। क्योंकि इस क्षेत्र में एक बड़ा ओपन कोल माइंस संचालित होता है।

मालूम हो कि चितरा में ईसीएल का कोल माइंस संचालित है। यह कोल माइंस राज्य एवं केंद्र सरकार के लिए काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि यहां से सरकार को राजस्व का काफी लाभ मिलता है। सरकार इस क्षेत्र के लोगों की जमीन को अधिग्रहण करके कोयला निकाल रही है। लेकिन जिन किसानों की जमीन अधिग्रहण हो रही है उन्हें ना तो मुआवजा मिल रहा है और ना ही बुनियादी सुविधा मुहैया हो पा रही है। चितरा कोल माइंस के कारण प्रभावित हो रहे स्थानीय लोगों ने बताया कि पूरे क्षेत्र में सबसे ज्यादा यदि पानी की आवश्यकता है तो चितरा इलाके में है लेकिन सबसे ज्यादा पानी की किल्लत यहीं है। स्थानीय एवं मुखिया प्रतिनिधि सुजीत रजक बताते हैं कि इस क्षेत्र के चितरा, देवघरिया, तुलसी डाबर सहित कई गांवों ने पानी के लिए लोग तरस रहे हैं लेकिन लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है।

सुजीत कुमार रजक ने बताया कि क्षेत्र में एक वॉटर कूलर लगाया गया है लेकिन उससे भी पर्याप्त पानी नहीं मिलता है। उन्होंने ईसीएल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में जितने भी चापाकल लगे हुए हैं, उसे स्थानीय जन प्रतिनिधि 15वीं वित्त आयोग की राशि से ठीक करवाते हैं लेकिन ईसीएल प्रबंधन का इस पर कोई ध्यान नहीं जाता है जबकि कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत ईसीएल प्रबंधन को यह काम करवाना चाहिए था।

सामाजिक कार्यकर्ता मनोज सुभद्रा ने कहा कि चितरा क्षेत्र में पेयजल की समस्या को देखते हुए उनके द्वारा धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाना था लेकिन स्थानीय एसडीओ द्वारा उन्हें अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने जिला प्रशासन और ईसीएल प्रबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, अब चितरा क्षेत्र में लोगों को अपने हक के लिए आवाज उठाने पर भी रोक लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे साफ पता चलता है ईसीएल प्रबंधन अपनी जिम्मेदारियां से बचना चाहता है। वहीं लोगों की परेशानी को देखते हुए हमने जब ईसीएल प्रबंधन के जीएम एके आनंद से बात की तो उन्होंने कहा कि उनके द्वारा पूरे क्षेत्र में वॉटर फिल्टर संचालित किया जा रहे हैं। इसके अलावा आसपास के गांवों में सोलह टैंकरों से पानी उपलब्ध कराया जा रही है। उन्होंने बताया कि ईसीएल प्रबंधन के द्वारा एक वॉटर फिल्टर प्लांट भी चलाया जाता है। जिससे पेयजल की समस्या को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। वही कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत जहां भी चापाकल या नल खराब हैं, उसे ईसीएल प्रबंधन रिपेयर करने में लगा है। गौरतलब है कि देवघर समेत पूरे झारखंड के लिए ईसीएल का चितरा कोल माइंस राजस्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है लेकिन यह भी है कि जिस क्षेत्र के लोगों की जमीन से राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार को राजस्व का लाभ हो रहा है, उस क्षेत्र के लोगों को भी सुविधा मुहैया होनी चाहिए।

सऊदी से भी ज्यादा अमीर होंगे भारत के मुसलमान, वक्फ पर बीजेपी के सीनियर नेता का बयान

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में वक्फ संशोधन अधिनियम पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें भाजपा द्वारा चलाए जाने वाले जागरण अभियान की प्रदेश टोली, प्रदेश पदाधिकारी, अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी सहित विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के जिलाध्यक्ष शामिल हुए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सह अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी दुष्यंत गौतम ने वक्फ संशोधन अधिनियम की बारीकियों, संशोधन से होने वाले लाभ पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों का सदुपयोग हुआ तो भारत का मुसलमान सऊदी अरब से भी अधिक अमीर होगा। गौतम ने कहा कि वक्फ इस्लामी कानून के अंतर्गत स्थापित एक अपरिवर्तनीय धर्मार्थ निधि है। जिसे भारत में वक्फ अधिनियम 1995 के तहत मान्यता प्राप्त है। 2018 की केंद्रीय वक्फ बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 8 लाख एकड़ से अधिक वक्फ संपत्ति है जिसकी कीमत 10 लाख करोड़ से अधिक है, लेकिन वक्फ संपत्ति से गरीब मुसलमानों के लिए कुछ नहीं किया गया। धार्मिक नेताओं और राजनेताओं के बड़े गुट ने वक्फ संपत्तियों को लूटकर आम मुसलमानों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित कर दिया। लगभग 70 प्रतिशत वक्फ संपत्तियों पर अवैध कब्जा हो चुका है।

मोदी सरकार ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 ने असीमित अधिकार को हटाया है। सरकारी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित होने से रोकने की पहल की है। बोर्ड में महिलाओं के अधिकार को बढ़ाया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वक्फ की जमीन को लुटेरों से बचाने के लिए वक्फ संशोधन अधिनियम लाया गया है।

क्लर्क का बेटा बना आईएएस, चौथे प्रयास में क्रैक कर दी यूपीएससी परीक्षा, खुद बताया सफलता का राज

दुमका, एजेंसी। मंगलवार को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 का परिणाम जारी हुआ। इसमें दुमका के 28 वर्षीय सौरभ सिन्हा ने 49वीं रैंक हासिल की है। यह सफलता उन्हें चौथे प्रयास में मिली। सौरभ की कहानी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास की मिसाल है। रसिकपुर के मध्यमवर्गीय परिवार आने वाले सौरभ के पिता प्रियाव्रत सिन्हा जिला अधिवक्ता संघ कार्यालय में बड़ा बाबू हैं। सौरभ का छोटा भाई है। सौरभ का जन्म और पालन-पोषण दुमका में ही हुआ। उसने नर्सरी से लेकर इंटर तक की पढ़ाई दुमका में की। ग्रीन माउंट अकैडमी से मैट्रिक तक की पढ़ाई बिना किसी ट्यूशन के की।

वर्ष 2011 में मैट्रिक और 2013 में इंटर की परीक्षा में अच्छे अंक लाए। इंटर में साईटेंक कोंचिंग संस्स्थान से कोचिंग कराने वाले निदेशक मार्तंड मिश्रा ने बताया कि आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, फिर भी सौरभ ने कभी हार नहीं मानी। स्वाध्याय के बल पर पढ़ाई की। पढ़ाई के प्रति जुनून था।

वर्ष 2021 में उसने आईआईटी खड़गपुर से बीटेक और एमटेक किया। इसके बाद किसी कंपनी में नौकरी नहीं की। वर्तमान में नारायणा विश्वविद्यालय लखनऊ में प्रोफेसर है।

पिता ने बताया कि सौरभ ने पहले 2019 में यूपीएससी की परीक्षा दीं। पीटी पास किया,लेकिन साक्षात्कार में रह गया। इसके बाद 21 और 22 में परीक्षा दी, लेकिन साक्षात्कार में असफल हो गया।

इसके बाद भी हिम्मत नहीं हारी। हर बार असफलता से सीखता रहा। उत्तर लेखन और समय प्रबंधन में सुधार किया। मॉक टेस्ट दिए। पुराने प्रश्नपत्रों का विश्लेषण किया। समसामयिक मुद्दों पर गहराई से अध्ययन किया।

चौथे प्रयास में एक तय योजना के साथ तैयारी कर सफलता हासिल की।सौरभ की सफलता यह साबित करती है कि संसाधनों की कमी, उम्र या आर्थिक स्थिति सफलता की राह में बाधा नहीं बनती।

सही रणनीति, मेहनत और परिवार का साथ हो तो कोई भी सपना पूरा हो सकता है। उनकी कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

माता विभा सिन्हा ने बताया कि तीन बार मिली असफलता के बाद उसे तैयारी छोड़कर कंपनी में काम करने के लिए प्रेरित किया। निराशा की वजह से वर्ष 23 में परीक्षा नहीं थी। लेकिन इसी परीक्षा में उसका एक साथी पास हो गया। इसके बाद उसने फिर से तैयारी शुरू की ओर 24 में फिर से प्रयास किया।

मां ने बताया कि बेटा हर हाल में आइएएस बनना चाहता था।पढ़ाई में किसी तरह की बाधा नहीं आए, इसलिए खुद को कमरे में बंद कर पढ़ता था। घर में कोई आए जाए, उससे उसे कोई वास्ता नहीं था। केवल खाना खाने के वक्त ही कमरे से निकलता और खाने के बाद फिर से कमरे में बंद कर लेता था।

धनबाद में सफाई कर्मी को बाराती बस ने कुचला:बेकारबांध के पास हादसा

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में दर्दनाक सड़क हादसे में नगर निगम के सफाई कर्मी बजरंगी भुईंया की मौत हो गई। यह सड़क हादसा बेकारबांध स्थित पूजा टॉकीज के पास की है। जहां एक बाराती बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दो अन्य सफाई कर्मी विक्की भुईंयां और फुलआ गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।झघटना उस समय हुई जब तीनों सफाई कर्मी एक बाइक पर सवार होकर निगम कार्यालय ड्यूटी के लिए जा रहे थे। इस दौरान टुंडी जा रही बाराती बस ने उन्हें टक्कर मार दी। बस चालक बाइक को रगड़ते हुए राजेंद्र सरोवर तक ले गया। इसके बाद बस से उतरकर मौके से फरार हो गया। बस में सवार यात्री भी बस से उतर कर चले गए।घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों सफाई कर्मी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने निगम के ट्रैक्टर और टिपर वैन से सड़क जाम कर दी।

सभी जिलों के स्क्क्तक पहुंचा नया ऑर्डर, आईजी-डीआईजी का भी बढ़ गया काम; अब इन पुलिस अफसरों पर होगा तगड़ा एक्शन

रांची, एजेंसी। पुलिस मुख्यालय में एडीजी अभियान डॉ। संजय आनंदराव लाठकर ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से लैंगिक अपराध व पॉक्सो एक्ट से संबंधित कांडों की समीक्षा की।

उन्होंने सभी जिलों के एसएसपी, एसपी को कोर्ट प्रोसेस मैनेजमेंट सिस्टम (सीपीएमएस) एप के माध्यम से न्यायालय में ससमय उपस्थित कराने के लिए विशेष रूप से निर्देश दिया। पुलिसकर्मियों की गवाही नहीं होने से अभियुक्तों की सजा नहीं होने के मामले को भी एडीजी ने गंभीरता से लिया। उन्होंने सभी एसपी से इसकी समीक्षा करने को कहा और यह भी कहा कि गवाही नहीं देने वाले पुलिसकर्मियों-पदाधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई कर पुलिस मुख्यालय को अवगत कराएं। वैसे पुलिस पदाधिकारी, कर्मी या सरकारी कर्मी जो किसी कारणवश न्यायालय में गवाही के लिए उपस्थित नहीं हो पाते हैं, उनकी गवाही वीडियो कांफ्रेंसिंग से कराएं। एडीजी अभियान ने महिलाओं के विरुद्ध होने वाले लैंगिक तथा पॉक्सो एक्ट से अंतर्गत दर्ज कांडों में निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन के लिए व्यापक रूप से चर्चा की।

अमोनिया गैस के रिसाव पर पर्यावरण समिति का कड़ा रुख, कहा- हर्ल प्रबंधन पर लेंगे

धनबाद, एजेंसी। विधानसभा पर्यावरण समिति सदस्यों ने जिले के सर्किट हाउस में बीसीसीएल, हर्ल, ईसीएल प्रबंधन के साथ बैठक की। बढ़ते प्रदूषण को लेकर क्षेत्रीय प्रदूषण पदाधिकारी, बीसीसीएल, सीसीएल एवं हर्ल प्रबंधन के प्रति समिति ने नाराजगी जताई है। साथ ही पिछले दिनों हर्ल से हुए अमोनिया रिसाव के लिए एक्शन लेने की बात समिति ने कही है।

झारखंड विधानसभा की पर्यावरण समिति सदस्य धनबाद पहुंचे। पर्यावरण समिति सदस्य में सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, बोकारो विधायक श्वेता सिंह, सिसई विधायक जिगा सुसारण होरो, विधायक संजीव सरदार ने विभागीय बैठक सर्किट हाउस सभागार में की। जिसमें बीसीसीएल, ईसीएल, हर्ल के अधिकारी, एसडीएम सहित अन्य उपस्थित रहे। कोयलांचल में लगातार बेकाबू हो रहे प्रदूषण की समस्या को लेकर क्षेत्रीय प्रदूषण पदाधिकारी को समिति सदस्यों ने फटकार लगाई। विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण का निर्देश दिया। साथ ही जिन उद्योगों को प्रदूषण विभाग ने सीटीओ दिया है, उसका सत्यापन करने का भी निर्देश दिया।

वहीं बढ़ते प्रदूषण को लेकर बीसीसीएल, ईसीएल एवं हर्ल प्रबंधन के प्रति नाराजगी जताई। पिछले दिनों हर्ल प्लांट में हुए अमोनिया रिसाव, कोलियरी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण की समस्या को लेकर बीसीसीएल, ईसीएल और हर्ल प्रबंधन अधिकारियों को नियंत्रित करने का निर्देश दिया बैठक के बाद बोकारो विधायक और सिसई विधायक जिगा सुसारण होरो टीम के साथ स्थलीय जांच के लिए रवाना हो गए। बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि धनबाद में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है।

कोडरमा के शर्मा बुक सेंटर में एसडीओ का छापा:असली कीमत छिपाकर दोगुने दाम में बेच रहा था

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा में एसडीओ रिया सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने झुमरीतिलैया शहर के सबसे बड़े किताब विक्रेता शर्मा बुक सेंटर की दुकानों और गोदाम में छापेमारी की। इस छापेमारी ने सबको चौंका कर रख दिया। डीसी मेघा भारद्वाज के निर्देश और अभिभावक संघ की ओर से मिली शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान यह पता चला कि शर्मा बुक सेंटर किताबों की प्रिंट रेट पर अपना छापा हुआ कीमतों का स्टिकर लगा कर किताबें बेचता था।

एसडीओ रिया सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने शर्मा बुक सेंटर की दुकानों और गोदाम में छापेमारी की। जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। गोदाम से बड़ी संख्या में ऐसी किताबें मिलीं, जिन पर ओवर प्रिंटिंग की गई थी। किताबों के वास्तविक मूल्य को छिपाकर अधिक कीमत अंकित की गई थी। कई किताबों पर असली कीमत से दोगुने मूल्य के स्टिकर चिपकाए गए थे। एसडीओ ने इन किताबों को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया है।छापेमारी के दौरान किताब विक्रेता ने गोदाम में ताला लगाकर घर में छिप गया और अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया। अधिकारियों के बार-बार कहने पर भी वह बाहर नहीं आया। जिसके बाद प्रशासन ने गोदाम की निगरानी के लिए तिलैया पुलिस के जवानों को तैनात कर दिया।जांच में गोदाम में एक बड़ी प्रिंटिंग मशीन भी मिली है। जिसका इस्तेमाल कीमतें बदलने के लिए किया जा रहा था। एसडीओ रिया सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में किताब विक्रेता द्वारा कीमतों में गड़बड़ी की पुष्टि हुई है।

बगैर चालान के ही बिहार जा रहा था स्टोन चिप्स, 9 वाहन जब्त

गिरिडीह, एजेंसी। कुछ माह पूर्व ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्थर के अवैध खनन और उसके परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने का सख्त निर्देश दिया था। सूबे के वरीय अधिकारियों के साथ की गई बैठक में सीएम ने साफ कहा था कि झारखंड की छवि को धूमिल करने वाले तस्करों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सीएम के सख्त तेवर के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर कार्रवाई भी होती रही, बावजूद गिरिडीह में पत्थर माफिया अपनी करतूत को लगातार अंजाम दे रहे हैं। जहां कई स्थानों पर अवैध तरीके से पत्थर का खनन हो रहा है।

कार्रवाई के दौरान बगैर कागजात के ही सरकार को राजस्व दिए बिना स्टोन चिप्स की तस्करी हो रही है। मालवाहकों में स्टोन चिप्स को लादकर गिरिडीह के गावां के रास्ते बिहार ले जाया जा रहा है। इस बार फिर से वरीय अधिकारियों के निर्देश पर गावां के अंचलाधिकारी अविनाश रंजन ने कार्रवाई की है। इस बार सीओ ने देर रात वाहनों की जांच शुरू की और स्टोन चिप्स लदे 9 मालवाहक को पकड़ा है। वाहनों को पकड़ने के बाद कागजात की छानबीन की गई तो एक वाहन छोड़कर बाकी वाहनों के पास परिवहन परमिट मिला ही नहीं। ऐसे में सीओ ने वाहनों को जब्त करते हुए मामले को लेकर खनन विभाग को अवगत कराया है।

बता दें कि गावां-सतगावां होते हुए बिहार के नवादा जाने वाली सड़क पत्थर-कोयला तस्करों के लिए सेफ सड़क रही है। जमुआ-धनवार, तिसरी-गावां इलाके के कुछ एक क्रशरों में स्टोन चिप्स लोड करने के बाद इसी रास्ते से वाहन को ले जाया जाता है। तस्कर का पूरा काम संगठित होकर किया जाता है। पिछली बार गावां के सीओ ने उन वाहनों की पहचान की थी, जो वाहन सहारनपुर के चालान पर कई दफा चिप्स बिहार में खपाने का काम करते थे।

मामले को लेकर सीओ ने खनन विभाग को भी पत्र लिखा था, लेकिन जांच के नाम पर पूरे मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। इस बार फिर से गावां के सीओ ने ऐसे वाहनों को पकड़ा है। अब देखना होगा कि क्या इस बार भी मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा या फिर जिला के अधिकारी इसे गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई करेंगे।

रोहित ने 9 घंटे डयूटी के बाद कैसे की पढ़ाई खुद बताई रणनीति, यूपीएससी में लहरा दिया परचम

जादूगोड़ा, एजेंसी। देश सेवा का ऐसा जुनून कि नौकरी में अच्छी पैकेज मिलने के बाद भी यूपीएससी में सेलेक्शन होने का हमेशा मन में संकल्प बना रहा। आखिरकार रोहित ने यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) में 518 रैंक लाकर अपने संकल्प को पूरा किया।

रोहित ने देश के सबसे बड़े व कठिन प्रतियोगिता परीक्षा यूपीएससी में 518 रैंक लाकर अपना व जादूगोड़ा क्षेत्र का नाम रौशन किया है। मंगलवार की शाम को आए परीक्षा परिणाम के बाद जादूगोड़ा में हर्ष का माहौल हो गया। रोहित को बधाई देने के लिए उनके घर पर लोगों का तांता लगा रहा।

रोहित जादूगोड़ा के परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय में पढ़ाई करते थे। 2007 में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा 89 प्रतिशत अंक लाकर पास किया। इसके बाद उन्होंने विज्ञान संकाय से 12वीं तक की पढ़ाई की। 12वीं की पढ़ाई के बाद वीआईटी वैल्लोर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की।

इंजीनियरिंग करने के बाद कैट में 95 प्रतिशत अंक लाकर आईआईएम रायपुर में दाखिला लिया। एमबीए की पढ़ाई उन्होंने 2017 में पास कर ली। उसके बाद 2018 में बैंगलुरु में रहकर स्टैंडर्ड चार्ट बैंक में कार्य किया। जहां उन्हें एक अच्छे पैकेज के साथ नौकरी मिली थी।

देश व समाज के लिए कुछ अच्छा करने के जज्बा रोहित को यूपीएससी में सफलता दिलाई। 9 घंटे तक नौकरी करने के बाद प्रत्येक दिन 5 घंटा पढ़ाई कर यूपीएससी की तैयारी में लगे रहते थे। शनिवार व रविवार को छुट्टी के दिन जो भी पढ़ाई में कमी रहती थी उसे पूरा किया करते थे।

उन्होंने बताया कि पिछले 7 साल मैंने टीवी नहीं देखा। पिछले साल मैं एक अंक से पीछे रह गया था। घर वालों का पूरा सहयोग विशेष कर माता-पिता, बहन व जीजा का सहयोग रहता था। समाज की ओर से हमेशा दबाव रहता था कि मुझे विवाह कर लेना चाहिए क्योंकि मैं एक अच्छी नौकरी व पैसा कमाता हूं।

लेकिन मेरे अंदर यूपीएससी कंप्लीट करने का जुनून सवार था। इसलिए मैं कभी पीछे नहीं जाना चाहता था। माता-पिता को हमेशा कहता था कि बस थोड़ा इंतजार करो मैं सफल हो जाउंगा। मेंस के रिजल्ट आने के बाद में दिल्ली में जाकर 2 महीने इंटरव्यू की तैयारी में लगा रहा। बाकि की तैयारी में बैंगलुरु में रहकर आनलाइन ही किया करता था। बैंगलुरु में अकेला ही रहता था। एक कमरे में एक रूम भाड़े पर लिया था। जहां मैं ड्यूटी से आकर तैयारी किया करता था।

रोहित ने बताया की भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के लिए काम करना चाहता हूं। हालांकि जो रैंक मुझे मिला उसके लिए मैं आईपीएस के रूप में पुलिस सर्विस में जा सकता हूं पर मेरी इच्छा भारत के विदेश मंत्रालय के लिए काम करना है। अपने देश का नाम दूसरे देश में भी रौशन करूं।

आज भी चीन-अमेरिका जैसे देश जो भारत को अभी भी अपने सामने कमजोर समझते है। उनके सामने अपने देश का मान सम्मान बढ़ाना मेरी ख्वाहिश है। पिता बेटे की सफलता पर पिता रमेश कुमार सिंह व मां ललिता देवी ने कहा हमने बेटे को हर तरह से सपोर्ट किया। जब पिछले कई प्रयास में सफलता नहीं मिली तो हम लोगों ने कहा कि आप तो एक अच्छे जाब में हो आप शादी करके अपना जीवन आगे बढ़ाओ पर उसके जुनून ने उसे इस सफलता को दिलाया है।

जब शाम को रिजल्ट आया तो हम लोग खाना खाने जा रहे थे। पिता ने कहा की आज ही चेन्नई से आंख का आपरेशन कराकर आया हूं। जैसे ही रिजल्ट आया मेरी धर्मपत्नी, बेटा व बेटी रोशनी चारों आपस में गले रखकर खुशी के आंसू बहाते रहे।एक माता-पिता के लिए इससे खुशी की बात क्या हो सकती है की जिन्हें अब अपने बेटे के नाम से जाना जाएगा।पिता हमेशा गांधी मार्केट दुर्गा पूजा कमेटी से जुड़े रहे।मां दुर्गा की उपासना कर बेटे की सफलता की कामना करते थे। रोहित अब जुलाई महीने में एक साल की ट्रेनिंग करेगा। उसके बाद उन्हें किसी राज्य में पदस्थापित किया जाएगा। इससे पहले वह बैंगलुरु जाकर वर्तमान में कार्यरत बैंक से रिजाइन देंगे।

सुभाषितम्

सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है।

- एलिशिया मेकेडो

चीन का कल्पना लोक से हकीकत तक, 10जी का सफर

चीन ने एक बार फिर सारी दुनिया को तकनीक के क्षेत्र में आश्चर्यचकित कर दिया है। वैश्विक टेक्नोलॉजी को लेकर दुनिया के विकसित एवं विकासशील देश अभी 6ऋतकनीकी पर शोध कर रहे हैं। चीन ने इस बीच 10जी लॉन्च कर दिया है। भारत अभी 5ऋ के शुरूआती दौर में हैं। भारत में अभी भी 3ऋऔर 4ऋनेटवर्क में ही काम चल रहा है। गांव-गांव में अभी तक इंटरनेट का नेटवर्क ही नहीं पहुंच पाया है। इसी चीन ने 10 ऋनेटवर्क को वास्तविकता मे बदल दिया है। यह उपलब्धि किसी चमत्कार से कम नही है। इस चमत्कार के बल पर चीन को दुनिया का विश्व गुरु बनने से अब उसे कोई नहीं रोक सकता है। चीन का यह चमत्कार वैश्विक -शक्ति संतुलन को प्रभावित करने वाला है। चीन की टेलीकॉम कंपनी ने 9834 एमबीपीएस की डाउनलोड स्पीड और 108 एमबीपीएस की अपलोड स्पीड के साथ 10 जी नेटवर्क को हेबेई प्रांत के सुनान काउंटी में शुरू कर दिया है। यह नेटवर्क 50जी पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क तकनीक पर आधारित है। जिसने मौजूदा फाइबर ऑप्टिक इंफ्रास्ट्रक्कर को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। इसका असर इंटरनेट उपयोगकताओं,स्वास्थ्य, शिक्षा, ट्रैफिक मैनेजमेंट, ड्रोन संचार व्यवस्था, स्मार्ट सिटीज और रक्षा जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आना तय है। चीन की यह उपलब्धि तकनीक और विज्ञान के क्षेत्र में उसके दीर्घकालिक निवेश और सोच का परिणाम है। भारत अभी 5ऋनेटवर्क पर ही अटका हुआ है। चीन ने 10ऋ को घर-घर पहुंचाने का काम शुरू कर दिया है। भारत शोध के क्षेत्र में अपना बजट लगातार घटा रहा है। विश्वविद्यालयों में जिस तरीके के हालात देखने को मिल रहे हैं। उसमें पढ़ाई और शोध के स्थान पर मंदिर-मस्जिद हिंदू राष्ट्र और सनातनी पढ़ाई इतिहास को बदलने तरह-तरह के प्रयोग हो रहे हैं। तकनीकी के क्षेत्र में भारत का कोई विजन ही नहीं है। भारत जहां विश्व गुरु बनने की बात करता है। तीसरी अर्थशक्ति बनने की बात करता है। यह सारे दावे हवा हवाई हैं। भारत चीन से सबसे ज्यादा आयात करता है। चीन के बने हिन्दू भगवान भारत में आकर बिकते हैं। हर छोटा बड़ा दैनिक उपयोग का सामान चीन से आ रहा है। भारत की लघु इकाइयां एक-एक करके बंद होती जा रही हैं। तकनीकी के क्षेत्र से भारत का दूर-दूर तक का वास्ता नहीं है। वहीं पड़ोसी देश चीन ने पिछले 30 सालों में वह करके दिखा दिया है। जो भारत सोच भी नहीं पा रहा है। 30 साल पहले भारत और चीन की अर्थव्यवस्था में कोई बहुत ज्यादा अंतर नहीं था। भारत की तुलना में चीन पिछले 30 सालों में हर क्षेत्र में तेजी के साथ प्रगति कर रहा है। वर्तमान स्थिति में भारत को एक स्पष्ट टेक्नोलॉजिकल रोडमैप बनाने की है। शिक्षण संस्थानों को राजनीति से दूर रखने की जरूरत है। शिक्षण संस्थानों में योग्य विषय विशेज्ञयों की नियुक्ति करना सबसे बड़ी चुनौती है। वैचारिक आधार पर पिछले कुछ वर्षों में शिक्षण संस्थानों में जो नियुक्तियां हुई है। उसने भारत को बहुत नुकसान पहुंचाया है। किसी भी देश के लिए राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक जरूरतें अलग-अलग तरह की होती हैं। भारत जब स्वतंत्र हुआ था। उसके बाद भारत के जो शिक्षण संस्थान तैयार किये गये थे। उन्होंने एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया था। पिछले एक दशक में हम इसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा पिछड़ रहे हैं। भारत पिछलग्गू नहीं बने। वर्षों पुरानी तकनीकी के हम गुलाम ना बने। बल्कि नवाचार के साथ आगे बढ़ना होगा। इस दिशा में सरकार की एक सोच होनी चाहिए। भारत की प्रतिभाएं दूसरे देशों में जाकर तकनीकी के क्षेत्र में बड़े-बड़े काम करती हैं। भारत में उनके लिए कोई अवसर नहीं होते हैं। भारत छोटे-बड़े नवाचार को कभी गंभीरता से नहीं देखता है। हम जब तक कल्पनालोक और सपनों में जीते रहेंगे। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और सबसे युवा देश होने के बाद भी हम अन्य देशों के पिछलग्गू बनकर अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा उन्हें देते रहेंगे। हमारे यहां का करोणों की संख्या में युवा बेरोजगार हैं। हमारे छोटे-छोटे उद्योग धंधे खत्म होते जा रहे हैं। यह वास्तविक स्थिति है। जबकि चीन जैसे देश देखते ही देखते दुनिया के सिरमौर बनने जा रहे हैं। हम नारों में अपने आप को विश्व गुरु और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दावा करते रह जाएंगे। हकीकत इसके ठीक विपरीत नजर आती है।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है।

पहलगाम आतंकी हमला धरती के स्वर्ग पर दहशत

-हर्षवर्धन पाण्डे

अपनी नैसर्गिक प्राकृतिक सुषमा और सुंदरता के लिए दुनिया भर में पहचाने जाने वाले जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि ने एक बार फिर हमारी सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक ताने-बाने और पर्यटन उद्योग पर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इस आतंकवादी घटना ने एक बार फिर से हमें झकझोर दिया है। 2019 में पुलवामा अटैक के बाद कश्मीर में यह अब तक का सबसे बड़ा हमला था जिसमें निशाने पर पर्यटक थे। इस आतंकी घटना ने 25 बरस पहले छत्तीसिंहपुरा नरसंहार की याद ताजा कर दी है। आतंकियों ने पहलगाम से करीब 6 किलोमीटर की दूरी के बैसरन के जिस इलाके को निशाना बनाया, यह इलाका घने देवदार के पहाड़ों से घिरा घास का बड़ा मैदान है। आतंकियों ने इस जगह को इसलिए चुना क्योंकि यहां अधिक संख्या में पर्यटक आते हैं। खूबसूरत कश्मीर की फिजा को बिगाड़ने के लिए आतंकियों ने इस जगह को चुना। इन हमलों की प्रकृति में सुनियोजित रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। द रेजिस्टेंस फ्रंट नाम के संगठन ने इस हमले जिम्मेदारी ली है जो लश्कर-ए-तैयबा की ही एक फ्रेंचाइजी है। आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा न केवल सुरक्षाबलों को निशाना बना रहे हैं, बल्कि पर्यटकों और प्रवासी मजदूरों पर भी हमले कर रहे हैं। भारत के खिलाफ होने वाली हर साजिश को अंजाम देने में उसे पाक की सेना और कट्टरपंथी सगठनों का पूरा सहयोग मिल रहा है। यह

तो बानगी भर है। जैश , हिज्बुल और लश्कर का पाक में अभी भी एक बड़ा नेटवर्क है। दुखद है जम्मू-कश्मीर में किसी भी बड़ी आतंकी घटना के तार सीधे इन्ही संगठनों से मिलते है और ये खुद ही आतंकी हमलों में अपनी संलिप्तता से पीछे नहीं हटते। पाक की राजनीती का असल सच किसी से छुपा नहीं है। वहां पर सेना कट्टरपंथियों का हाथ की कठपुतली है। असल नियंत्रण सेना का हर जगह है। पाक यह महसूस कर रहा है अगर समय रहते उसने भारत के खिलाफ अपनी जंग शुरू नहीं की तो कश्मीर का मुद्दा नहीं सुलझ पाएगा। पाक के साथ भारत को अब किसी तरह की नरमी नहीं बरतनी चाहिए और आतंक के खिलाफ ठोस ऐक्शन लेने की जरूरत है।

2019 में धारा 370 के निरस्त होने के बाद भारत सरकार ने दावा किया था कि जम्मू कश्मीर में शांति और स्थिरता स्थापित होगी लेकिन इस तरह की आतंकी घटनाएँ बताती हैं कि आतंकवादी गतिविधियाँ फिर से बढ़ रही हैं। सीमा पार से घुसपैठ और स्थानीय पर सहयोग इन हमलों का प्रमुख कारण हैं। आतंकी हमले हमारे सामाजिक सौहार्द को भी प्रभावित करते हैं। पर्यटकों को निशाना बनाए जाने से विभिन्न समुदायों के बीच अविश्वास और भय का माहौल बन सकता है।जम्मू और कश्मीर में देशी-विदेशी सैलानियों की तादाद पिछले वर्षों में लगातार बढ़ रही है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के माध्यमों यह पूरे देश से जुड़ चुका है। बीते बरस 2.35 करोड़ से अधिक पर्यटक जम्मू-कश्मीर पहुंचे, जबकि अमरनाथ यात्रा में 5 लाख श्रद्धालु शामिल हुए। यही विकास आतंकियों को खटक रहा है। जिस कश्मीर को आर्टिकल 370 खत्म होने से पहले डर की भावना से देखा जाता था, वह अब पर्यटकों को लुभा रहा है। श्रीनगर का लाल चौक जहां कभी अलगाववादी देश विरोधी रैलियां निकालते थे, वहां अब सब खुली हवा में साँस ले सकते हैं। ऐसे में आतंकियों ने पर्यटकों पर निशाना बनाकर उनके मन में फिर से खौफ पैदा करने की कोशिश की है।

आने वाले महीनों में पवित्र अमरनाथ यात्रा भी शुरू होनी है और उससे पहले माहौल बिगाड़ने से पूरी दुनिया का ध्यान कश्मीर पर एक बार फिर से केंद्र में आ सकता है। पहलगाम आतंकी हमले को सिर्फ एक घटना मानना भूल होगी, क्योंकि यह हमला पाकिस्तान की नई स्ट्रैटेजी का हिस्सा भी हो सकता है। इस रणनीति का उद्देश्य है जम्मू क्षेत्र से होकर आतंकियों को भारत में प्रवेश कराना और धर्म के नाम पर नई दहशत फैलाना जिससे कश्मीर में आतंक की तसवीरें दिखाकर भारत की आंतरिक सुरक्षा को चुनौती देना है। खुफिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि पाकिस्तान की ओर से जम्मू सेक्टर के सामने 32 लॉन्च पैड्स में करीब 100 आतंकवादी घुसपैठ के लिए तैयार बैठे हैं, वहीं कश्मीर के सामने 10 लॉन्च पैड्स में सैकड़ों आतंकियों की मौजूदगी है। 2023 में 125 ड्रोन सीमा पार से भेजे गए, जबकि 2024 में यह संख्या 300 तक पहुंच चुकी है। इन ड्रोन्स के जरिए हथियार, विस्फोटक और संचार उपकरण पहुंचाए जा रहे हैं। 2022 में जहां 107 आतंकी घटनाएं हुई थीं, वहीं 2023 और 2024 में यह आंकड़ा घटकर क्रमशः 27 और 26 पर आ गया लेकिन पहलगाम से एक बार फिर जम्मू -कश्मीर में आतंक और हिंसा का नया तांडव शुरू हो सकता है। इस तरह पर्यटकों पर किये हमलों से जम्मू कश्मीर के पर्यटन उद्योग को गहरा आघात पहुँच सकता है। इस मौसम में पर्यटन सीज चरम पर रहता है। ऐसे हालातों में हुए इन हमलों ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है शायद इस घटना के बाद शायद पर्यटक कश्मीर का रुख करने से कतराने लगें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस बात को दोहराया है कि हमलावरों को कड़ी सजा दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में आपातकालीन बैठक बुलाकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी आज कहा है हमला करने वालों को करारा जवाब मिलेगा ऐसा जवाब मिलेगा जो पूरी दुनिया देखेगी। हम हर जरूरी कदम उठाएंगे। भारत को डराया नहीं जा सकता। यह बयान भारत की तरफ से अभी तक का एक कड़ा बयान नजर आता है। पाक सेना प्रमुख असीम मुनीर ने कश्मीर को लेकर अभी एक हफ्ते पहले ही अपना बयान दिया था।पहलगाम में पर्यटकों की इतनी बड़ी संख्या में निर्मम हत्या के पीछे सीधे-सीधे पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष असीम मुनीश की रणनीति भी हो सकती है। उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की ह्यगले की नसह्ल बताया था। उन्होंने ह्यटू नेशन थ्योरीह्ल का जिक्र करते हुए हिंदुओं के खिलाफ नफरती बयान देते हुए कहा था कि पाकिस्तानियों को नहीं भूलना चाहिए कि हम उनसे अलग हैं। उनके इस बड़े बयान कहीं न कहीं आतंकवादियों के लिए एक संदेश का काम किया है कि जम्मू-कश्मीर को रक्तरंजित करने के लिए यही माकूल वक्त है। इस तरह की घटनाओं की दहशत बहुत ज्यादा होती है और पूरी दुनिया तक संदेश पहुंचाया जा सकता है कि कश्मीर में अब भी कुछ नहीं बदला है। इस हमले से आतंकियों ने अमेरिका को भी संदेश देने की कोशिश की है कि कश्मीर अभी भी शांत नहीं हुआ है। जम्मू कश्मीर में आतंकवाद की समस्या जटिल है।

कश्मीर में आतंक के विरुद्ध जन-आक्रोश की नई लहर

-बृजमोहन श्रीवास्तव

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में कम से कम 26 नागरिक मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 के पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला है। इसके पहले 18 मई 2024 में भी दो आतंकवादी हमले हुये थे जिसमें शोपियां में बीजेपी के पूर्व सरपंच ऐजाज अहमद शेख की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी, रात 10:30 बजे हिरपोरा में हुई इस घटना का उद्देश्य केंद्र सरकार के सुरक्षा प्रयासों से उपजी बौखलाहट थी। इसी दिन अनंतनाग में जयपुर के एक मुस्लिम जोड़े को भी गोली मार कर घायल किया था। इन दोनों घटनाओं के पीछे भारत सरकार के सुरक्षा प्रयासों के दावों को झुठलाने की कोशिश के साथ पर्यटकों को हतोत्साहित करने का उद्देश्य आतंकवादियो का था। पहलगाम में हुआ यह हमला बैसरन नामक घास के मैदान में हुआ,जहाँ केवल पैदल या टट्टू से ही पहुँचा जा सकता है, मंगलवार की सुबह पर्यटकों का एक समूह वहाँ घूमने गया था। इस हमले में निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या ने केवल मानवता को ही शर्मसार नहीं किया है बल्कि कश्मीर की शांति और विकास की राह में एक गंभीर चुनौती भी पेश करने की कोशिश की है जो उनकी हताशा को बयां करती है।

इस त्रासदी के बीच मगर एक सकारात्मक परिवर्तन भी देखने को मिला है। घटना के तुरंत बाद जिस प्रकार से कश्मीर के आम नागरिकों ने इस हमले की खुलकर निंदा की है और आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद की है जो इसके पहले कभी देखने को नहीं मिली थी। कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने रैलियाँ निकालकर पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए, जो इस बात का संकेत है कि अब कश्मीर के लोग शांति और विकास के पक्षधर हैं और केन्द्र की नीतियों का खुलकर समर्थन कर रहे है।

पिछले कुछ वर्षों में शांति और विकास का जो माहौल बना है, उसने स्थानीय लोगों को यह

कश्मीर के वातावरण में यह बदलाव अचानक नहीं आया है यह परिणाम केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की नीतियों और प्रयासों से सम्भव हुआ है जो वह गत कई वर्षों से कर रहे है। उनके ईमानदार प्रयासों ने कश्मीर के लोगों में विश्वास और सुरक्षा की भावना को पुनर्जीवित किया है।

महसूस कराया है कि स्थिरता और समृद्धि ही उनके भविष्य की कुंजी है। पर्यटन, शिक्षा, और व्यापार के क्षेत्र में हुए सुधारों ने लोगों को यह समझाया है कि आतंकवाद से दूरी बनाकर ही वे अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

कश्मीर के वातावरण में यह बदलाव अचानक नहीं आया है यह परिणाम केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी की नीतियों और प्रयासों से सम्भव हुआ है जो वह गत कई वर्षों से कर रहे है। उनके ईमानदार प्रयासों ने कश्मीर के लोगों में विश्वास और सुरक्षा की भावना को पुनर्जीवित किया है। पिछले समय से श्री शाह ने कश्मीर के बहुत से दौरे के दौरान स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित किया ,कश्मीरियों के मन में यह भरोसा जगाया कि केंद्र सरकार उनकी सुरक्षा व भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।

पहलगाम की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विदेश दौरे पर रहते हुए इस पर सतत निगरानी रखी। वहीं अपने विदेशी दौरे को बीच में छोड़कर कर यह स्पष्ट संदेश दिया कि कश्मीर की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार गंभीर है। घटना के तत्काल बाद श्री अमित शाह जी के पहुँचने से कश्मीर में सुरक्षा और विश्वास का माहौल बना है लोगों को विश्वास हुआ है कि केंद्र के शांति के प्रयासों में कोई कमी नहीं आयेगी। उनके इस कदम से निश्चित ही आतंकियों के मनोबल पर असर पड़ेगा।

बैसरन की घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर किया है कि क्या आतंकवाद फिर से पैर पसारने की कोशिश कर रहा है ? इसका जवाब निश्चित ही नहीं है क्योंकि अब कश्मीर के लोग जागरूक हो चुके हैं और उन्होंने तय कर लिया है कि वे आतंकवाद का समर्थन नहीं करेंगे। उनकी यह दृढ़ता ही आतंकवाद के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है। क्योंकि इस घटना के बाद कश्मीर में जो जन-आक्रोश देखने को मिला है, वह इस बात का प्रमाण है कि अब कश्मीर के लोग आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हो चुके हैं। यह बदलाव न केवल कश्मीर के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक आशा की किरण है। पिछले कई दशकों से कश्मीरी नागरिकों को आतंकवादी गतिविधियों के कारण भारी व्यक्तिगत, आर्थिक और सामाजिक नुकसान उठाना पड़ा है। फिर भी, वे आज भी इस स्थिति का पूरी हिम्मत के साथ सामना कर रहे हैं। ऐसे कठिन समय में भी इतनी मजबूती से खड़े रहना और स्थिति को संभालना, उनकी मानसिकता वाकई इस देश के लिए प्रेरणादायी है। यह अवसर है जब केंद्र सरकार इस जन-भावना को और मजबूत करे और कश्मीर के लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करे, ताकि वे आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को और प्रभावी ढंग से लड़ सकें। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ भारत के प्रयासों का समर्थन करना चाहिए।

अंततः, पहलगाम की घटना एक चेतावनी है, लेकिन कश्मीर के लोगों की प्रतिक्रिया एक आशा की किरण है जो केंद्र सरकार के प्रयासों पर सील लगाते हुये कह रही है कि अब समय आ गया है कि हम सभी मिलकर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हों जिससे कश्मीर शांति, विकास, और समृद्धि की ओर अग्रसर हो जिससे आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके।

(लेखक राष्ट्रीय महामंत्री-प्रभारी जम्मू-कश्मीर व प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता,नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी हैं)

पहलगाम में मजहबी आतंक का सबसे बर्बर चेहरा

- ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर में स्थित पहलगाम, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से जाना जाता है, मंगलवार को एक भीषण, दर्दनाक एवं अमानवीय आतंकी हमले का गवाह बना, एक बार फिर जिहादी आतंक का घिनौना-बर्बर चेहरा दिखा। आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके गोलियां बरसाईं, उससे यही पता चलता है कि वे केवल खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। यह आतंकवाद एवं सांप्रदायिक घृणा का अब तक का सबसे घिनौना एवं बर्बर हमला एवं चेहरा है, जिसमें हिन्दू सुनकर चलाई गोलियां। जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा है। इस जघन्य एवं त्रासद घटना में निर्दोष पर्यटकों को तब मौत की गहरी नींद सुलाया गया, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं और भारतीय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में। इस हमले ने यह प्रकट किया कि कश्मीर में बचे-खुचे आतंकी किसी भी सीमा तक गिरने पर आमादा हैं। आतंकियों ने उन पर्यटकों को निशाना बनाया, जो कश्मीरियों की रोजी-रोटी को ही सहारा देने कश्मीर गए थे। यह हमला इतना वीभत्स था कि उसने हर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों ने नृशंसता की सारी सीमाएं पार करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 28 पर्यटक, जिनमें दो विदेश नागरिक भी थे, की दर्दनाक मौत हो गई।

हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट(टीआरएफ) ने ली है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हमलावरों ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग से होते हुए किश्तवाड़ के रास्ते बैसरन तक पहुंच बनाई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब बैसरन के घास के मैदान और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती कर रहे थे, कुछ खच्चरों की सवारी का आनंद ले रहे थे तो कुछ परिवार पिकनिक मना रहे थे। तभी घात लगाए बैठे आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के लिये सीधे तौर पर पाकिस्तान जिम्मेदार है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने किसी जिहादी की तरह हिंदुओं और भारत के खिलाफ अपनी घृणा का भद्दा प्रदर्शन किया था। अबू मूसा का वह भाषण और उसके तुरंत बाद हुआ पहलगाम नरसंहर दशार्ता है कि पीओके में बैठे आतंकी सरगना न केवल भारत विरोधी जहरीला प्रचार फैला रहे हैं, बल्कि कश्मीर घाटी की शांति, विकास एवं सौहार्द को बाधित करने की हर कोशिश को सफल बनाने में जुटे हैं। वे आगामी समय में घाटी को फिर से अशांत करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। इस भीषण आतंकी हमले के बाद घाटी में पर्यटन संबंधी कारोबार करीब-करीब ठप पड़ना तय है। आखिर इतनी भयावह घटना के बाद कौन पर्यटक कश्मीर की ओर रुख करेगा? लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं।

आज का राशिफल

मेष आज दिन बहुत अच्छा है और जो लोग जीवन में कुछ बड़ा करना चाहते हैं, उनके लिए दिन फलदायी रहेगा।	**तुला** आपका दिन लाभ से भरा होगा। आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
वृषभ व्यापारी से अनबन हो सकती है। लाभ मिलेगा और आपके जीवन में तरक्की के योग बने हैं।	**वृश्चिक** दूसरों की मदद करने में बीतेगा और आपको उनकी सहायता करने में खुशी का अनुभव होगा।
मिथुन जातकों के लिए दिन थोड़ा मुश्किल भरा हो सकता है और आपके लिए धन लाभ के योग बने हैं।	**धनु** पारिवारिक अशांति और आसपास का वातावरण आपके विपरीत हो सकता है।
कर्क आपके कारोबार मे तरक्की होगी। जीवनसाथी और व्यापार में साझेदारों का सहयोग मिलेगा।	**मकर** आज अचानक धन लाभ हो सकता है और आपको किसी कारण से तनाव हो सकता है।
सिंह और आपको तरक्की के मामले में लाभ होगा। समाज में आपकी अच्छी छवि बनेगी।	**कुंभ** आज सफलता मिलेगी और आपको कहीं से बड़ी मात्रा में धन मिलने से संतोष होगा।
कन्या आज समाज में मान-सम्मान मिलेगा और आप अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल होंगे।	**मीन** आज दिन अच्छा है। ऑफिस में युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

विशेष

बिहार के पुलिस अधिकारियों का राजनीति प्रेम

बिहार के बड़े-बड़े पदों पर बैठे हुए पुलिस अधिकारियों की इच्छा होती है। वह चुनाव लड़कर विधानसभा और लोकसभा पहुंचे। केंद्र में हरदीप पुरी अश्विनी वैष्णव अर्जुन मेघवाल पूर्व अधिकारी हैं। जो केंद्र में महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री बने हुए हैं। बिहार में प्रशांत किशोर ने नई पार्टी बनाई है। प्रशांत किशोर की पार्टी में शामिल होने के लिए पुलिस अधिकारी काफी उत्साहित हैं। असम काडर के एक पुलिस अधिकारी ने प्रशांत किशोर की पार्टी, बीआरएस लेकर ज्वाइन कर ली है। वही शिवदीप लांडे ने बीआरएस लेकर हिंद सेना नाम की नई पार्टी बना ली है। जो बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही है। पहले अधिकारी सेवानिवृत्ति के बाद राजनीति का पल्लू थामते थे।

वक्फ कानून पर केंद्र सरकार को तगड़ा झटका

गए थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास केंद्र सरकार ने 80:20 की लड़ाई को ध्यान में रखते हुए वक्फ कानून को लेकर बड़ा हो हल्ला मचाया। मुसलमानो को कई भागों में बांटने की जो रणनीति बनाई थी। उस रणनीति को सुप्रीम कोर्ट ने एक ही झटके में खत्म कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में 2 दिन लगातार सुनवाई हुई। जजों के सवालों का जवाब सरकार नहीं दे पाई। सरकार ने जवाब देने के लिए समय मांगा। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने अपनी पूरी ताकत लगा दी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट का रुख नहीं बदला।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1783 वारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ ब्रिटिश संसद ने भ्रष्टाचार के ग्यारह आरोप लगाए, 1858 हागू रोज के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों से भीषण लड़ाई के बाद झांसी की रानी लक्ष्मीबाई झांसी से काल्पी और ग्वालियर गई. 1889 साहित्यकार माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म. 1904 प्रसिद्ध गायक कुंदनलाल सहगल का जन्म. 1912 चीनी गणराज्य की घोषणा तिब्बत में की गई. 1942 बावरिया में बंगाल की खाड़ी में तीन ब्रिटिश जहाजों को डुबा दिया गया. 1942 वाशिंगटन में उत्तर अटालांटिका संधि पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, पुर्तगाल, नार्वे डेनमार्क, आइसलैंड और कनाडा हस्ताक्षर किये. 1961 हाउस्ट, टेक्सास के एक अस्पताल में कृत्रिम हृदय

दैनिक पंचांग

23 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

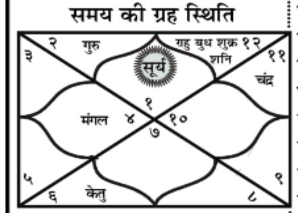

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.48 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	08.47 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	11.00 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.16 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.28 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.39 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.53 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.09 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.15 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	कुंभ	02.01 बजे से
		मीन	03.34 बजे से
		मेष	05.04 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 113 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 16.44 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 12.08 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 18.51 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 05.34 बजे, विष्टि 16.44 बजे तदनन्तर बव 03.43 बजे रात्र को समाप्त।

चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 33'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872323
जूलियन दिन 2460788.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 24

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में बनाएं करियर

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- बीमा क्षेत्र
- वित्तीय संस्थाए
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

लाइब्रेरी सांइस में क्या है करियर स्कोप

स्कूल कॉलेज हों या फिर सरकारी व प्राइवेट संस्थान हर जगह डॉक्यूमेंट्स को संभालने व संरक्षण करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग होता है। इस लाइब्रेरी में किताबों की देखभाल करने वाले को लाइब्रेरियन कहा जाता है।

अगर आपको भी किताबों से प्यार है और ज्ञान के भंडार के बीच अपना समय बीताना चाहते हैं, तो लाइग्ररियन बन सकते हैं, इसके लिए आपको लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करना पड़ेगा, जिसके बाद आप लाइब्रेरी अटेंडेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट, जूनियर लाइब्रेरियन और लाइब्रेरियन जैसे पदों पर रहकर अच्छा करियर बना सकते हैं।

क्या है लाइब्रेरी सांइस का कोर्स

लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा है, आज के समय यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है। इसलिए इसमें करियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं। इस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इस क्षेत्र में अगर आप करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होना जरूरी है। क्योंकि आजकल सारे डेटा और रिकॉर्ड कंप्यूटर पर ही रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स

अगर आप लाइब्रेरी साइंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। वहीं बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस या बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के लिए आपको किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना होगा। बैचलर करने के बाद आम मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस भी कर सकते हैं। इसके बाद आप एमफिल या पीएचडी कर रिसर्च या टीचिंग के सेक्टर में भी जा सकते हैं।

करियर स्कोप क्या है

लाइब्रेरी साइंस में इस समय जॉब्स की कमी नहीं है, लाइब्रेरी साइंस में ग्रेजुएट होने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। जिस तरह से दिन- प्रतिदिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज की संख्या बढ़ रहा है, ठीक उसी प्रकार इस सेक्टर में जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आप किसी भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, प्राइवेट संस्थान, प्राइवेट लाइब्रेरी, म्यूजियम आदि में लाइब्रेरियन के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूजपेपर और न्यूज चैनल्स में भी लाइब्रेरियन की नियुक्ति की जाती हैं। अब तो कॉरपोरेट कंपनियों में भी लाइब्रेरी को प्रमोट किया जाता है, ऐसे में यहां पर भी अच्छी सैलेरी के साथ जॉब मिल सकती है। अब जमाना डिजिटल हो चुका है, इसलिए अब ऑनलाइन लाइब्रेरी या कंप्यूटर लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ा है।

करियर ऑप्शन क्या है

अब लाइब्रेरी साइंस काफी विकसित सेक्टर के रूप में जाना जाता है। जिसकी जरूरत हर जगह पर पड़ती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के अनेक ऑप्शन हैं। आप कोर्स पूरा कर निम्न पदों पर रहकर करियर बना सकते हैं। जिसमें जूनियर लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन, लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट, पुस्तकालय सहायक, शोधकर्ता व वैज्ञानिक, सलाहकार, तकनीकी सहायक, अभिलेख प्रबंधक, सूचना केंद्र का प्रमुख, वरिष्ठ सूचना विश्लेषक, कानून लाइब्रेरियन, इंडेक्सर, सूचना वास्तुकार, पुरालेखपाल शामिल है।

कितनी मिलती है सैलरी

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स करने के बाद आप प्रेशर के तौर पर 20 से 30 हजार रूपए कमा सकते हैं, इसके बाद जिस तरह से आपका अनुभ्व बढ़ेगा, उसी के अनुसार आपका पद और वेतन भी बढ़ेगा। वहीं अगर आपकी जॉब गवर्नमेंट सेक्टर में लग गया तो आप हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आईआईटी में एडमिशन दिलाएंगी ये टिप्स

देश में इंजीनियर बनने की चाह रखने वाले हर स्टूडेंट की चाहत होती है कि वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) से इंजीनियरिंग करे। आईआईटी में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को जेईई मेन एवं जेईई एडवांस परीक्षा पास करनी होती है। यहां हम आपको तैयारी के लिए कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं।

बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले सिलेबस के अनुसार अपना स्टडी प्लान बनाएं। जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों के सिलेबस लगभग समान होते हैं।

सेट करें वीकली और डेली टारगेट

स्टडी के लिए न्यूनतम घंटे तय करें। इसके साथ ही डेली या वीकली टारगेट सेट करें।

एनसीईआरटी की लें मदद

बेसिक तैयारी के लिए एनसीईआरटी बुक्स बहुत अच्छी मानी जाती हैं। इस कारण 11वीं से ही इन बुक्स से तैयारी करें।

क्लियर करें कॉन्सेप्ट

जेईई परीक्षा में आपके बेसिक्स की जांच होती है। पहले बेसिक कॉन्सेप्ट को समझें और इसके लिए थ्योरी पार्ट को पढ़ें।

स्मार्ट स्टडी

हार्ड वर्क के साथ ही स्मार्ट वर्क करें। इसके लिए नोट्स बनाएं, इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स, फॉर्मूला, शॉर्टकट, रिएक्शन आदि के साथ स्मार्ट स्टडी करें।

मॉक टेस्ट पेपर

अपनी स्पीड, लर्निंग एक्यूरेसी और टाइम मैनेजमेंट स्किल को परखने के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट पेपर सॉल्व करें।

कर सकते हैं कोचिंग

टफ और डाउट वाले प्रश्नों को आसानी से समझने के लिए आप कोचिंग भी ज्वॉइन कर सकते हैं।

12वीं में पीसीएम लेने के मतलब सिर्फ इंजीनियर बनना ही नहीं

छात्रों के बीच एक आम धारणा है कि 12वीं में मैथ्य लेने का मतलब है इंजीनियरिंग करना और साइंस लेने का मतलब है डॉक्टर बनना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर बच्चा सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना चाहता है। कई बच्चे ऐसे भी हैं जो अलग फील्ड में जाना चाहते हैं।

बन सकते हैं पायलेट

अगर आप बचपन से उड़ते हुए प्लेन को देख कर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप पायलट पाठ्यक्रम भी चुन सकते है। इसका कोर्स प्राइवेट कॉलेज भी करवाते है। हवाई यात्रा सस्ती होने के साथ, विमान उद्योग तेज गति उन्नति कर रहा है और वाणिज्यिक पायलटों की आवश्यकता भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। यदि आप आकाश में उड़ना चाहते हैं और पायलट बनना कहते है तो यह कोर्स आपके लिए परफेक्ट है।

मर्चेंट नेवी

यह कोर्स आज के समय में बेहतर ऑप्शंस है। इसमें आप मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस, शिप मेंटेनेंस आदि कोर्स कर सकते हैं। यह देश में सबसे अधिक सैलरी देने वाले कोर्सेज में से एक है। इसमें आपको कई देशों का सफर करने का मौका मिलता है तथा देश की सेवा करने का भी मौका मिलता है। काफी युवा छात्र मर्चेंट नेवी को अपना करियर बनाते है यह छात्रों की एक मनपसंद फील्ड है।

एनीमेशन का फील्ड

अगर आप क्रिएटिव हैं तो एनीमेशन के फील्ड में जा सकते हैं। 12वीं के बाद एनीमेशन की फील्ड में करियर बनाने का सपना काफी छात्रों का होता है। एनीमेशन की फील्ड काफी ज्यादा क्रिएटिव और मनोरंजक फील्ड है। इसमें छात्रों को कुछ नया करने को मिलता है। आज कल के समय में एनिमेटेड मूवीज, कार्टून्स काफी ज्यादा लोकप्रिय है ऐसे में एनीमेशन की फील्ड में बहुत कुछ कर दिखने का मौका है। कुछ साल पहले तक, केवल निजी संस्थान थे जो एनीमेशन के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते थे, परन्तु अब काफी इंस्टीटूट्स खुल गए है जो एनीमेशन का कोर्स करवाते है तथा नौकरी भी दिलाते है।

वीडियो गेम

कोरोना के बाद वीडियो गेम उद्योग बूस्ट पर चल रहा है। भारत में आज कई इंटरनेशन व नेशनल कंपनियां इस फील्ड में काम कर रही हैं। इस फील्ड में आपको कंप्यूटर लैंग्वेज पढ़ाई जाएगी और ग्राफिक डिजाइनिंग के बारे सिखाया जाता है। इस फील्ड में भी बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरुरत है। इस फील्ड में वेतन भी बहुत अच्छा है तथा भविष्य भी बहुत बढ़िया है।

एप डेवलपर

इस समय डिजिटल दुनिया में सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है ऐसे में एप डेवलपर का भविष्य बहुत ही अच्छा है। आप एप डेवलपिंग का कोर्स ज्वाइन कर के अपना करियर इस फील्ड में बना सकते है। इसमें वेतन भी बहुत ज्यादा मिलता है। आजकल सभी लोग अपना व्यवसाय ऑनलाइन करते जा रहे है ऐसे में सभी अपना एप बनवाते है और अपने बिजनेस को या प्रोडक्ट तो प्रमोट करते है इसलिए यह भी एक बहुत अच्छा करियर ऑप्शन है।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

आज के समय में यहां सैकड़ों आईटी फर्म हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। और ये आईटी फर्म एक बढ़िया 7 फिगर सैलरी देती है अपने सॉफ्टवेयर डेवलपर को। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल ये सभी कम्पनीज सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर करती है और अच्छा वेतन देती है। आजकल तो सभी बैंक्स भी ऑनलाइन हो गए है और लगभग सभी ऑफिसेस भी अपना सॉफ्टवेयर डेवेलप करवाते है। ऐसे में ये एक ऐसा करियर है जिसमे कभी पीछे नहीं मुड़ना पड़ेगा। सभी आईटी फर्म्स सॉफ्टवेयर डेवलपर को रखती है और अच्छा वेतन देती है।

बीसीए भी है ऑप्शन

अगर आप 12 वीं के बाद करियर ऑप्शन देख रहे हैं तो आपके लिए बीसीए एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है। अगर आपको कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो बीसीए आपके लिए बढ़िया चुनाव रहेगा। बीसीए करने के बाद आप किसी अच्छी आईटी कंपनी में जॉब कर सकते है और अगर आप बीसीए के बाद पोस्ट ग्रेजुएट एमसीए भी कर लेंगे तो कंप्यूटर की फील्ड में एक अच्छा करियर बना सकते है तथा उच्च वेतन की नौकरी भी मिल सकती है।

आप पेंटिंग या ड्राइंग के साथ अपना स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पेंटिंग डिपार्टमेंट से आप म्यूरल के लिए भी जा सकते हैं।

पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में बनाएं करियर

बदलते समय के साथ लोगों की सोच भी बदल रही है, खास कर ऐसे माता- पिता की जो अपने बच्चों पर बचपन से ही डॉक्टर-इंजीनियर बनने का दबाव डालते और इसे ही करियर के लिए सबसे बेहतर मानते थे। आज के समय में करियर के कई विकल्प खुल गए हैं। अब सिर्फ कॉमर्स या साइंस जैसे स्ट्रीम ही करियर की संभावना नहीं रह गया है। यही कारण है की मां-बाप अपने बच्चों को पसंद के अनुसार अपना करियर बनाने का मौका दे रहे हैं। इस समय फैशन एक ऐसा क्षेत्र है जो युवाओं को खुलकर जीने का मौका दे रहा है, जिससे आज युवा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपनी प्रतिभा निखारने के साथ अपना करियर बना रहे हैं।

क्या है बैचलर ऑफ फाइन आर्ट

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का स्वरूप बहुत बड़ा है। इसमें छात्रों को नृत्य, चित्र, फोटोग्राफी, फिल्म, वास्तुकला, आदि की शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं, ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार सालों का कोर्स होता है। शुरुआती सालों में आपको विजुअल आर्ट के सभी विषयों की जानकारी दी जाती है लेकिन अंतिम साल में आपको स्पेशलाइजेशन के रुप में एक विषय चुनना होता है।

जरूरी स्किल

अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते है तो आपको कला की अच्छी समझ होनीं चाहिए। इसके लिए आपमें कल्पनाशीलता और क्रिएटिविटी जैसी स्किल की बेसिक जानकारी जरूरी है। इसके अलावा थिंकिंग पावर और ड्राइंग, पेंटिंग, स्कैचिंग की अच्छी समझ होना जरूरी है। वहीं इस फील्ड के लिए आप नए- नए एक्सपेरिमेंट करते रहना जरूरी है, जिससे आपकी कला का और विकास हो सके। एक पेंटर के रूप में, एक उम्मीदवार विभिन्न कलाकृतियां बना सकता है जैसे कि वाटर कलर पेंटिंग, ऑइल पेंटिंग, इंक वॉश पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पेस्टल कलर पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, एनकॉस्टिक पेंटिंग आदि। एक पेंटर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करता है या उसका प्रदर्शन करता है।

करियर

यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर छात्रों को बीएफए कोर्स करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। आज कल बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स में काफी बच्चों को दिलचस्पी होती है। बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स एडवरटाइजिंग कम्पनीज, आर्ट स्टूडियोज, बाउटिकेस आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं। आज के समय में बैचलर ऑफ फाइन आर्टस का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं अच्छी पेंटिग्स भी लाखों- करोड़ो रुपए में बिक रही हैं, जिससे कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। अगर आप चाहें तो आप इसमें एमए करके रिसर्च के लिए जा सकते हैं और इसके बाद आप किसी प्राइवेट संस्थान या किसी सरकारी कॉलेज में पढ़ा सकते हैं। वैसे तो कोर्स पूरा होने के पहले ही अगर आपने मेहनत की तो आपको सफलता मिलनी शुरू हो जाती है, ज्यादातर को प्राइवेट संस्थानों में, घरों और ऑफिसों, सरकार की तरफ से दीवारों को सजाने या उनपर पेंट, पोर्ट्रेट बनाने जैसे काम मिलने शुरू हो जाते हैं। फ्रीलांस आर्टिस्ट के तौर पर भी आप कार्य कर सकते हैं।

क्या होती है जॉब प्रोफाइल

एक पेंटर बनने के लिए आपको बीए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, बीएफए पेंटिंग, बीए इन पेंटिंग, बीए इन विजुअल आर्ट्स, बीएफए एप्लाइड आर्ट्स, एमएफए, एमए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, डिप्लोमा इन पेंटिंग का कोर्स करना पड़ेगा। जिसके बाद आप पेंटर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, विजुअलाइजेशन प्रोफेशनल, इलेस्ट्रेटेर, डिजिटल डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, आर्ट प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, आर्ट कंजरवेटरआर्ट, डनेपनउ, आर्ट रेस्टोरेशन स्पेसलिस्ट, मुरलिस्ट पेंटर, कॉमिक आर्टिस्ट, एंटीरियर डिजाइनर से जॉब प्रोफाइल पर कार्य कर सकते हैं।

उपभोग-निवेश अर्थव्यवस्था के मजबूत इंजन, कमजोर विदेशी मांग से प्रभावित हो सकती है वृद्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उपभोग और निवेश जैसे वृद्धि के घरेलू इंजन मजबूत बने हुए हैं।ये बाहरी प्रतिकूल परिस्थितियों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं। हालांकि, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के कमजोर होने के साथ विदेश से मांग में नरमी

के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि दर प्रभावित हो सकती है। आरबीआईने मंगलवार को जारी अप्रैल के बुलेटिन में कहा, सूझबूझ के साथ नीतिगत समर्थन भारत को वैश्विक अस्थिरता को अवसर में बदलने और उभरते परिदृश्य में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद कर सकता है। हालांकि, व्यापार तनाव और वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने निकट भविष्य में वैश्विक वृद्धि के कमजोर होने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।

कृषि आय में हो सकती है वृद्धि– बुलेटिन में आगे कहा गया है कि इस साल मानसून के सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को बढ़ावा मिला है। इससे कृषि आय में वृद्धि हो सकती है और खाद्य कीमतों को काबू में रखने में मदद मिल सकती है। बुलेटिन के मुताबिक, भारत के विभिन्न देशों के साथ व्यापार संबंधों को देखते हुए यह आपूर्ति श्रृंखला को व्यवस्थित कर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के स्रोतों को विविध बनाकर और वैश्विक निवेशकों के साथ जुड़ाव से लाभान्वित होने को तैयार है।

स्मार्ट सिटीज मिशन

1.50 लाख करोड़ की 90 फीसदी से ज्यादा परियोजनाएं पूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 25 जून, 2015 को शुरू किया गया स्मार्ट सिटीज मिशन अपने 10 साल पूरे करने के करीब है। इस मिशन के तहत 100 शहरों में करीब 1.64 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 8,000 से अधिक मल्टी–सेक्टोरल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एसबीआई ने स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर जारी एक रिपोर्ट में कहा, कुल परियोजनाओं में से 7,504 यानी 90 फीसदी से अधिक पहले ही पूरी हो चुकी हैं, जिनकी लागत 1.50 लाख करोड़ रुपये है। यह बताता

है कि देशभर में शहरी विकास में तेजी से प्रगति हो रही है। मिशन का जोर अर्बन मोबिलिटी (शहरी गतिशीलता) और जल/स्वच्छता बुनियादी ढांचे में सुधार पर रहा है। कुल लागत का करीब 50 फीसदी खर्च इन दो क्षेत्रों पर किया गया है, जिसमें 3,000 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। इन दोनों क्षेत्रों में हर परियोजना पर औसतन 22 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

फंड इस्तेमाल करने में यूपी शीर्ष पर– रिपोर्ट के मुताबिक, स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत परियोजनाओं पर खर्च किए गए 1.64 लाख करोड़ रुपये में से करीब 92 फीसदी फंड का इस्तेमाल 21 प्रमुख राज्यों में किया गया है। फंड इस्तेमाल करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। तमिलनाडु दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है।

सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से दुबई में ग्राहक गायब

भारतीय ग्राहक अब अच्छे डिजाइन वाले गहनों की ओर बढ़ रहे हैं

सोने की बढ़ती कीमतों से खरीदारी में बहुत ज्यादा कमी आ रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई सोने के शौकीनों के लिए बड़ा सेंटर रहा है। लेकिन, सोने की कीमतें बढ़ने से वहां व्यापारी परेशान हैं। कीमतें इस साल की शुरुआत से लगभग एक तिहाई बढ़ गई हैं। भारत सरकार ने भी सोने पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया है। इससे दुबई के व्यापारियों को भारतीय ग्राहकों को वापस लाने में मुश्किल हो रही है। वे अब नए डिजाइन और अच्छी क्वालिटी पर फोकस कर रहे हैं। सोने की कीमतें 3,500 डॉलर प्रति औंस से ऊपर चली गई हैं। इससे लोग सोना खरीदने से पहले सोच रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल की आलोचना के बाद निवेशकों की चिंता बढ़ने से सोने की कीमतों में उछाल आया है। दुबई पिछले 80 सालों से सोने के चाहने वालों के लिए खास जगह रही है। खासकर ईरानी और भारतीय ग्राहक यहां खूब आते थे। उन्होंने दुबई को सोने का एक बड़ा बाजार बनाने में मदद की। लेकिन, अब सोने के दाम बहुत बढ़ गए हैं। इससे दुबई के जूलर्स को परेशानी हो रही है।

सरकार के इस कदम का बड़ा असर

भारत सरकार ने सोने पर लगने वाला टैक्स भी कम कर दिया है। पहले 15 प्रतिशत टैक्स लगता था, अब सिर्फ 6 प्रतिशत लगता है। इससे दुबई में सोना खरीदना उतना सस्ता नहीं रहा, जितना पहले था। इसलिए दुबई के जूलर अब भारतीय ग्राहकों को वापस लाने के लिए नई योजनाएं बना रहे हैं। भारतीय त्योहारों

के समय जैसे दिवाली और अक्षय तृतीया में खूब सोना खरीदते हैं।

दुबई के जूलर अब सिर्फ कम कीमत पर सोना बेचने की बजाय अच्छे डिजाइन वाले गहने बेच रहे हैं। वे तुर्की, इटली और सिंगापुर से गहने मंगवा रहे हैं। साथ ही, वे कलकत्ता और मंदिर के गहनों जैसे पुराने डिजाइन को भी फिर से बना रहे हैं। कुछ कंपनियां दूसरे देशों से नए डिजाइन ला रही हैं।

अच्छे डिजाइन और बढ़िया [ालिटी पर फोकस

अब दुकानदार अच्छे डिजाइन और बढ़िया क्वालिटी पर ध्यान दे रहे हैं। वे चाहते हैं कि भारतीय ग्राहक सिर्फ कीमत न देखें, बल्कि गहनों की खूबसूरती और अलग डिजाइन को भी पसंद करें। दुबई का गोल्ड सूक, जिसे सिटी ऑफ गोल्ड भी कहते हैं, वहां भी लोग सोने के दाम बढ़ने से परेशान हैं। 22 कैरेट सोना शादी और त्योहारों में खूब खरीदा जाता था। लेकिन अब दाम बढ़ने से लोग हीरे और कम सोने के गहने खरीदने लगे हैं।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं सोने के दाम– रॉयटर्स के अनुसार, दुकानदारों का कहना है कि अब कम लोग आ रहे हैं और खरीदारी भी कम हो रही है। लोगों को सोना महंगा लग रहा है। लैब में बने हीरे अब ज्यादा बिक रहे हैं, क्योंकि वे सस्ते होते हैं। अगर सोने के दाम 2025 तक ऐसे ही बढ़ते रहे तो भारत और खाड़ी देशों में गहनों की मांग और भी कम हो सकती है। कारण है कि इन देशों में गहने खरीदने का तरीका एक जैसा ही है।

सोना इस साल 22,650 महंगा

अगले एक माह में 8 फीसदी तक घट सकते हैं दाम; अक्षय तृतीया और शादी में मांग तेज

नईदिल्ली, एजेंसी। टैरिफ वार शुरू होने के बाद दुनियाभर में उपजी अनिश्चितताओं के बीच सोना लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है।मंगलवार को यह दिल्ली सराफा बाजार में एक लाख रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही, सोने की कीमत इस साल अब तक 22,650 रुपये या 28.68 फीसदी बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर, 2024 को सोना 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था। सराफा कारोबारियों का कहना है कि अक्षय तृतीया जैसे त्योहार और शादी-विवाह के सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद के चलते आभूषण विक्रेताओं ने सोने की खरीदारी बढ़ाई है, जिससे बहुमूल्य धातु की कीमतों को समर्थन मिला है। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय केडिया ने कहा, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद घरेलू बाजार में सोने की कीमत अगले एक महीने में घटकर 91,000 से 92,000 रुपये के स्तर पर आ सकती हैं, जो 7-8 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। अगर व्यापार युद्ध में नरमी आती है और अनिश्चितताएं कुछ कम होती हैं, तो सोने में और बड़ी गिरावट आ सकती है।

सलाह : दाम घटने का करें इंतजार

अजय केडिया ने कहा, अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। लेकिन, मौजूदा हालात में कीमतें जिस रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं, उसमें नई खरीदारी से बचना चाहिए। सोना एक साल में 40 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। 1980 के बाद से किसी भी एसेट क्लास ने इतना बड़ा रिटर्न नहीं दिया है।

अडानी ग्रुप ने टेलीकॉम बिजनस के पल्ला झाड़ा

● ग्रुप ने तीन साल पहले नीलामी में स्पेक्ट्रम खरीदा था ● अब इसे सुनील मित्तल की एयरटेल को बेचा जा रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि गौतम अडानी किसी प्रोजेक्ट में हाथ डालें और फिर पीछे हट जाएं। लेकिन पहली बार ऐसा होने जा रहा है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस ने टेलीकॉम सेक्टर से हाथ पीछे खींचने का फैसला किया है। अडानी ग्रुप ने साल 2022 में जो स्पेक्ट्रम खरीदा था, उसे भारती एयरटेल को बेचने का फैसला किया है। अडानी डेटा नेटवर्क्स ने 26त॥5 बैंड में 400 एमएच5 स्पेक्ट्रम लगभग 212 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब यह स्पेक्ट्रम एयरटेल को मिल जाएगा। अडानी ग्रुप ने पहले कहा था कि वह इस स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल अपने निजी इस्तेमाल के लिए करेगा। लेकिन टेलीकॉम विभाग के नियमों के अनुसार स्पेक्ट्रम खरीदने वाली कंपनियों को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। ऐसा न करने पर जुर्माना

लग सकता है।

सुनील भारती मित्तल की अगुवाई वाली कंपनी एयरटेल ने कहा कि भारती एयरटेल और उसकी सहायक कंपनी भारती हेक्साकॉम ने अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी डेटा नेटवर्क्स के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत एयरटेल को गुजरात (100एमएच5), मुंबई (100एमएच5), आंध्र प्रदेश (50एमएच5), राजस्थान (50एमएच5), कर्नाटक (50एमएच5) और तमिलनाडु (50एमएच5) में 26जीएच5 बैंड का 400एमएच5 स्पेक्ट्रम इस्तेमाल करने का अधिकार मिलेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि यह सौदा कुछ शर्तों और सरकारी मंजूरियों के बाद पूरा होगा।

क्यों खींचे हाथ

साल 2022 में अडानी ग्रुप के टेलीकॉम सेक्टर में आने के बाद कई तरह की बातें हो रही थीं। माना जा रहा है कि अडानी ग्रुप वोडाफोन आइडिया जैसी मुश्किलों में फंसी कंपनियों को खरीद सकता है। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट, सीमेंट, डेटा सेंटर, बिजली और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में आक्रामक तरीके से काम किया है। इसलिए माना जा रहा था कि वह टेलीकॉम और डिजिटल सेक्टर में भी रिलायंस जियो जैसा धमाल कर सकता है। लेकिन अडानी ग्रुप ने ने हमेशा कहा कि वह सिर्फ अपने निजी इस्तेमाल के लिए स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वह एयरपोर्ट से लेकर बिजली और डेटा सेंटर तक अपने बिजनस को सपोर्ट करने के लिए एक प्राइवेट नेटवर्क बनाना चाहता है। जानकारों का कहना है कि अडानी ग्रुप का फोकस दूसरे बड़े निवेश वाले सेक्टरों पर है। इसलिए उसने टेलीकॉम सेक्टर से बाहर निकलने का फैसला किया होगा। एक जानकार ने कहा कि भारी निवेश और इस बिजनस में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण शायद ग्रुप ने इससे दूर रहने का फैसला किया। टेलीकॉम सेक्टर में बहुत पैसा लगाना पड़ता है और कड़ी प्रतिस्पर्धा है। शायद यही वजह है कि अडानी ग्रुप ने अपने कदम पीछे खींच लिए।

आयकर विभाग ने पोर्टल पर शुरू की ई-पे टैक्स सुविधा, करों का आसानी से भुगतान कर सकेंगे करदाता

नईदिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने अपने आधारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई–पे टैक्स सुविधा शुरू की है। विभाग ने मंगलवार को कहा है कि उसने करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। अब करदाता अपने करों का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। आयकर विभाग ने एक बयान में कहा, विभाग द्वारा शुरू की गई ई–पे टैक्स सुविधा आपके कर दायित्वों को पूरा करने का एक सुंदर, कुशल और परेशानी मुक्त तरीका है।

विभाग ने आगे कहा कि अब बैंकों में लंबी कतारें, थकाऊ फॉर्म भरने और आखिरी समय में कर भुगतान की चिंता के दिन खत्म हो गए हैं। टैक्स भरने को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए, और लोगों को डिजिटल तरीके से सशक्त करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, आयकर विभाग ने अपने आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई–पे टैक्स सुविधा शुरू की है।

टैक्स भुगतान प्रक्रिया में रुकावटों को दूर करेगी सुविधा– आयकर विभाग ने कहा कि यह सुविधा टैक्स भुगतान प्रक्रिया में रुकावटों को दूर करेगी। साथ ही समय पर टैक्स भरने की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगी।

ट्रंप के नए टैरिफ ऐलान से प्रॉफिट में आई वारी एनर्जीज

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल निर्माता वारी एनर्जीज के शेयरों में मंगलवार की बंपर तेजी के बाद आज बुधवार को भी तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर शुरुआती कारोबार में ही 9 प्रतिशत से अधिक चढ़ गए और 2855 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 2611.85 रुपये था। इससे पहले मंगलवार को भी कंपनी के शेयर 6 प्रतिशत तक चढ़ गए थे। बता दें कि शेयरों में इस तेजी के पीछे शानदार तिमाही नतीजे हैं। इसके अलावा, ट्रंप का एक ऐलान है। दरअसल, अमेरिका द्वारा चार दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों से सोलर इक्विपमेंट के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाए जाने के बाद सोलर एनर्जी इक्विपमेंट निर्माण कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। सोमवार को कंबोडिया, वियतनाम, मलेशिया और थाईलैंड से आयात पर 3,521 प्रतिशत तक के नए शुल्क लगाए हैं। इससे भारतीय सोलर एनर्जी इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी है।

मार्च तिमाही के नतीजे– इधर, बीते मंगलवार को ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम जारी किए। मार्च तिमाही में सौर पैनल निर्माता वारी एनर्जीज लिमिटेड का नेट प्रॉफिट 34.1 प्रतिशत सालाना आधार पर बढ़कर 618.9 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में वारी एनर्जीज ने 461.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। कंपनी का रेवेन्यू 36.4 प्रतिशत बढ़कर 4,003.9 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,935.8 करोड़ रुपये था। परिचालन स्तर पर, इबीआईटीडीए इस वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 120.6 प्रतिशत बढ़कर 922.6 करोड़ हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 418.3 करोड़ थी। रिपोर्टिंग तिमाही में इबीआईटीडीए मार्जिन 23 प्रतिशत रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 14.3 प्रतिशत था। इबीआईटीडीए ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय है।

भारत और सऊदी अरब मिलकर बिजली ग्रिड कनेक्शन पर काम कर रहे हैं

● समुद्र के नीचे केबल बिछाकर चीन को बड़ा झटका देने की योजना ● प्रधानमंत्री मोदी का वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड सपना साकार होगा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और सऊदी अरब मिलकर चीन को हाई वोल्टेज करंट देने की तैयारी में हैं। दरअसल, भारत और सऊदी अरब मिलकर एक बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने वाले हैं। यह प्रोजेक्ट दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेगा। सऊदी अरब की दो दिन की यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरब न्यूज को बताया, हम भारत और सऊदी अरब के बीच बिजली ग्रिड को जोड़ने की संभावना पर काम कर रहे हैं। इससे पूरे क्षेत्र को फायदा होगा।

दोनों देश समुद्र के नीचे केबल बिछाकर अपनी बिजली ग्रिड को जोड़ेंगे। ये केबल अरब सागर से गुजरेंगी।

क्या है दोनों देशों का प्लान

साल 2023 में भारत और सऊदी अरब ने बिजली के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता किया था। इस समझौते में बिजली के कनेक्शन बनाना, पीक समय और इमरजेंसी में बिजली का आदान-प्रदान करना, प्रोजेक्ट को मिलकर बनाना, ग्रीन/क्लीन हाइड्रोजन और रिन्यूएबल एनर्जी का उत्पादन करना शामिल है। साथ ही ग्रीन/क्लीन हाइड्रोजन और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में इस्तेमाल होने वाले सामान की सप्लाई चेन को सुरक्षित और मजबूत बनाना भी इस समझौते का हिस्सा है।

बिजली ग्रिड कनेक्शन क्यों जरूरी है–यह प्रोजेक्ट भारत को सऊदी अरब से तेल और एलपीजी खरीदने वाले देश से बदलकर ग्रीन पावर और हाइड्रोजन एक्सपोर्ट करने वाला देश बना सकता है। सऊदी अरब, भारत के लिए तेल का तीसरा सबसे बड़ा और एलपीजी का सबसे बड़ा स्रोत है। यह प्रोजेक्ट पीएम नरेंद्र मोदी के वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड के सपने को पूरा करने की दिशा में पहला कदम होगा। ओसोवॉगग का मतलब है कि पूरी दुनिया में एक ऐसा ग्रिड हो जिससे ग्रीन पावर को एक देश से दूसरे देश में भेजा जा सके।ओसोवॉग का विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में इंटरनेशनल सोलर एलायंस की पहली बैठक में रखा था। इसका मकसद है कि पूरी दुनिया में एक ऐसा ग्रिड बनाया जाए जिससे रिन्यूएबल एनर्जी को देशों के बीच ट्रांसफर किया जा सके और एनर्जी को लेकर स्थिरता लाई जा सके।

अथर एनर्जी के आईपीओ का ग्रे मार्केट में चल रहा है 321 का भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में भरोसा है, तो अथर एनर्जी के आईपीओ पर नजर रखें। कंपनी ने अपने शेयर की कीमत 304 रुपये से 321 रुपये के बीच तय की है। आप 28 अप्रैल से 30 अप्रैल तक इस आईपीओ में पैसा लगा सकते हैं। वहीं, बड़े निवेशकों

यानी एंकर इन्वेस्टर्स को 25 अप्रैल को शेयर मिलेंगे। अभी ग्रे मार्केट में अथर के शेयरों की कीमत आईपीओ प्राइस से करीब 15-20 प्रतिशत ऊपर चल रही है। मतलब, लिस्टिंग के दिन शेयरों के भाव अच्छे रह सकते हैं।

शेयर अलॉटमेंट– निवेशकों को 2 मई को पता चलेगा किसे शेयर मिले हैं या नहीं मिले हैं। जिन निवेशकों को शेयर नहीं अलॉट होंगे उनको रिफंड 5 मई को हो जाएगा। आईपीओ की लिस्टिंग 6 मई को होगी। इस दिन बीएसई और ह्रस्श्र पर शेयर की ट्रेडिंग शुरू होगी।

क्या करती है कंपनी– अथर एनर्जी बेंगलुरु की कंपनी है, जो इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाती है। साथ ही, अपना चार्जिंग नेटवर्क और सॉफ्टवेयर भी डेवलप करती है। कंपनी ने पिछले साल के मुकाबले घाटा कम किया है (9 महीने में 578 करोड़ 1ह्य 776 करोड़) और बिक्री बढ़ी है। इसका मुकाबला हीरो मोटोकॉर्प, बजाज ऑटो, टीवीएस मोटर्स जैसी कंपनियों है। इनका क्क/श्व रेश्यो 20 से 68 के बीच है। कंपनी के मालिक (तरुण मेहता और स्वपनिल जैन) और कुछ बड़े इन्वेस्टर्स अपने शेयर बेचेंगे। कुल मिलाकर 1.1 करोड़ शेयर ह्रस्नस (ऑफर फॉर सेल) के तहत बिकेंगे। अगर आपने आईपीओ में अप्लाई किया है, तो 5 मई तक डीमैट अकाउंट में शेयर दिखने लगेंगे।

थप्पड़ से किया घायल, लाईव मैच में धराशायी हुआ ये खिलाड़ी, पाकिस्तान सुपर लीग में चौंकाने वाला मामला

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में चल रही टी20 लीग से चौंकाने वाला मामला सामने आया है. वहां 22 अप्रैल को मुल्तान सुल्तांस और लाहौर कलंदर्स के बीच खेले मुकाबले में घटी एक घटना ने सबका ध्यान खींचा है. मामला थप्पड़ मारने और उससे एक खिलाड़ी के घायल होने से जुड़ा है. हालांकि, ये सबकुछ जान-बूझकर नहीं हुआ. फिर भी गलती से हुई वो मिस्टेक उस खिलाड़ी को जमीन पर गिराने के लिए काफी रही, जिसे थप्पड़ लगा. मामला मुल्तान सुल्तांस के दो खिलाड़ियों उबैद शाह और उस्मान खान से जुड़ा है. मैच में ये घटना लाहौर कलंदर्स की इनिंग के 15वें ओवर में घटी. इस ओवर की आखिरी गेंद पर उबैद शाह ने सैम बिलिंग्स का विकेट लिया. जिसका जश्न मनाने के चक्कर में उबैद शाह, विकेटकीपर उस्मान खान को हाई-फाई देने गए. मगर वो उसका सही से अंदाजा नहीं लगा पाए और वो सीधा थप्पड़ की तरह उनके चेहरे पर लगा. इस घटना में उस्मान खान को थोड़ी चोटें आई और वो जमीन पर भी धराशायी हुए पड़े दिखे. हालांकि, अच्छी बात ये रही कि विकेटकीपर उस्मान खान अपना खेल आगे जारी रखते दिखे. उन्होंने उस घटना के बाद मैच में एक कैच भी पकड़ा. वहीं उबैद शाह की बात करें तो मैच में 4 ओवर में 37 रन देकर उन्होंने 3 विकेट लिए, जिसमें सैम बिलिंग्स उनका आखिरी शिकार रहे. उबैद शाह और उस्मान खान की टीम मुल्तान सुल्तांस मुकाबला जीतने में कामयाब रही. उसने लाहौर कलंदर्स को 33 रन से हराया. पहले खेलते हुए मुल्तान सुल्तांस ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 228 रन बनाए थे, जिसमें उस्मान खान का योगदान 24 गेंदों पर 39 रन का रहा था. लाहौर कलंदर्स ने 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर सिर्फ 195 रन ही बनाए.

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टैकपोल का निधन, गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी 207 रन की यादगार पारी

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज कीथ स्टैकपोल का हृदयघात से निधन हो गया है। वह 84 वर्ष के थे। उन्होंने वर्ष 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण किया। स्टैकपोल ने ऑस्ट्रेलिया के 43 टेस्ट मैच खेले और 7 शतक के साथ 2087 रन बनाए। इसके साथ ही उन्होंने लेग स्पिन गेंदबाज के रूप में 15 विकेट भी लिए। उन्होंने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 207 रन 1970 में गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 55.21 की औसत से तीन शतक बनाए। इयान चैपल की कप्तान में 1972 की एशेज में उन्होंने 53.88 की औसत से 485 रन बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। स्टैकपोल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कुल मिलाकर 10,100 रन बनाए और 148 विकेट लिए। वे एक प्रमुख टीवी और रेडियो कमेंटेटर भी रहे। उन्हें 1973 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। स्टैकपोल ने 1974 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने कहा, 'कीथ क्रिकेट के खेल में सबसे महान योगदानकर्ताओं में से एक थे और उनकी विरासत भविष्य में भी कायम रहेगी।

राहुल बने सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

राहुल ने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की

लखनऊ, एजेंसी। केएल राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ने मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर दिल्ली कैपिटल्स की आठ विकेट की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। राहुल ने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की और इस सूची में डेविड वॉर्नर (135), विराट कोहली (157), एबी डिविलियर्स (161) और शिखर धवन (168) को पीछे छोड़ दिया।

आईपीएल 2024 में (लखनऊ सुपर जायंट्स) के लिए कप्तानी कर चुके राहुल इस साल दिल्ली कैपिटल्स के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर खेल रहे हैं। गत वर्ष राहुल की लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक से तीखी नोकझोंक के बाद फ्रैंचाइजी द्वारा उन्हें रिलीज कर दिया गया था। राहुल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के सामने 42 गेंदों पर पर नाबाद 57 रनों का पारी खेली। उन्होंने एडन मारक्रम, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई के स्पिन आक्रमण के खिलाफ सावधानी से बल्लेबाजी की। हालांकि, बीच-बीच में वह अपने शॉट्स भी खेलते रहे। राहुल ने 40 गेंदों में तीन चौकों और 3 छक्कों की मदद से अर्धशतक बनाया और अक्षर पटेल के साथ मिलकर लखनऊ के गेंदबाजों को वापसी करने का मौका नहीं दिया। उन्होंने प्रिंस यादव की गेंद पर छक्का लगाकर मैच अपने नाम कर लिया। राहुल इस सीजन में जबरदस्त फॉर्म में हैं, वह हाल ही में 200 आईपीएल छक्के लगाने वाले सबसे तेज भारतीय बने और वे वेस्टइंडीज के बड़े हिटर क्रिस गेल और आंद्रे रसेल के बाद तीसरे सबसे तेज खिलाड़ी हैं।

राहुल इस सीजन में दिल्ली के लिए शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने इस मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट 155.67 रहा है जो लीग में उनके 12 सीजन का दूसरा सबसे अधिक स्ट्राइक रेट है। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने आठ पारियों में 359 रन बनाए हैं और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रहा, जब उन्होंने नाबाद 93 रन की पारी खेली और टीम को छह विकेट से जीत दिलाई। राहुल निजी कारणों के चलते दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपना पहला मैच नहीं खेल पाए थे।

केएल राहुल और विराट कोहली के बीच हैरतअंगेज संयोग, इस लत के बारे में जानकर ठनक जाएगा माथा

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल और विराट कोहली. दोनों दो अलग बल्लेबाज. खेलने का अंदाज अलग, मिजाज अलग. लेकिन, लत दोनों को एक सी लगी है. आदत दोनों की एक सी दिख रही है.

दोनों को लगी लत का नतीजा अब ये है कि उनके साथ एक हैरतअंगेज संयोग जुड़ चुका है. सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि दोनों को लत क्या लगी है? उसके तार आईपीएल में रन चेज कर इनके मैच जिताने से जुड़ते हैं. और, संयोग ये है कि उस मामले में दोनों की कहानी पिछले 7 सालों से हूबहू एक सी है. आईपीएल में चेज करते हुए टीम को जिताने के दौरान केएल राहुल ने जितने रन बनाए हैं, पिछले 7 सालों में उतने ही रन विराट कोहली के बल्ले से भी निकले हैं. मतलब साल 2018 से अब तक कोहली और राहुल आईपीएल में चेज कर रन बनाने और मैच जिताने के मामले में एक जैसे हैं. आईपीएल में विनिंग चेज में विराट कोहली ने साल 2018 से अब तक 1222 रन बनाए हैं. इतने ही रन इस दौरान केएल राहुल के भी हैं.

तीन साल में पहली बार मैड्रिड ओपन में उतरेंगे जोकोविच

मैड्रिड, एजेंसी। जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रहे हैं। उन्होंने 2011, 2016 और 2019 में यहां खिताब जीते हैं। वह 2022 के सेमीफाइनल में अल्कारेज से हार के बाद यहां पहली बार खेलेंगे। पूर्व चैंपियन नोवाक जोकोविच तीन साल में पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में उतरेंगे। उनकी निगाह अपने 100वें टूर खिताब पर होगी। जोकोविच को चौथी वरीयता दी गई है और वह उसी हाफ में हैं जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त स्थानीय दर्शकों के चहेते कार्लोस अल्कारेज होंगे। जोकोविच का मैड्रिड ओपन में जीत हार का रिकॉर्ड 30-9 का है। 37 वर्षीय जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रहे हैं। उन्होंने 2011, 2016 और 2019 में यहां खिताब जीते हैं। वह 2022 के सेमीफाइनल में अल्कारेज से हार के बाद यहां पहली बार खेलेंगे। हाल में म्यूनिख में खिताब जीतने वाले दुनिया के दूसरे नंबर के अलेक्जेंडर ज्वेरेव यहां शीर्ष वरीय होंगे, जबकि तीसरी वरीयता टेलर फ्रिट्ज को दी गई है।

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स करने जा रही इस बार भी प्लेऑफ में एंट्री! आंकड़े दे रहे गवाही

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 8 विकेट से मात दे दी। इस मैच में मुकेश कुमार ने चार विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई, जिसके चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड मिला। यह आईपीएल 2025 का 40वां मैच था, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी फॉर्म का एक बार फिर प्रदर्शन किया। यह टीम अपने 8 मैचों में अभी तक 6 जीत दर्ज कर चुकी है और प्लेऑफ में जाने की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश कर रही डीसी की टीम के लिए यह इस लीग के इतिहास में पांचवां मौका है, जब उन्होंने अपने शुरुआती आठ मैचों में छह जीत दर्ज की हैं।

ताजा जीत से अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद डीसी की टीम ने इससे पहले सीजन 2009, 2012, 2020, 2021 में शुरुआती आठ मैचों में छह जीत दर्ज की थी। खास बात यह है कि इन चारों मौकों पर डीसी की टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। ऐसे में आंकड़े अगर कुछ इशारा करते हैं, तो इस बार भी दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में जाने के लिए बड़ा कदम बढ़ा चुकी है। आईपीएल 2025 में प्रत्येक टीम को 14-14 मैच खेलने हैं। दिल्ली कैपिटल्स की टीम गुजरात टाइटंस के साथ टॉप-2 पर मौजूद है। दोनों ही टीमों ने आठ मैचों में छह जीत दर्ज की हैं। हालांकि नेट रन रेट के आधार पर डीसी को दूसरा स्थान मिला है। इस मैच में केएल राहुल अपनी पुरानी टीम के खिलाफ खेल रहे थे और उन्होंने 42 गेंदों पर 57 रनों की पारी खेली, जिसमें वह नाबाद पवेलियन लौटे। राहुल एक शानदार बल्लेबाज रहे हैं, जिन्होंने आईपीएल में सबसे तेज 5,000 रन भी पूरे कर लिए हैं। राहुल ने इसके लिए केवल 130 पारी ली हैं। डेविड वार्नर ने इससे पहले 135 पारियों में पांच हजार रन पूरे किए थे। विराट कोहली 157 पारियों में ऐसा कर चुके हैं।

3272 दिन के बाद ऋषभ पंत के साथ हुआ ऐसा, कुछ नहीं लगा हाथ, आईपीएल में खराब प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल 2025 में वो कमाल नहीं कर पा रहे है जिसके लिए वो जाने जाते हैं। पंत बल्लेबाजी के मोर्चे पर पूरी तरह से फेल नजर आ रहे हैं। दिल्ली के खिलाफ बैटिंग के लिए वो मैदान पर आए, लेकिन डक पर आउट हो कर वापस लौट गए। दिल्ली ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और इस टीम ने लखनऊ को 159 रन पर रोक दिया। इस मैच में पंत, आयुष बदोनी के आउट होने के बाद सातवें नंबर पर बैटिंग करने उतरे जब दो गेंदें शेष बची थी। वो एक भी रन नहीं बना पाए और उन्हें मुकेश कुमार ने डक पर आउट कर दिया। इस तरह से पंत का खराब प्रदर्शन लगातार जारी रहा। पंत ने साल 2016 के बाद अब जाकर आईपीएल के किसी मैच में सातवें या उससे निचले क्रम पर बैटिंग के लिए उतरे। पंत ने इस साल दिल्ली के लिए दो बार 7 या उससे निचले क्रम पर बैटिंग की थी, लेकिन इस नंबर पर वो चल नहीं पाए थे। एक बार फिर से वो 3272 दिन के बाद इस नंबर पर बैटिंग के लिए आए और उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। इस सीजन में वो दूसरी बार डक पर आउट हुए। इससे पहले वो इस सीजन के पहले मैच में भी डक पर आउट हुए थे। पंत साल 2016 में पहली बार केकेआर के खिलाफ 8वें नंबर पर बैटिंग के लिए उतरे थे और उस मैच में उन्होंने नाबाद 4 रन की पारी खेली थी।

राजस्थान के खिलाफ घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड में सुधार करने उतरेगा आरसीबी

मोहित सूरी की 'सैयारा' में चंकी पांडे के भतीजे के साथ आएंगी नजर अनीत पड्डा?

मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' में लीड फीमेल एक्टर के तौर पर अनीत पड्डा नजर आएंगी। वह चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे के साथ इस फिल्म में कास्ट हुई हैं। मंगलवार को मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' के रिलीज डेट और इसके लीड एक्टर्स की आधिकारिक घोषणा हुई। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे के बेटे अहान पांडे और अनीत पड्डा लीड भूमिका में नजर आएंगे। सभी की निगाहें अहान और अनीत पर टिकी हैं। जानते हैं आखिर कौन हैं अनीत पड्डा?

कहां से की अभिनय की शुरुआत?

अनीत पड्डा ने काजोल, विशाल जेठवा और प्रियामणि की 'सलाम वेंकी' से अपने अभिनय की शुरुआत की। साल 2022 में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अनीत ने नंदिनी की भूमिका निभाई थी। साल 2024 में, उन्होंने निल्या मेहरा की वेब सीरीज बिग 'गर्ल्स डोंट क्राई' में अभिनय किया, जहां उन्होंने रूही आहूजा की भूमिका निभाई।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी

22 साल की अनीत सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं रहती हैं। हालांकि, वह अपने काम से जुड़े अपडेट लगातार साझा करती रहती हैं।

लोग मेरे बारे में जानते नहीं हैं: रानी चटर्जी

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन रानी चटर्जी फिटनेस के मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेसेज को कड़ी टक्कर देती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और वर्कआउट के वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक बार फिर वर्कआउट को लेकर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। अपने जिम लुक से वह फैंस के दिलों पर राज कर रही हैं। फोटोज में रानी जिम में नजर आ रही हैं और वर्कआउट कर रही हैं। इसके अलावा, अन्य तस्वीरों में वह सेल्फी क्लिक करती दिख रही हैं। इंस्टाग्राम पर इस पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, हैलो मंडे.. अपने आप से प्यार करो, अपने ऊपर काम करो, बहुत से लोग मेरे बारे में जानते नहीं हैं कि मुझमें बहुत धैर्य है। रानी के इस पोस्ट को और उनके जिम लुक को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि रानी चटर्जी का असली नाम साहिबा शेख है। सभी सरकारी दस्तावेजों में वह इसी नाम से पहचानी जाती हैं। उनके फिल्मी नाम से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी है। बताया जाता है कि साल 2004 में वह भोजपुरी फिल्म ससुरा बड़ा पैसा वाला की शूटिंग कर रही थीं। इस फिल्म का एक सीन मंदिर में शूट होना था। कथित तौर पर जब एक रिपोर्टर ने उनसे उनका नाम पूछा, तब डायरेक्टर ने हंगामे से बचने के लिए उनका नाम बदलकर रानी चटर्जी बता दिया। डायरेक्टर को डर था कि वहां के लोग मुस्लिम लड़की के मंदिर में प्रवेश करने से हंगामा कर सकते हैं। इसके बाद वह रानी के नाम से ही मशहूर हो गईं।

टाइगर श्रॉफ को जान से मारने की धमकी के मामले में बड़ा खुलासा

बॉलीवुड स्टार्स की चमक-धमक भरी लाइफ को देख हर किसी के मन में यह जरूर आता है- वाह! क्या लाइफ है, लेकिन यह स्टारडम उनकी कई परेशानियों का कारण भी बन जाता है। उन्हें कड़ी सुरक्षा में चलना पड़ता है। कभी वह फैंस की भीड़ से घिर जाते हैं, तो कभी कोई उन्हें जान से मारने की धमकी दे देता है। ऐसी ही जान से मारने की धमकी को लेकर एक्टर टाइगर श्रॉफ सुर्खियों में बने हुए हैं। जब इस बात की खबर मुंबई पुलिस को मिली, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। हालांकि बाद में इस मामले में चौंकाने वाला मोड़ सामने आया। दरअसल, मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को एक फोन आया, जिसमें पुलिस को बताया गया कि सिक्योरिटी कंपनी ट्रिग के कुछ लोग एक्टर टाइगर श्रॉफ की हत्या करने जा रहे हैं। उनकी हत्या के लिए हथियार और दो लाख की सुपारी भी दी गई है। इस फोन कॉल के बाद पुलिस हरकत में आ गई और फौरन जांच शुरू कर दी।

जांच में सूचना को गलत पाया गया और पता चला कि यह फोन कॉल 35 वर्षीय मनीष कुमार सुजिंदर सिंह ने की है, जो मूल रूप से पंजाब का रहने वाला है। खार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। आए दिन अभिनेताओं को जान से मारने की धमकी मिलती रही है। इस लिस्ट में सबसे पहला नाम बॉलीवुड एक्टर सलमान खान का आता है। इससे पहले सलमान को भी कंट्रोल रूम में इसी तरह की धमकी भरी कॉल आई थी। उन्हें कई बार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उनके गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। उनके मुंबई स्थित घर में दो बाइक सवारों ने फायरिंग भी की थी, जिसके बाद उनकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया।

टाइगर श्रॉफ की बात करें तो उन्होंने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस कृति सेनन नजर आई थीं, दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया। इसके बाद वह बागी में नजर आए, जिसमें उन्होंने अपने स्टंट और फाइट सीक्वेंस से लोगों को अपना दीवाना बना दिया। इसके अलावा, उन्होंने ए फ्लाइंग जट्ट, मुन्ना माइकल, हीरोपंती 2, वॉर, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, गणपत, बागी-2, बागी 3 और सिंघम अगेन जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड में स्टारडम हासिल किया। वह अब बागी 4 की तैयारियों में जुटे हैं।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज किया केस

शाहरुख के बाद आमिर भी खाली करेंगे बांद्रा वाला घर

शाहरुख खान के बाद आमिर खान भी अपने बांद्रा स्थित घर को खाली करने जा रहे हैं, क्योंकि उसका रिनोवेशन किया जा रहा है। अभिनेता के पाली हिल स्थित घर को मैन इंफ्राकंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एमआईसीएल) द्वारा अल्ट्रा-लक्जरी प्रोजेक्ट में तब्दील किया जाएगा। शाहरुख खान के मुंबई में अपने घर मन्नत से बाहर निकलने के कुछ दिनों बाद अभिनेता आमिर खान भी पाली हिल में अपने घर से बाहर निकलने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि इमारत का रिनोवेशन किया जा रहा है। रियल एस्टेट डेवलपर मैन इंफ्राकंस्ट्रक्शन लिमिटेड इस साल के अंत में मुंबई के बांद्रा में पाली हिल इलाके में एक अल्ट्रा-लक्जरी प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह प्रोजेक्ट विर्गो कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के रिनोवेशन का हिस्सा है।

आमिर का अपार्टमेंट

आमिर खान ने बांद्रा के पाली हिल इलाके में एक और अपार्टमेंट खरीदा था। यह संपत्ति 1027 वर्ग फीट में फैली है और इसकी कीमत नौ करोड़ रुपये है।

अमिताभ बच्चन ने शेयर किया मंत्र बताया- यह सभी बीमारियों का इलाज

मेगास्टार अमिताभ बच्चन 82 साल की उम्र में भी काफी फिट और एनर्जेटिक हैं। फिल्मों में उनका जज्बा यंग एक्टर्स के लिए प्रेरणादायक होता है। उनका करियर पांच दशकों से भी ज्यादा लंबा है। अपने जोश और जज्बे को लेकर बिग बी ने बड़ा खुलासा किया और सभी बीमारियों का एक इलाज बताते हुए मंत्र भी फैंस के साथ शेयर किया। अमिताभ ने सोशल नेटवर्किंग साइट टम्बलर पर अपने ब्लॉग में लिखा, काम सभी बीमारियों का इलाज है... मैंने काम किया... बिग बी ने अपने करियर में 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उनकी पहली फिल्म सात हिंदुस्तानी थी, जिसमें उन्होंने अनवर अली नाम के एक कवि का किरदार निभाया था। लेकिन, असली पहचान उन्हें प्रकाश मेहरा की फिल्म जंजीर से मिली।

इस फिल्म में उन्होंने इंस्पेक्टर विजय खन्ना की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने शोले, दीवार, शहंशाह, मर्द, कुली, आनंद, रोटी कपड़ा और मकान जैसी एक के बाद एक सुपरहिट फिल्में दीं। उन्होंने हेरा फेरी, अमर अकबर एंथोनी, परवरिश, कसमे वादे, डॉन, त्रिशूल, मुकद्दर का सिकंदर, सुहाग, दोस्ताना, नसीब, लावारिस, नमक हलाल, अंधा कानून, शराबी, नमक हराम, अभिमान, काला पत्थर, शान, सिलसिला, याराना, कालिया, शक्ति, मिली, चुपके चुपके, चीनी कम, निशब्द, ब्लैक, पीकू और पिंक जैसी शानदार फिल्मों में भी काम किया। अमिताभ ने 2024 में वेट्टैयन के साथ तमिल डेब्यू भी किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो 2015 में रिलीज हुई, उनकी कॉमेडी ड्रामा फिल्म पीकू 9 मई को एक बार फिर सिनेमाघरों में आने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने किया है।

शाहरुख खान के साथ काम करेंगे अरशद वारसी

शाहरुख खान की फिल्म किंग एक वजह से सुर्खियों में है और वो है कास्टिंग। हालांकि फिल्म की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन शुरुआत में ऐसी खबरें थीं कि शाहरुख के अलावा इस फिल्म में उनकी बेटी सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और मुंजा फेम एक्टर अभय वर्मा भी हैं। हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों से एक बार फिर फिल्म की कास्टिंग को लेकर कई खबरें आ रही हैं।

अरशद वारसी हुए फिल्म में शामिल?

अब खबर है कि फिल्म में एक और कलाकार की एंट्री हुई है। अब पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, किंग की कास्ट में अरशद वारसी भी शामिल हो गए हैं। कथित तौर पर अभिनेता इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे और उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई है।

अरशद की फिल्म में शाहरुख खान ने किया था कैमियो

2005 में शाहरुख खान ने अरशद की फिल्म कुछ मीठा हो जाए में कैमियो किया था, लेकिन दोनों ने एक साथ ऐसी कोई फिल्म नहीं की है जिसमें उन्होंने पूरी भूमिका निभाई हो। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख खान को मुन्ना भाई एमबीबीएस का ऑफर किया गया था, लेकिन वह इसे नहीं कर पाए, इसलिए अगर सुपरस्टार राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में काम करते तो वह और अरशद असली मुन्ना और सर्किट होते।

दीपिका भी होंगी फिल्म का हिस्सा?

कुछ दिनों पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दीपिका पादुकोण को इस फिल्म में एक विस्तारित कैमियो करने के लिए चुना गया है। कथित तौर पर, वह फिल्म में सुहाना खान की मां और शाहरुख की पूर्व प्रेमिका के रूप में नजर आएंगी। हालांकि, इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक्स पर पोस्ट किया था, फॉल्स। अब सिद्धार्थ के इस ट्वीट ने यूजर्स को सोच में डाल दिया कि क्या वह दीपिका के फिल्म में अभिनय करने की खबरों का खंडन कर रहे हैं।

तय समय पर रिलीज नहीं होगी विजय देवरकोंडा की किंगडम? अनिरुद्ध रविचंदर बने फिल्म में देरी की वजह

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म किंगडम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और उत्साह बढ़ गया। हालांकि, अब लगता है कि फिल्म की रिलीज पर संकट आ गया।

फिल्म की रिलीज में हो सकती है देरी

विजय देवरकोंडा ने जर्सी के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी के साथ किंगडम के लिए हाथ मिलाया। यह फिल्म एक साल से अधिक समय से बन रही है और 30 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन ताजा चर्चा के अनुसार, किंगडम की रिलीज को टाला जा सकता है। इसके कई कारण हैं, लेकिन फिल्म के साथ सबसे बड़ी समस्या संगीत है।

इस वजह से फिल्म में हो रही देरी

अनिरुद्ध किंगडम के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं और उन्हें अभी बैकग्राउंड स्कोर तैयार करना है। उन्हें अभी बहुत सारा काम पूरा करना है, और चूंकि वे कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, इसलिए उन्हें विजय की फिल्म के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। ओटीटी प्ले के अनुसार, निर्माता थोड़े चिंतित हैं, क्योंकि उन्होंने किंगडम के लिए भारत भर में व्यापक प्रचार की योजना बनाई है और यदि वे तारीख से चूक जाते हैं तो उन्हें अगस्त 2025 की ओर देखना होगा, क्योंकि मई और जून में अन्य तेलुगु बड़ी फिल्में रिलीज होंगी।

फिल्म का एक शेड्यूल भी है बाकी

निर्माता नागा वामसी ने अपने कई साक्षात्कारों में खुलासा किया कि अनिरुद्ध एक ऐसे संगीतकार हैं, जो दबाव में काम नहीं करते और अपनी शर्तों पर काम पूरा करते हैं।

अनुराग कश्यप ने फिर मांगी माफी

मैं मर्यादा भूल गया, पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला...

फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप का ब्राह्मणों पर दिया गया विवादित बयान तूल पकड़ता जा रहा है। इस बीच मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कश्यप ने दोबारा से आहत लोगों से माफी मांगी है। कश्यप का कहना है कि वह गुस्से में आकर मर्यादा भूल गए थे। आगे वह ध्यान देंगे कि बातचीत के दौरान सही शब्दों का इस्तेमाल करें।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अनुराग कश्यप ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा, मैं गुस्से में किसी को एक जवाब देने में अपनी मर्यादा भूल गया और पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला। वो समाज जिसके तमाम लोग मेरी जिंदगी में रहे हैं, आज भी हैं और उन्होंने बहुत योगदान दिया है। आज वो सब मुझसे आहत हैं। मेरा परिवार मुझसे आहत है। बहुत सारे बुद्धिजीवी, जिनकी मैं इज्जत करता हूं, वे भी मेरे उस गुस्से में बोलने के तरीके या बयान से आहत हैं।

दिल से माफी मांगते हुए कश्यप ने आगे कहा, मैंने ऐसी बात करके अपनी ही बात को मुद्दे से भटका दिया। मैं तहे दिल से इस समाज से माफी मांगता हूं। मैं इन्हें ये नहीं कहना चाह रहा था, लेकिन आवेश में किसी की घटिया टिप्पणी का जवाब देते हुए ऐसा लिख दिया। मैं अपने बोलने के तरीके के लिए, अभद्र भाषा के लिए अपने उन तमाम सहयोगियों, दोस्तों, अपने परिवार से और उस समाज से माफी मांगता हूं। माफी मांगने के साथ ही अनुराग ने आगे कहा कि उनसे ऐसी गलती आगे कभी नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा, अब आगे से ऐसा न हो, मैं उस पर काम करूंगा। अपने गुस्से पर काम करूंगा और मुद्दे की बात अगर करनी हो तो सही शब्दों का इस्तेमाल करूंगा। आशा है आप मुझे माफ कर देंगे। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की।

अनुराग कश्यप के बयान पर ब्राह्मण रक्षा मंच ने रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपकमिंग फिल्म फुले पर सरकार से रोक लगाने की मांग की। उन्होंने फिल्म के जरिए ब्राह्मणों को अपमानित करने का आरोप लगाया। ब्राह्मण रक्षा मंच के साथ ही फिल्मी जगत के कई सितारे उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। कश्यप के बयान से नाराज अभिनेत्री पायल घोष ने पोस्ट शेयर कर कहा कि वह बॉलीवुड से दूर रहें, इंडस्ट्री उनके बिना खुश है। गीतकार-लेखक मनोज मुंतशिर ने तो अनुराग कश्यप को औकात में रहने तक की सलाह दे दी।

साभार एजेंसी